@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

गुरूवार, 9 अक्टूबर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 330 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अब भारत घुसकर मारता है : मोदी

'कांग्रेस बताए किसके दबाव में कार्रवाई नहीं की', आतंकवाद पर प्रधानमंत्री

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 साल पहले हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कांग्रेस पार्टी को घेरा। उन्होंने मुंबई आतंकी हमले के बाद तत्कालीन सरकार की नीति को कटघरे में खड़ा किया। पीएम मोदी ने कहा, मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी के साथ-साथ भारत के सबसे वाइब्रेंट शहरों में से एक है। इसलिए, 2008 में आतंकियों ने मुंबई शहर को बड़े हमले के लिए चुना। लेकिन तब जो कांग्रेस सरकार सत्ता में थी, उसने कमजोरी का संदेश दिया और आतंकवाद के सामने घुटने टेक दिए।

'कांग्रेस सरकार ने देश की सेनाओं को पाकिस्तान पर हमला करने से रोका'

बकौल प्रधानमंत्री मोदी, 'हाल ही में कांग्रेस के एक बड़े नेता, जो कांग्रेस के शासनकाल में देश के गृहमंत्री रह चुके हैं, ने एक साक्षात्कार में बड़ा खुलासा किया है कि 2008 के मुंबई हमले के बाद हमारी सेनाएं, पाकिस्तान पर हमला करने को तैयार थीं। पूरा देश भी यही चाहता था, लेकिन किसी दूसरे देश के दबाव में कांग्रेस सरकार ने देश की सेनाओं

को पाकिस्तान पर हमला करने से रोक दिया।'

अब भारत दमदार जवाब देता है, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने देखी ताकत

पीएम मोदी ने कहा, 'कांग्रेस को बताना होगा कि वह कौन था जिसने विदेशी दबाव में फैसला लिया और मुंबई व देश की भावना से खिलवाड़ किया।' उन्होंने कहा, हमारे लिए देश और देशवासियों की सुरक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं है। आज का भारत दमदार जवाब देता है, घर में घुसकर मारता है। यह ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने देखा है।

सरकार से कांग्रेस पार्टी ने भी पूछे तीखे सवाल

इससे पहले कांग्रेस पार्टी ने भी केंद्र सरकार से तीखे सवाल किए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 30 सितंबर 2025 को जारी ताजा अधिसूचना में पाकिस्तान, सऊदी अरब, कतर, ओमान, तुर्किए और इस्राइल जैसे देशों के नाम भी शामिल किए गए हैं। उन्होंने कहा, देखिए, कूटनीतिक माहौल कितनी जल्दी बदलता है और कूटनीतिक झटके कितनी तेजी से बढ़ते हैं। कांग्रेस महासचिव ने दोनों अमेरिकी अधिसूचनाओं की प्रतियों साझा करते हुए कहा कि यह भारत की विदेश नीति की असफलता का संकेत है।

• पीएम मोदी ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का किया उद्घाटन

मुंबई। प्रधानमंत्री मोदी ने नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले फेज का उद्घाटन किया। पहले फेज में एक टर्मिनल और रनवे बनाया गया है। अभी इसकी क्षमता सालाना 2 करोड़ यात्रियों की है और रोजाना 60 फ्लाइट उड़ सकेंगी। पहले फेज में करीब 19,647 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। एयरपोर्ट पर 4 टर्मिनल बनाए जाने हैं। सभी फेज पूरे बन जाने के बाद एयरपोर्ट की क्षमता सालाना 9 करोड़ यात्री की हो जाएगी। वहीं, रोजाना 300 फ्लाइट उड़ सकेंगी। नवी मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल को कमल के डिजाइन में डेवलप किया गया है। दिसंबर से यहां से रेगुलर उड़ानें शुरू हो जाएंगी। ये मुंबई का दूसरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा। इसका नाम किसान नेता डीबी पाटिल के नाम पर रखा गया है।

एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर जारी मंथन के बीच जीतन राम मांझी बोले-

'15 सीटों पर 'हम' मान जाएंगे'

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता तांत्रिक गठबंधन में सीट शेयरिंग के फार्मूले पर मंथन जारी है। एक ओर लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख चिराग पासवान अपनी जिद पर अड़े हुए हैं। वहीं दूसरी ओर हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतन राम मांझी ने ने भी अपनी चाहत बता दी है। उन्होंने राष्ट्रकवि दिनकर की कविता के जरिए अपनी डिमांड रखी है। उन्होंने ने बुधवार को संकेत दिया कि भले ही उनकी पार्टी चाहती थी कि बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से आधी सीटों पर चुनाव लड़े, लेकिन एनडीए सहयोगियों से टकराव से बचने के लिए वह 15 सीटों पर समझौता

करने को तैयार हैं। पूर्व मुख्यमंत्री मांझी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए कही। उनकी पोस्ट प्रसिद्ध कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की कृति 'रश्मिरथी' की उस प्रसिद्ध पंक्ति से प्रेरित लग रही थी, जिसमें भगवान कृष्ण ने महाभारत युद्ध से पहले दुर्योधन को समझाने की कोशिश की थी। मांझी ने लिखा कि 'हो न्याय अगर तो आधा दो' यानी अगर न्याय करना है तो आधा हिस्सा दो। 'पर उसमें भी यदि बाधा हो, तो दे दो केवल 15 ग्राम, रखो अपनी धरती तमाम।' उन्होंने स्पष्ट किया कि यहां 'ग्राम' का अर्थ सीटों से है। मांझी ने आगे लिखा, 'हम खुशी से खाएंगे, परिजन पे आसी न उठाएंगे' यानी हम इतनी सीटों से ही संतुष्ट रहेंगे और अपने सहयोगियों से संघर्ष नहीं करेंगे।

मुख्य न्यायाधीश पर हमले की कोशिश निंदनीय, आरोपी वकील को मिले सजा : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश को गंभीर अपराध बताते हुए आरोपी वकील के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने इस घटना को न्यायपालिका की गरिमा पर सीधा हमला बताया और कहा कि ऐसी मानसिकता को समाज में बिल्कुल जगह नहीं मिलनी चाहिए। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म (एक्स) पर एक वीडियो जारी करते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय में जो घटना घटी, वह अत्यंत निंदनीय है। जो उच्चतम न्यायालय जैसे सर्वोच्च संवैधानिक संस्थान में बैठकर मुख्य न्यायाधीश या किसी अन्य न्यायमूर्ति का अपमान करता है, और जूता फेंकने जैसा कृत्य करता है, वह सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि संविधान और न्याय व्यवस्था का अपमान करता है। इस तरह की सोच और विचारधारा, जो न्यायपालिका की मर्यादा को ठेस पहुंचाती है, वह समाज में गंदगी फैलाने के समान है।

गुरु साहिब के उपदेशों और जीवन ने भारतीय दर्शन को नया अर्थ दिया: सिरसा

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री और वरिष्ठ सिख नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कल दिल्ली विश्वविद्यालय के गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार श्री गुरु तेग बहादुर जी- जीवन, शहादत और विरासत में हिस्सा लिया। यह आयोजन गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया है, जिसमें देश-विदेश के प्रमुख इतिहासकार, विद्वान और शिक्षाविद गुरु साहिब के जीवन, दर्शन और बलिदान पर अपने विचार साझा कर रहे हैं। उद्घाटन सत्र में बोलते हुए सिरसा ने कहा, मेरे लिए यह गर्व का क्षण है कि जिस कॉलेज से मैंने शिक्षा पाई, उसी कॉलेज में आज गुरु तेग बहादुर जी के जीवन और संदेश पर इतना महत्वपूर्ण सम्मेलन देखने का अवसर मिला। गुरु साहिब का जीवन साहस और करुणा, आध्यात्मिक स्वतंत्रता और सार्वभौमिक भाईचारे का अद्भुत संगम है। उन्होंने बताया कि सरकार गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज में 'गुरु तेग बहादुर स्टडी सेंटर' स्थापित

करने की दिशा में काम कर रही है, ताकि गुरु साहिब के जीवन, दर्शन और योगदान पर गहन अध्ययन और शोध को बढ़ावा दिया जा सके। आगामी योजनाओं का जिक्र करते हुए सिरसा ने कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार नवंबर में लाल किले पर तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम आयोजित करेगी — वही स्थल जहाँ गुरु साहिब ने महान शहादत दी थी। इस अवसर पर प्रदर्शनी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और लेज़र शो के ज़रिए गुरु साहिब के संदेश को जन-जन तक पहुँचाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में बहुत जल्द गुरुओं की जीवन शिक्षाओं पर आधारित एक कॉफी टेबल बुक भी जारी की जाएगी, जिसमें विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों में गुरु साहिब के विचारों और संदेशों का उल्लेख होगा। यह सेमिनार दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) और दिल्ली विश्वविद्यालय के चार कॉलेजों — श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स और माता सुंदरी कॉलेज फॉर विमेन — के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया है। सेमिनार का दूसरा दिन भी विद्वानों और शोधकर्ताओं के सत्रों के साथ जारी रहेगा। जिसमें गुरु तेग बहादुर जी के विचारों, उनके मानवता-केन्द्रित योगदान और भारतीय दर्शन पर उनके प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

बिहार विधानसभा चुनाव

चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता के सख्त पालन के निर्देश जारी किए

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) को तत्काल प्रभाव से लागू करने का ऐलान किया है। 6 अक्टूबर को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ, आयोग ने बिहार के मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन अधिकारी को एमसीसी के सख्त कार्यान्वयन के निर्देश दिए हैं। यह संहिता न केवल राज्य सरकार, बल्कि केंद्र सरकार पर भी लागू होगी, खासकर बिहार से संबंधित नीतिगत फैसलों और घोषणाओं के मामले में। चुनाव आयोग ने सरकारी, सार्वजनिक और निजी संपत्तियों से किसी भी तरह के विरूपण (जैसे पोस्टर, बैनर) को हटाने का आदेश दिया है। साथ ही, सरकारी वाहनों, आवास या संसाधनों का किसी भी राजनीतिक दल, उम्मीदवार या चुनाव से जुड़े व्यक्ति द्वारा दुरुपयोग रोकने के लिए सख्ती बरतने को कहा गया है। सरकारी खर्च पर विज्ञापन जारी करने पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। नागरिकों की निजता का सम्मान करने और निजी संपत्तियों पर बिना मालिक की सहमति के झंडे, बैनर या पोस्टर लगाने पर रोक लगाई गई है। निजी

आवासों के बाहर प्रदर्शन या धरना देने की भी मनाही है। शिकायतों के निपटारे के लिए आयोग ने 24 घंटे चलने वाली शिकायत निगरानी प्रणाली शुरू की है। नागरिक कॉल सेंटर नंबर 1950 या जिला निर्वाचन अधिकारी के पास शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा, सी-विजिल ऐप के जरिए एमसीसी उल्लंघन की शिकायत की जा सकती है, जिस पर 100 मिनट के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए राज्य में 824 उड़न दस्ते तैनात किए गए हैं।

हम सिर्फ आसमान के नहीं, राष्ट्र के सम्मान के भी रक्षक हैं : वायुसेना प्रमुख

• वायुसेना का 93वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया

एजेंसी
नई दिल्ली। गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरबेस पर वायुसेना का 93वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस भव्य समारोह में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने कहा कि भारतीय वायुसेना आज तकनीक, कौशल और क्षमता तीनों में अग्रणी है। उन्होंने कहा, 'मुझे गर्व है कि मैं ऐसी वायुसेना का हिस्सा हूं जो न केवल अत्याधुनिक तकनीक से लैस है बल्कि साहस और समर्पण में भी अतुलनीय है। हमारे वायु वीरों ने हर युग में इतिहास रचा है। 1948, 1971, 1999 के युद्ध हों या फिर बालाकोट एयर स्ट्राइक और हालिया ऑपरेशन सिंदूर, हर बार भारतीय वायुसेना ने देश की रक्षा और सम्मान की नई मिसाल कायम की है।' यहां सीडीएस, वायुसेना प्रमुख, थलसेनाध्यक्ष व नौसेना की मौजूदगी में हेरिटेज विमानों द्वारा शानदार प्रदर्शन किया गया। तीनों सेनाओं के मार्चिंग दस्ते ने अपना प्रदर्शन किया। वायुसेना सेना के परेड दस्ते ने कदम ताल करते हुए सबका ध्यान आकर्षित किया। वहीं इस दौरान अपने संबोधन में एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा, 'हम न केवल आसमान के रक्षक हैं, बल्कि राष्ट्र के सम्मान के संरक्षक भी हैं।'

उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना की निर्णायक कार्रवाई ने भारत की रणनीतिक स्थिति को और मजबूत किया। यह ऑपरेशन इस बात का प्रमाण है कि समर्पण, नियमित अभ्यास और प्रशिक्षण के जरिए कितनी बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि हर स्तर पर नेतृत्व अग्रिम मोर्चे से किया जा रहा है, और यही भारतीय वायुसेना की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा, ÷हम सब मिलकर इस वायुसेना को बनाते हैं। हर वायु योद्धा का योगदान अमूल्य है। चाहे शांति का समय हो या युद्ध का, हर एक का कार्य उतना ही महत्वपूर्ण है।' उन्होंने यहां ऑपरेशन सिंदूर व अन्य ऑपरेशन में शामिल रहे एयर वॉरियर्स को सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने समस्त एयर वॉरियर्स को संदेश दिया कि निरंतर प्रशिक्षण और आत्म अनुशासन से ही वायुसेना की शक्ति बनी रहती है। उन्होंने कहा, 'यह आवश्यक है कि हम नियमित प्रशिक्षण से खुद को हर कार्य के लिए सक्षम बनाएं। हर वायु योद्धा को यह संकल्प लेना चाहिए कि चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों, मैं कभी कमजोर नहीं पड़ूंगा और इस श्रृंखला को टूटने नहीं दूंगा। एकजुट होकर हम हर चुनौती का सामना कर सकते हैं।' भविष्य की तैयारियों पर बल देते हुए वायुसेना प्रमुख ने कहा कि सतर्कता और निरंतर अभ्यास ही सफलता की कुंजी है।

आंध्र प्रदेश की पटाखा फैक्ट्री में आग, 7 की मौत

• शव पूरी तरह झुलसे; पहचान पाना भी मुश्किल हुआ, कई घायल

एजेंसी
राजमुंदरी। आंध्र प्रदेश के अंबेडकर कोनसीमा जिले के रायवरम मंडल के कोमारीपालेम गांव में लक्ष्मी गणपति पटाखा फैक्टरी में बुधवार को विस्फोट के बाद आग लग गई। इस भीषण हादसे में छह लोग जिंदा जल गए, जबकि कई मालिक वेलुगु बंटी सत्यनारायण मूर्ति मौके पर मृत पाए गए, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर सात हो गई है।

लक्ष्मी गणपति फायरवर्क्स सत्तर साल पुरानी पटाखा निर्माण इकाई है। इस औद्योगिक क्षेत्र को आंध्र प्रदेश का मिनी शिवकाशी कहा जाता है। ज़िलाधीश महेश कुमार ने

अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए। फायरवर्क्स के मालिक वेलुगु बंटी सत्यनारायण मूर्ति मौके पर मृत पाए गए, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। पुलिस के अनुसार हादसे के वक्त फैक्टरी में 40 मजदूर काम कर रहे थे। भीषण विस्फोट के कारण पटाखा निर्माण इकाई के शेड की दीवार ढह गई। बताया जा रहा है कि कुछ और लोग मलबे में दबे हो सकते हैं। रामचंद्रपुरम के आरडीओ अखिल ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। लक्ष्मी गणपति फायरवर्क्स के बताया कि स्थानीय पुलिस और राजस्व अधिकारियों ने एक हफ़्ते पहले पटाखा निर्माण केंद्र का निरीक्षण करके बताया था कि सभी सुरक्षा उपाय लागू थे। उन्होंने कहा कि वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि गोदाम मालिकों ने आग से बचाव के उपकरणों का सही इस्तेमाल किया था या नहीं। उन्होंने कहा कि वे दुर्घटना के कारणों का पता लगा रहे हैं। गंभीर रूप से घायलों में से दो को अनापर्थी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

हिमाचल बस हादसा: मृतकों की संख्या 16 हुई

एजेंसी
बिलासपुर। बिलासपुर के बरठीं में भल्लू पुल बिलासपुर जिले के बरठीं के भल्लू पुल के पास हुए

भीषण सड़क हादसे में 16 की मौत हो चुकी है। रात 2:30 बजे ऑपरेशन को सुरक्षा कारणों से अस्थायी रूप से रोकना पड़ा, जिसे सुबह 6:40 बजे फिर से शुरू किया गया। मौके पर दो एनडीआरएफ टीमें, क्यूआरटी और होम गार्ड की टीमें आवश्यक उपकरणों के साथ डटी हुई हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए एडीसी बिलासपुर, एसपी बिलासपुर और एसडीएम झंडूता घटनास्थल पर मौजूद हैं और राहत व बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। सभी मृतकों के शवों को सीएचसी बरठीं लाया गया, जहां पोस्टमार्टम प्रक्रिया सुबह 7:00 बजे शुरू हुई।

सीएमओ बिलासपुर की देखरेख में अतिरिक्त चिकित्सकों की व्यवस्था की गई है।

प्रक्रिया सुबह 10:30 बजे तक पूरी होने की संभावना है। सभी मृतकों की पहचान कर शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। प्रशासन ने तत्काल राहत के रूप में 25,000 प्रति मृतक परिजन को प्रदान किए हैं। वहीं, एसडीआरएफ मानकों के तहत आगे की आर्थिक सहायता प्रक्रिया में है। गांव भल्लू और आसपास के क्षेत्रों में मातम का माहौल है। स्थानीय लोग और प्रशासनिक अधिकारी लगातार राहत एवं पुनर्वास कार्यों में लगे हुए हैं।

बिलासपुर हादसे के मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये देगी सरकार : सुक्खू

वहीं मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि पिछली रात बिलासपुर में बड़ी दुखद घटना हुई है। बस के भूस्खलन की चपेट में आने के इस मामले में राज्य सरकार मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये देगी। उन्होंने कहा कि एक अनुमान के अनुसार इसमें करीब 18 लोग सवार थे। उन्हें जैसे ही प्रशासन से सूचना मिली और तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने उन्हें सूचना दी तो यहां पोकलेन और जेसीबी लगाए गए। इस हादसे में तकरीबन 16 लोगों की मौत हुई है। एक शव बुधवार सुबह मिला है। इसमें एक बेटा और बेटी जीवित बचे हैं।

न्यायमूर्ति सौमेन सेन बने मेघालय उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश

एजेंसी
शिलांग। शिलांग के राजभवन में बुधवार को एक शानदार समारोह में न्यायमूर्ति सौमेन सेन ने मेघालय उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राज्यपाल सी.एच. विजयशंकर ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी। यह नियुक्ति राज्य की न्यायपालिका के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। न्यायमूर्ति सेन ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति इंद्र प्रसन्ना मुखर्जी का स्थान लिया,

जो 5 सितंबर को रिटायर हो गए थे, क्योंकि उनकी सेवा की उम्र पूरी हो गई थी। उनके रिटायरमेंट के बाद न्यायमूर्ति हमरसन सिंह थांगखियू ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के तौर पर काम संभाला था। अब न्यायमूर्ति सेन ने औपचारिक रूप से 14वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण किया है। शपथ ग्रहण में कई बड़े लोग मौजूद थे, जिनमें मेघालय उच्च न्यायालय के जज, मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा, विपक्ष के नेता डॉ. मुकुल संगमा, कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ वकील, सरकारी अधिकारी और अन्य गणमान्य लोग शामिल थे। समारोह में राज्य की न्यायिक व्यवस्था को मजबूत करने की बात कही गई। न्यायमूर्ति सौमेन सेन का जन्म 1965 में कोलकाता में हुआ था। उन्हें 2011 में कलकत्ता उच्च न्यायालय में जज नियुक्त किया गया था और इस दौरान वे वहां कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश भी रहे। मेघालय में उनकी नियुक्ति के लिए सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम ने सिफारिश की थी, जिसे केंद्र सरकार ने मंजूरी दी। उनकी नियुक्ति से न्यायपालिका में अनुभव और नेतृत्व की नई उम्मीद जगी है।

यूपी की इकोनॉमी को काशी विश्वनाथ कॉरिडोर ने दिया सवा लाख करोड़ का बूस्टअप डोज

पीएम मोदी के विजन और सीएम योगी के मिशन से काशी ने बनाया कीर्तिमान

एजेंसी
लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मिशन से श्री काशी विश्वनाथ धाम ने उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। दिसंबर 2021 में प्रधानमंत्री मोदी के काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के लोकार्पण के बाद से अब तक लगभग 25 करोड़ 28 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर चुके हैं। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था को अनुमानित सवा लाख करोड़ रुपये का बूस्टअप डोज मिला है।

व्यापारियों, दुकानदारों, नाविकों, पुजारियों और होटल कारोबारियों को बड़े पैमाने पर रोजगार: श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि कॉरिडोर के निर्माण ने न केवल काशी की छवि को बदला है,

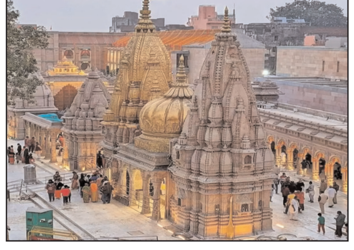

बल्कि पूरे प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों में भी अप्रत्याशित वृद्धि की है। देश के विभिन्न प्रांतों से लेकर दुनिया के तमाम देशों के श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लगातार बढ़ते आगमन से स्थानीय व्यापारियों, दुकानदारों, नाविकों, पुजारियों, ठेले वालों और होटल कारोबारियों को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

धार्मिक पर्यटन के मॉडल ने यूपी की छवि को दी अंतराष्ट्रीय स्तर की पहचान: योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सुरक्षा का माहौल बेहतर हुआ है। सड़कों का चौड़ीकरण, घाटों का सौंदर्यीकरण और एयरपोर्ट से लेकर गंगा घाट तक शानदार रोड कनेक्टिविटी ने देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित किया है। धार्मिक पर्यटन के इस मॉडल ने यूपी की छवि को राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दी है।

राजौरी में मुठभेड़ के बाद गायब हुए 4 आतंकियों को तलाशने में जुटा सुरक्षा बल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सुरक्षा बलों के आतंकियों से मुठभेड़ हुई इसके बाद वे अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। मंगलवार की रात दोनों ओर से कई राउंड फायरिंग की गई थी। इसके बाद आतंकी जंगल की ओर भाग गए थे। बीरंथुब में हुए इस एनकाउंटर के बाद से जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ की जॉइंट टीमें यहां पर सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। मंगलवार की पूरी रात चली सर्चिंग के बाद बुधवार सुबह भी सर्च ऑपरेशन जारी है। यहां 4 आतंकियों के छिपे होने की खबर है। सुरक्षाबल राजौरी-कोटरणका-बुधाले सड़क से गुजरने वाले वाहनों की जांच कर रहे हैं। वहीं, आज सुबह से टेरर फंडिंग केस को लेकर स्टेट इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) श्रीनगर, गांदरबल, वडगाम, अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, बारामूला, कुपवाड़ा, बांदीपुरा और गांदरबल में छापेमारी कर रही है।

कुलगाम में 2 हुए थे ढेर

इससे पहले पिछले माह सितंबर में सेना ने कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़ के दौरान 2 आतंकियों को मार गिराया था। गुड्डर के जंगलों में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई थी। सेना ने इसे ऑपरेशन गुड्डर नाम दिया था। इस दौरान घायल हुए दो जवान भी शहीद हुए थे। मारे गए एक आतंकी की पहचान शोपियां के रहने वाले आमिर अहमद डार के तौर पर हुई थी। वह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था और सितंबर 2023 से एक्टिव था। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से जारी 14 आतंकवादियों की लिस्ट में यह भी शामिल था।

सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में चचेरा भाई डीएसपी संदीपन अरेस्ट

गुवाहाटी (एजेंसी)। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में असम पुलिस के डीएसपी संदीपन गर्ग को अरेस्ट किया गया है। संदीपन, सिंगर के चचेरे भाई हैं। हादसे के वक्त वे सिंगापुर में साथ थे। अधिकारी ने बताया कि संदीपन से जुबीन की मौत को लेकर पिछले कुछ दिनों से पूछताछ की जा रही है। उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या, आपराधिक षड्यंत्र और लापरवाही से मौत का कारण बनने का केस दर्ज किया है। बात दें कि जुबीन की मौत के मामले में यह पांचवीं गिरफ्तारी है। इससे पहले, नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत, गायक के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और उनके दो बैंड सदस्यों शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृत प्रभा महंत को अरेस्ट किया गया था। जुबीन गर्ग का निधन सिंगापुर में 19 सितंबर को हुआ था। सिंगर 20 सितंबर को होने वाले नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के लिए सिंगापुर गए हुए थे, जहां उन्होंने वाटर एडवेंचर कार्य्रक्रम में हिस्सा लिया था। दावा किया गया कि उनकी मौत स्कूबा डाइविंग के दौरान एक हादसे में हुई थी।

आंध्र प्रदेश में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट... 6 लोगों की मौत, कई बुरी तरह झुलसे

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के डॉ.बीआर अंबेडकर कोनासीमा जिले के रायवरम में एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। बुरी तरह झुलस गए शवों की पहचान कर पाना मुश्किल हो रहा है। कई लोग घायल हैं। प्रशासन के अनुसार मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। पुलिस अधिकारी राहुल मीणा ने बताया कि हादसे में मारे गए लोगों के शव बुरी तरह झुलसे हैं। मृतक पटाखा फैक्ट्री के मजदूर हो सकते हैं। शवों की पहचान की जा रही है। पटाखा फैक्ट्री के पास मैन्युफैक्चरिंग का लाइसेंस था। लोकल रिपोर्ट्स में पटाखा बनाने के दौरान शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका की खबरें हैं। घटना के कई वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में पूरी फैक्ट्री आग की लपटों से घिरी दिखी। एक अन्य वीडियो में एक व्यक्ति का शव पूरी तरह झुलसा दिख रहा है। वहीं घटना पर सीएम चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए हैं। सीएम नायडू ने पोस्ट कर लिखा कि इस दुर्घटना में कई लोगों की जान जाने की खबर से गहरा दुख हुआ है। मैंने अधिकारियों से दुर्घटना के कारणों, वर्तमान स्थिति, राहत कार्यों और चिकित्सा सहायता के बारे में बात की है।

राजस्थान में कई दवाओं के सैंपल जांच में फेल... लेकिन रिपोर्ट आने तक बिक गई हजारों दवाए

जयपुर (एजेंसी)। कफ सिरप से बच्चों के मौत का मामला अभी सुर्खियों में है। लेकिन इसी बीच लोगों की सेहत से जुड़ी एक और बड़ी लापरवाही सामने आई है। सिर्फ राजस्थान में एक साल के अंदर कई बड़ी बीमारियों की दवाओं के सैंपल फेल हुए है। लेकिन उससे पहले ही दवाओं की हजारों गोलियां बेची जा चुकी हैं। जिन दवाओं के सैंपल फेल हैं, उसमें एंटी बायोटिक से लेकर कार्डियक अरेस्ट जैसे गंभीर बीमारियों की टैबलेट शामिल हैं। वहीं, सैंपल में कई दवाओं से साल्ट भी गायब मिले। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि दवा नियंत्रण क़ानून में कई ख़ामियां हैं। इसका फ़ायदा उठाकर आम लोगों के जीवन से खेलने का ये कारोबार बेधड़क जारी है। दवाइयों के सैंपल फेल होने का मामला राजस्थान के औषधि नियंत्रण विभाग की जांच में सामने आया। औषधि नियंत्रण विभाग ये लापरवाही सामने आई की लेबोरेटरी में जांच हो रही है और नतीजे भी आ रहे हैं लेकिन कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं हो रहा है। राजस्थान ड्रग कंट्रोलर विभाग के अनुसार सैकड़ों दवाओं के सैंपल फेल हुए हैं। जांच में इमोक्सीसिलिन, क्लेवूलेनिक एसिड टैबलेट, सिफोफ्लोक्सासिन, सेफपोडॉक्सिन, सेफट्राइजोन इंजेक्शन के 6 बैच फेल मिले। जांच से पहले मेडिरिच लिमिटेड की 1 लाख से अधिक दवाइयां बिक चुकी थीं।

स्टेराइड: बीटामेथॉसॉन के 3 बैच फेल मिले। रिपोर्ट आई तब तक मेडिवेल बायोटिक की 30 हजार दवा बिक चुकी थी।

लिवोसिट्रोजिन, मोंटेलुकास्ट के 4 बैच सैंपल में फेल निकले। लेकिन रिपोर्ट आने तक थेराविन फार्माल्यूसेशन की 35 हजार दवाएं बिक चुकी थीं।

बिहार में सख्ती से लागू करें आचार संहिता, घोषणाएं और नीतिगत फैसले पर लगा बैन

सार्वजनिक और निजी संपत्तियों से पोस्टर, बैनर हटाने का आदेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए आदर्श आचार संहिता को लागू कर दिया है। 6 अक्टूबर को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ आयोग ने बिहार के मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन अधिकारी को आचार संहिता के सख्त कार्यान्वयन के निर्देश दिए। यह संहिता न केवल राज्य सरकार, बल्कि केंद्र सरकार पर भी लागू होगी, खासकर बिहार से संबंधित नीतिगत फैसलों और घोषणाओं के मामले में।

चुनाव आयोग ने सरकारी, सार्वजनिक और निजी संपत्तियों से किसी भी तरह के पोस्टर, बैनर को हटाने का आदेश दिया है। साथ ही, सरकारी वाहनों, आवास या संसाधनों का किसी भी राजनीतिक दल, उम्मीदवार या चुनाव से जुड़े व्यक्ति द्वारा दुरुपयोग रोकने के लिए सख्ती बरतने को कहा है। सरकारी खर्च पर विज्ञापन जारी करने पर भी पूर्ण बैन लगाया है। नागरिकों की निजता का सम्मान करने और निजी संपत्तियों पर बिना मालिक की सहमति के झंडे, बैनर या पोस्टर लगाने पर रोक है। निजी आवासों के बाहर प्रदर्शन या धरना देने की भी मनाही है। शिकायतों के निपटारे के लिए आयोग ने 24 घंटे चलने वाली शिकायत निगरानी प्रणाली शुरू की है।

शिकायतों के निपटारे के लिए आयोग ने 24 घंटे चलने वाली शिकायत निगरानी प्रणाली शुरू की है। नागरिक कॉल सेंटर नंबर 1950 या जिला निर्वाचन अधिकारी के पास शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा सी-विजिल ऐप के जरिए एमसीसी उल्लंघन की शिकायत की जा सकती है, जिस पर 100 मिनट के अंदर कार्रवाई करने के लिए राज्य में 824 उड़न दस्ते तैनात किए गए हैं।

आयोग ने मंत्रियों को आधिकारिक कर्तव्यों को चुनाव प्रचार से अलग रखने और सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग न करने का निर्देश दिया है। चुनाव से जुड़े अधिकारियों के स्थानांतरण पर भी रोक लगा दी है। सभी अधिकारियों को निष्पक्षता के साथ काम करने, सभी दलों के साथ समान व्यवहार और कानून-व्यवस्था बनाए रखने को कहा है। सार्वजनिक स्थानों, जैसे मैदान और हेलीपैड, का आवंटन पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर निष्पक्ष रूप से करने के लिए सुविधा मॉड्यूल को सक्रिय कर दिया है।

60 करोड़ की धोखाधड़ी : शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की बढ़ीं मुश्किलें

- विदेश यात्रा पर हाई कोर्ट ने लगाया रोक, 14 अक्टूबर को होगी सुनवाई

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस जोड़े के विदेश यात्रा पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने शिल्पा और उनके पति को धोखाधड़ी के मामले में 60 करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया है। दरअसल मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। यह आदेश अभी भी लागू है, जिसके चलते शिल्पा और राज कोर्ट या जांच एजेंसी की अनुमति के बिना विदेश यात्रा नहीं कर पाएंगे। शिल्पा शेट्टी एक कार्यक्रम के लिए कोलंबो जा रही थीं, लेकिन बॉम्बे हाईकोर्ट ने उन्हें देश छोड़ने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। शिल्पा शेट्टी के वकीलों ने कोर्ट को बताया कि अभिनेत्री 25 से 29 अक्टूबर तक एक यूट्यूब कार्यक्रम के लिए कोलंबो जा रही हैं। इस पर कोर्ट ने निमंत्रण कार्ड मांगा। इस दौरान शिल्पा शेट्टी के वकीलों ने कहा कि उन्हें केवल फोन पर बात करके निमंत्रण दिया गया था। जिसके बाद बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस मांग को तुरंत खारिज कर दिया। धोखाधड़ी के इस मामले में दंपत्ति को विदेश यात्रा की अनुमति लेने से पहले 60 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। अदालत ने फैसला सुनाया कि मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। आपको बता दें कि पिछले हफ़्ते बॉम्बे हाईकोर्ट ने शिल्पा और राज के थाईलैंड के फुकेत जाने पर रोक लगा दी थी।

ममता बनर्जी ने गृह मंत्री पर साधा निशाना और बोलीं- एक्टिंग पीएम की तरह काम कर रहे शाह, बन जाएंगे एक दिन मीर जाफर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि शाह ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे वे देश के 'एक्टिंग प्रधानमंत्री' हों, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सब कुछ जानते हुए भी चुप हैं।

दरअसल सीएम ममता बनर्जी मीडिया से बातचीत कर रहीं थी, इसी दौरान उन्होंने कहा, कि अमित शाह गृह मंत्री हैं, लेकिन हर काम ऐसे करते हैं जैसे वही प्रधानमंत्री हों। प्रधानमंत्री सब कुछ जानते हैं, पर कुछ नहीं बोलते। मेरा पीएम से अनुरोध है कि उन पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, क्योंकि एक दिन वही मीर जाफर की तरह आपके खिलाफ खड़े हो जाएंगे। इसी के साथ मुख्यमंत्री ममता ने आगे कहते हुए आरोप लगाया कि भाजपा नेता राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नष्ट करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेता बंगाल में मतदाता सूची से एक लाख नाम हटाने की बात कर रहे हैं, जो लोकतंत्र पर हमला है। सीएम ममता बनर्जी ने सवाल करते हुए कहा, उनका नेता बंगाल आता है और कहता है कि हम एक लाख वोटरों के नाम काट देंगे। क्या यह लोकतंत्र है? क्या चुनाव आयोग भाजपा की शाखा है या जनता के अधिकारों की रक्षा करने वाला आयोग? बंगाल सीएम ने स्पेशल समरी रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि राज्य में भारी बारिश, बाढ़ जैसी स्थिति और त्योहारों के बीच यह प्रक्रिया कराना लोकतंत्र का मजाक है। उन्होंने कहा, त्योहार के वक्त लोगों को घर छोड़कर बूथों पर कतार में लगने के लिए कैसे कहा जा सकता है? यह जनता की मुश्किलों को नजरअंदाज करने जैसा है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि इन सभी कदमों के पीछे अमित शाह की सीधी भूमिका है और केंद्र सरकार, चुनाव आयोग तथा भाजपा 'एक ही टीम' बनकर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल की जनता लोकतंत्र की रक्षा के लिए तैयार है और 'किसी भी तानाशाही रवैये' के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी।

शिवसेना पार्टी के चुनाव चिन्ह को लेकर 12 नवंबर को सुनवाई करेगी सुप्रीम कोर्ट

उद्धव ठाकरे ने भारतीय चुनाव आयोग के फैसले को दी है चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना पार्टी के चुनाव चिन्ह विवाद मामले को लेकर उद्धव ठाकरे की ओर से दायर याचिका पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 12 नवंबर की तारीख तय की है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भारतीय चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े को पार्टी का नाम 'शिवसेना' और उसका चुनाव चिन्ह 'धनुष-बाण' आवंटित किया था।

उद्धव ठाकरे का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव जनवरी 2026 में होना है, इसलिए इस मामले पर तत्काल विचार करने की जरूरत है, जिसके बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मामले की सुनवाई अगले महीने तय करने पर सहमति जताई।

कोर्ट ने कहा कि हम 12 नवंबर को सभी पक्षों की सुनवाई करेंगे और अगर जरूरत पड़ी तो हम 13 नवंबर को भी सुनवाई जारी रखेंगे। कपिल सिब्बल ने शिवसेना (यूबीटी) गुट की तरफ से दायर एक अन्य याचिका पर भी तत्काल सुनवाई की मांग की। इस याचिका में महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें तत्कालीन सीएम एकनाथ शिंदे समेत सत्तारूढ़ खेमे के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने से इनकार कर दिया था।

इस पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने टिप्पणी की कि कपिल सिब्बल को संयुक्त सुनवाई के लिए भारत के सीजेआई की अनुमति लेनी चाहिए, क्योंकि दूसरी याचिका एक अलग बेंच के सामने लंबित है। बुधवार की सुनवाई से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि यह फैसले पर निर्भर करता है कि इस देश को किस ओर लेकर जाना है। उन्होंने कहा कि यहां लोकतंत्र जिंदा रहना चाहिए और मजबूत होना चाहिए। हम यही अपेक्षा करते हैं कि न्यायालय का फैसला न्यायसंगत होगा और संविधान पर आधारित होगा। वडेट्टीवार ने कहा कि यह जनता को यह दिखाने का सुनहरा अवसर है कि देश संविधान और कानून के शासन से चलता है।

बता दें मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने एकनाथ शिंदे गुट को आधिकारिक शिवसेना के रूप में मान्यता देने और उसे पार्टी का नाम व चुनाव चिन्ह देने के चुनाव आयोग के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। हालांकि वह इस फैसले को चुनौती देने वाली उद्धव ठाकरे की याचिका पर विचार करने के लिए सहमत हो गई है। अब सुनवाई 12 नवंबर को होगी।

10वीं फेल मिस्टर खड़गे, फिर भी भारत के कर्ज पर दे रहे हैं लेक्चर?

-बीजेपी नेता ने कर्नाटक सरकार में मंत्री की शिक्षा पर उठाए सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। बीजेपी नेता विष्णु वर्धन रेड्डी ने कांग्रेस नेता और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खड़गे की शिक्षा पर सवाल उठाए हैं। विष्णु वर्धन ने एक्स पर एक पोस्ट कर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे को दसवीं फेल बताया। उन्होंने कहा कि 10वीं फेल मिस्टर खड़गे, लेकिन फिर भी भारत के कर्ज पर लेक्चर दे रहे हैं? दरअसल प्रियांक खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि मोदी सरकार के 'अमृतकाल' में भारत का कर्ज रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। देश का कुल कर्ज अब 181 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह पिछले सात सालों में ढाई गुना से ज्यादा बढ़ा है। वर्धन ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में भारत का बाहरी कर्ज भी 10.1फीसदी बढ़कर 736.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह सात सालों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है। प्रियांक खड़गे ने आरोप लगाया था कि इसी अवधि में भारतीय बैंकों ने बीते एक दशक में 12.3 लाख करोड़ रुपए के कर्ज माफ कर दिया। प्रियांक ने इसी पोस्ट में यह भी कहा कि इसके बावजूद पीएम मोदी ने बिहार में वोट खरीदने के लिए करदाताओं के 7,500 करोड़ रुपए की राशि बांटी। आर्थिक मोर्चे पर देश कर्ज में डूबता जा रहा है, लेकिन सरकार का प्रचार तंत्र करोड़ों रुपए के विज्ञापनों पर खर्च कर जनता को यह भरोसा दिलाने में जुटा है कि 'सब चंगा है'। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रियांक खड़गे की इस पोस्ट पर बीजेपी नेता विष्णु वर्धन रेड्डी ने उन पर प्रहार करते हुए कहा कि 10वीं फेल मिस्टर खड़गे अब भारत के कर्ज पर ज्ञान दे रहे हैं? आपके ही मंत्रालय पर 5,588.33 करोड़ रुपए का बिजली बिल बकाया है, जबकि कर्नाटक के सरकारी विभागों पर कुल 10,342.13 करोड़ का बकाया है।

सीजेआई पर जूता उछालने के बाद सीनाजोरी, बोला- फिर ऐसा ही करुंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर अब चोरी ऊपर से सीनाजोरी पर उतर आए हैं। उन्हे उनकी हरकत के लिए माफ कर दिया गया है लेकिन वे अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। किशोर ने कहा कि भगवान का आदेश हुआ तो फिर कुछ इसी तरह करुंगा। उन्होंने कहा, परमात्मा ने कहा था, इसलिए किया। मैंने परमात्मा का काम किया। यह मेरा दिव्य कर्तव्य था। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है और अगर परमात्मा फिर आदेश देंगे तो वे दोबारा ऐसा करेंगे।

किशोर ने बताया कि खजुराहो के जावरी मंदिर में भगवान विष्णु की मूर्ति को पुनर्स्थापित करने की याचिका खारिज करते समय सीजेआई गवई की टिप्पणी से वे बेहद आहत हुए और इसी कारण उन्होंने ऐसा कदम उठाया। इस घटना के विरोध में मंगलवार को मयूर विहार स्थित किशोर के रिवरव्यू अपार्टमेंट के बाहर जमकर प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारी जूते की मालाएं, डॉ भीमराव अंबेडकर की तस्वीरें और संविधान की प्रतियां लेकर पहुंचे थे। उन्होंने नारे लगाए, 'सीजेआई का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। इस घटना के विरोध में आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व विधायक सौरभ भारद्वाज भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ जूता फेंकने का नहीं है बल्कि संविधान पर हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सीजेआई के खिलाफ जातिवादी टिप्पणियां और धमकियां फैलाई जा रही हैं, जिन्हें सरकार को हटाना चाहिए।

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि पुलिस इस मामले में स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करे, चाहे औपचारिक शिकायत दर्ज हुई हो या नहीं। देशभर में इस घटना की कड़ी निंदा हो रही है। इस घटना के मद्देनजर सोसाइटी के बाहर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेड लगाए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, राकेश किशोर के पड़ोसियों ने बताया कि उनके खिलाफ पहले भी हिंसक व्यवहार की शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। 70 वर्षीय पुरुषोत्तम ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने हंगामा किया। 2021 में भी उन्होंने एक बुजुर्ग के साथ हाथापाई की थी।

पुलिस को दी गई एक पुरानी शिकायत में निवासियों ने आरोप लगाया था कि किशोर ने करीब एक साल तक उन्हें डराया-धमकाया और सोसाइटी के वॉट्सऐप ग्रुप में जातिवादी और धार्मिक गालियां दीं। एक अन्य निवासी कौशल ने बताया कि किशोर कभी सोसाइटी की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य थे। उन्होंने कहा कि कुछ घटनाओं के बारे में सुन रखा था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में हुई यह घटना बेहद चौंकाने वाली है। सोसाइटी के सुरक्षा गार्डों ने बताया कि किशोर के परिवार ने उन्हें किसी भी विजिटर को घर में न आने देने के निर्देश दिए हैं। परिवार का कहना है कि किशोर की तबीयत ठीक नहीं है और वह मानसिक रूप से भी अस्थिर महसूस कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में हुई बर्फबारी में फंसे 25 लोगों का किया गया रेस्क्यू

-हिमाचल में लैंडस्लाइड तो बिहार में बाढ़ जैसे हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अनेक हिस्सों में भारी बारिश के बाद उत्तर भारत के कई राज्यों में मौसम ने अचानक करवट बदल ली है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचे इलाकों में लगातार बर्फबारी हो रही है, जबकि बिहार में लौटते मानसून की बारिश ने बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। हिमाचल में बर्फबारी के साथ ही भूस्खलन से करीब 15 लोगों की मौत हो गई है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सेना ने बर्फीले तूफान में फंसे बकरवाल समुदाय के 25 आदिवासियों और उनके पालतू जानवरों को रेस्क्यू किया है। बताया जा रहा है कि खराब मौसम के चलते पिछले तीन दिनों से बंद वैष्णो देवी यात्रा बुधवार से फिर शुरू हो गई है। यात्रा शुरू होने के बाद सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए रवाना हुए हैं।

एक अन्य जानकारी अनुसार हिमाचल प्रदेश में तीसरे दिन भी स्नोफॉल जारी है। लाहौल-स्पीति में तापमान -0.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं, बिलासपुर जिले में एक निजी बस के भूस्खलन की चपेट में आने से करीब 15 लोगों की मौत हो गई।

उत्तराखंड में बद्रीनाथ, केदारनाथ और हेमकुंड साहिब में भी इस सीजन की पहली बर्फबारी दर्ज की गई। हेमकुंड साहिब में दो से तीन इंच तक बर्फ जमी है। केदारनाथ में तापमान 5 डिग्री तक गिर गया है। चारधाम यात्रा के दूसरे चरण में रोजाना पांच हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

नदियां उफान पर बाढ़ के हालात

दूसरी ओर, बिहार में लौटते मानसून और नेपाल में भारी बारिश के कारण कई नदियां उफान पर हैं। राज्य के सुपौल, मधुबनी, सीतामढ़ी, अररिया और किशनगंज जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। सुपौल में 5 हजार से अधिक घरों में पानी भर गया, जबकि मधुबनी जिले में करीब एक लाख लोग प्रभावित हैं। इस बीच, मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ने लगी है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। कई शहरों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों तक पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में ठंडी हवाओं के चलते तापमान में और गिरावट की संभावना जताई है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से मांगा सूची से बाहर किए गए 3.66 लाख मतदाताओं का विवरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में एसआईआर के तहत 3.66 लाख मतदाताओं को सूची से बाहर कर दिया गया है। अब सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से इन मतदाताओं के विवरण मांगे हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग बाहर किए गए मतदाताओं के बारे में उपलब्ध सभी जानकारी बृहस्पतिवार यानी नौ अक्टूबर तक अदालत के रिकॉर्ड पर लाये, जब वह एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आगे की सुनवाई करेगी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि सभी के पास मतदाता सूची का मसौदा है और अंतिम सूची भी 30 सितंबर को प्रकाशित हो चुकी है, इसलिए तुलनात्मक विश्लेषण के माध्यम से आवश्यक आंकड़े प्रस्तुत किए जा सकते हैं। जस्टिस बागची ने चुनाव आयोग का पक्ष रखने के लिए पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी से कहा कि अदालती आदेशों के परिणामस्वरूप चुनावी प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और पहुंच बढ़ी है। पीठ ने कहा कि चूंकि अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या से ऐसा प्रतीत होता है कि मसौदा सूची की संख्या में वृद्धि की गई है, इसलिए किसी भी भ्रम से बचने के लिए अतिरिक्त मतदाताओं की पहचान का खुलासा किया जाना चाहिए।

जस्टिस बागची ने कहा कि आप हमसे सहमत होंगे कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और पहुंच में सुधार हुआ है। आंकड़ों से पता चलता है कि आपके द्वारा प्रकाशित मसौदा सूची में 65 लाख लोगों के नाम हटाए गए थे और हमने कहा कि जिनकी मृत्यु हो गई या जो स्थानांतरित हो गया है वह ठीक है, लेकिन यदि आप किसी को हटा रहे हैं तो कृपया नियम 21 और एसओपी (मानक परिचालन प्रक्रिया) का पालन करें। उन्होंने कहा, हमने यह भी कहा कि जिनके भी नाम हटाए गए हैं, कृपया उनके आंकड़े अपने निर्वाचन कार्यालयों में जमा कराएं। अब अंतिम सूची आंकड़ों में वृद्धि प्रतीत होती है और सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भ्रम की स्थिति है - जोड़े गए नामों की पहचान क्या है, क्या वे हटाए गए नाम हैं या नए नाम हैं। द्विवेदी ने जवाब दिया कि अधिकतर नाम नए मतदाताओं के हैं और कुछ पुराने मतदाता भी हैं, जिनके नाम मसौदा सूची प्रकाशित होने के बाद जोड़े गए हैं। उन्होंने कहा कि अब तक किसी ऐसे किसी मतदाता ने शिकायत या अपील नहीं की है जिसका नाम हटाया गया है।

नशेड़ी चालक ने मातम में बदली आस्था- मूर्ति विसर्जन, मां के जयकारे और दर्दनाक हादसा

नई दिल्ली। बाहरी-उत्तरी दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में शुक्रवार शाम मूर्ति विसर्जन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा एक ट्रक पलट गया। हादसे में युवक अनमोल की मौत हो गई जबकि 15 लोग घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को ट्रक से बाहर निकाला। घायलों में कई की हालत नाजुक है। दो लोगों की टांग कटकर अलग हो गई। स्थानीय लोगों ने निजी वाहन, एंबुलेंस और पीसीआर की मदद से करीब 16 लोगों को बाबा साहेब आंबेडकर अस्पताल भेजा। इलाज के दौरान 20 साल के अनमोल नामक युवक की मौत हो गई। 15 अन्यों का इलाज जारी है। शुरुआती जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि ट्रक का चालक शराब पीकर लापरवाही से ट्रक चला रहा था। अचानक मोड़ पर ट्रक पलट गया और कई श्रद्धालु उसके नीचे दब गए। खुद चालक को भी गंभीर चोट लगी हैं। शाहबाद डेयरी थाना पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन में जुटी है। घायलों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि शुक्रवार शाम के समय शाहबाद डेयरी इलाके से एक ट्रक में भरकर 40 से 50 लोग खेड़ा स्थित मुनक नहर में मां दुर्गा की मूर्ति विसर्जन के लिए गए थे। विसर्जन के बाद सभी लोग उसी ट्रक में सवार होकर वापस लौट रहे थे। इस बीच जैसे ही ट्रक रोहिणी सेक्टर-28, केवीएस स्कूल के पास पहुंचा, अचानक तेज गति से ट्रक मोड़ने के दौरान पलट गया और कई लोग जख्मी हो गए। हादसे में कई महिलाएं और बच्चे भी हताहत हुए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की जांच कर रही है।

गर्भपात के बाद पति से गर्भवती बोल एंठती रही पैसे, यकीन दिलाने के लिए चुराई एक माह की बच्ची

नई दिल्ली। चेन्नई में रह रहे अपने पति को गर्भवती होने का यकीन दिलाने के लिए एक महिला ने एक माह की बच्ची को चुरा लिया। दरअसल आरोपी महिला अपना गर्भपात करवा चुकी थी। बच्ची के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की जांच करते हुए आरोपी महिला को पकड़ा और उसके कब्जे से बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया। गिरफ्तार आरोपी महिला की पहचान दक्षिण दिनाजपुर पश्चिम बंगाल निवासी 28 साल की शानू सरकार उर्फ जैस्मीन के रूप में हुई है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि तीन अक्टूबर को भिंड मध्य प्रदेश निवासी एक शख्स ने नांगलोई थाने में अपनी एक माह की बच्ची के चोरी होने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि 31 अगस्त को उनकी पत्नी ने संजय गांधी अस्पताल मंगोलपुरी में एक बच्चों को जन्म दिया। अस्पताल में रहने के दौरान एक अज्ञात महिला ने उनकी पत्नी से मेल जोल बढ़ाया। कुछ दिन बाद आरोपी महिला ने उनकी पत्नी को फोन किया और बच्चों की देखभाल में मदद करने की पेशकश की। आरोपी महिला कपड़ा खरीदने के बहाने बच्ची और उसकी मां को नांगलोई मेट्रो स्टेशन ले गई। इसी दौरान बच्ची की मां को उल्टी होने लगी। इसका फायदा उठाकर महिला बच्ची को लेकर गायब हो गई। शिकायत पर नांगलोई थाना पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी पवन तोमर ने बताया कि 5 अक्टूबर को प्रेम नगर से गिरफ्तार कर लिया। शानू ने बताया कि 11 साल पहले उसकी पश्चिम बिहार निवासी विजय कुमार से शादी हुई थी। उसकी एक 10 साल की बेटी है। बाद में दोनों काम की तलाश में दिल्ली आ गए। इस दौरान शानू फरक्का पश्चिम बंगाल निवासी नजरुल शेख के संपर्क में आई। फरवरी 2025 में उसने पति और बेटी को छोड़कर नजरुल से शादी कर ली। नजरुल काम के सिलसिले में चेन्नई चला गया। इस दौरान शानू गर्भवती हो गई। बाद में गर्भपात करा लिया, लेकिन गर्भवती होने के नाम पर पति से पैसे मांगती रही।

शादी का प्रस्ताव ठुकराया तो महिला के तीन वर्षीय बच्चे का अपहरण, फिर पुलिस आई एक्शन में

कौमी पत्रिका

दिल्ली। दिल्ली के कृष्णानगर से एक पड़ोसी द्वारा अपहृत तीन वर्षीय बच्चे को गुजरात के एक रेलवे स्टेशन से बचा लिया गया। गुजरात रेलवे पुलिस के तालमेल से चलाए गए अंतराज्यीय अभियान के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने पीड़ित बच्चे की मां के सामने शादी का प्रस्ताव रखा था। जब मां ने प्रस्ताव ठुकरा दिया तो आरोपी ने बच्चे का अपहरण कर लिया था। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत प्रिय गौतम ने बताया कि 15 सितंबर को एक मामला दर्ज कराया गया था। गांधी नगर निवासी एक महिला ने शिकायत की थी कि पड़ोसी सुधीर कुमार ठाकुर इलाज के बहाने उसके बेटे को धोखे से अपने साथ ले गया है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि ठाकुर से करीब दो महीने पहले उसकी दोस्ती हुई थी और एक महीने पहले उसने शादी

का प्रस्ताव रखा था। हालांकि उसने अपने बच्चे और छोटी बहनों की जिम्मेदारी का हवाला देते हुए ठाकुर के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि शादी से इन्कार करने पर नाराज आरोपी ने 14 सितंबर को बच्चे का अपहरण कर लिया। शिकायत के बाद मामले की जांच के लिए तुरंत एक टीम गठित की गई। उन्होंने बताया कि आरोपी की तलाश के लिए इलाके के 30 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की तस्वीरों का विश्लेषण किया गया। उसकी कॉल डिटेल से जानकारी मिली कि वह ट्रेन से बिहार जा रहा है। इसके बाद टीम बिहार के आरा भेजी गई लेकिन वह गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार ठिकाने बदलता रहा। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को तब सफलता मिली जब शिकायतकर्ता सोशल मीडिया पर वीडियो कॉल के जरिये आरोपी से संपर्क करने में कामयाब रही। बातचीत के दौरान दिखा कि आरोपी सूरत रेलवे स्टेशन पर है। पुलिस उपायुक्त गौतम ने बताया कि इसके बाद एक टीम सूरत भेजी गई और जीआरपी के साथ समन्वय किया गया। टीम ने सूरत रेलवे स्टेशन से ठाकुर को पकड़ लिया और अपहृत लड़के को बचा लिया। बच्चे को अपने संरक्षण में लेकर उसे परिवार को सौंप दिया गया। आरोपी को सूरत की एक अदालत में पेश किया गया, जहां से दिल्ली पुलिस ने उसकी ट्रांजिट रिमांड ली। उन्होंने बताया कि बाद में आरोपी को दिल्ली की एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया जिसने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। ठाकुर मूल रूप से बिहार के भोजपुर (आरा) जिले का रहने वाला है और उसका पूर्व में कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

रोड को चौड़ा करने के लिए बनाए जाएंगे तीन नए कल्वर्ट, जाम से मिलेगी राहत

नई दिल्ली। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने दक्षिणी दिल्ली के चार फ्लाईओवरों की संरचनात्मक जांच और मजबूतीकरण का काम शुरू करने की योजना बनाई है। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर मेट्रो स्टेशन के पास ईस्ट एंड अपार्टमेंट रोड को चौड़ा करने के लिए तीन नए कल्वर्ट बनाए जाएंगे। विभाग के अनुसार इससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी और ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत मिलेगी। दक्षिणी दिल्ली में जिन संरचनाओं पर काम होगा उनमें अफ्रीका एवेन्यू रोड जंक्शन पर आईआईटी फ्लाईओवर, पुराना आरटीआर फ्लाईओवर, आउटर रिंग रोड पर मोदी मिल फ्लाईओवर और लाला लाजपत राय मार्ग पर बारापुला नाला कल्वर्ट शामिल हैं। इनकी सुरक्षा जांच, लोड टेस्ट और मरम्मत के लिए प्रारंभिक व विस्तृत तकनीकी अनुमान तैयार किए जाएंगे। काम पूरा होने के बाद संरचनाओं को सुरक्षा प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा। हाल के ऑडिट में पुराने आरटीआर फ्लाईओवर पर क्रैश बैरियर गायब पाए गए हैं, जबकि मोदी मिल फ्लाईओवर की सड़क सतह क्षतिग्रस्त है। आईआईटी फ्लाईओवर पर दरारें और एक्सपेंशन ज्वांइट्स की खराबी मिली है।

पिलखुवा के जंगल में मिला बिना खोपड़ी का मानव कंकाल

पिलखुवा (हापुड़)। नगर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार दोपहर को सरस्वती मेडिकल कॉलेज से सटे जंगल में मानव कंकाल मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने कंकाल की जांच की। कंकाल का सिर गायब है और अब वह मात्र हड्डियों का ढांचा ही बचा है। फिलहाल पुलिस लापताओं की लिस्ट खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार, सुबह किसी ने सूचना दी कि सरस्वती मेडिकल कॉलेज के पास किसी व्यक्ति का कंकाल पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंचकर क्षेत्र की बारीकी से जांच की गई। प्राथमिक जांच कर फोरेंसिक टीम को बुलाया गया। जांच में पाया गया कि कंकाल की खोपड़ी लापता है, इसलिए पहचान के लिए हड्डियों और अन्य साक्ष्यों के नमूने प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं।

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that I, Sanjay Kumar Sharma S/o Sh. Satya Prakash, and Mrs. Geeta Sharma, W/o Sanjay Kumar Sharma, residents of RZ-D3/215, Gali No. 9, Mahavir Enclave, Nasirpur Dwarka, South-West Delhi, Delhi-110045, hereby declare that Prithvi Raj Parashar (my son) has been disowned and disbarred from all my movable and immovable properties due to misconduct of his behaviour and financial disputes.He shall have no right, title, interest, or claim of any kind whatsoever in any of my present or future properties. Any person(s) dealing with him in connection with any of my properties shall do so at their own risk and responsibility. This notice is being issued to prevent any misuse or misrepresentation.

REENA KAMARI KENHARI
Advocate
Ch No 756 Lawyer's Chamber Block Dwarka Court Complex Sec 10 New Delhi 110075

NAME CHANGE

It is for general information that I, UMED SINGH MALIK S/O DHOOP SINGH MALIK, R/O FLAT NO-E-2 TYPE-3, PHP, SECTOR-16B, DWARKA, N.S.I.T. DWARKA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110078 declare that name of mine and my father has been wrongly written as UMED SINGH and DHOOP SINGH in my 10th class educational documents and my service record. The actual name of mine and my father are UMED SINGH MALIK and DHOOP SINGH MALIK, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, NARENDER MEHLAWAT S/O NAFE SINGH R/O HOUSE NO-93/9, KISHANGARH, VASANT KUNJ S.O, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110070, have changed the name of my minor son JATAN MEHLAWAT aged 15 years and he shall hereafter be known as AARAV MEHLAWAT.

NAME CHANGE

I, hitherto known as JIYAUDEEN S/O ABDUL HAMID R/O H NO-972, WARD NO-14, CHARMWOOD VILLAGE, LAKKARPUR, SURAJKUND FARIDABAD, DISTT-FARIDABAAD, HARYANA-121009 have changed my name and shall hereafter be known as GULAM JIYAOODEEN.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Princy Kumari Bhat Malla W/o Sunil Malla R/o Gulmohur Greens, Flat No 512 D, Opposite Hindon Airbase, Mohan Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201007 declare that name of mine has been wrongly written as Princy Malla in my minor son Saksham Malla aged 17 years in his 10th Class Educational Documents. The actual name of mine is Princy Kumari Bhat Malla.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, SUMANT DIXIT S/O AWDHESH DIXIT R/O H NO 297/298, 1st Floor J J Colony Block-J Jahangirpuri Near Mandir Wali Gali, Jahangirpuri A Block, North West Delhi, Delhi-110033 declare that name of mine and my father has been wrongly written as SUMANT DIKSHIT and AVADHESH DIKSHIT in my 10th class educational documents. The actual name of mine and my father are SUMANT DIXIT and AWDHESH DIXIT which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Anand Singh S/o Darpan Singh R/o Bilat, Tharp, Pithoragarh, Tharp, Uttarakhand-262531 declare that name of my daughter has been wrongly written as Sarita in my Service Book. The actual name of my minor daughter is Sarita Bafila.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, SAURABH GARG S/O SURENDER KUMAR R/O Jhuggi No 561 Ground Floor, Block Au Ekta Camp, Near Vivekanand Collage, Pitampura, Pitampura, North West Delhi, Delhi-110034 declare that name of mine has been wrongly written as SAURAV GARG in my minor son namely AKSHIT GARG aged 13 years in his School Records. The actual name of mine is SAURABH GARG which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as RITU alias RITU GOYAL D/o KRISHAN KUMAR GUPTA W/o SATISH KUMAR GOYAL, R/o B-68 (GOYAL BHAWAN),B-BLOCK, PATEL GARDEN, N.S.I.T DWARKA, SOUTH WEST DELHI, Delhi-110078, have changed my name and shall hereafter be known as RITU GOYAL.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Soran S/O: Sahab Singh, R/O CHEET, soun ka bada nangla,VTC: Soun,PO: Cheet, Sub District: Kheragarh , District: Agra, State: Uttar Pradesh, 283119 have changed my name and shall hereafter be known as SOVRAN SINGH.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Paras Kumar S/o Sonu Lal R/o. House no. 6571, Nabi Karim Pradhan Chowk, Near Hanuman Mandir, Nabi Karim, Ram Nagar, Central Delhi - 110055, Declare that name of mine and my father is wrongly written as Paras and Sonu in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my father are Paras Kumar and Sonu Lal

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Iram D/o Naseem Ahmed, R/o N - 86, Top/F, Gali no. 16, Brahampuri, Seelampur, North East Delhi, Delhi - 110053, declare that name of my Father has been Wrongly written as Mohd Naseem Ahmed in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my Father is Naseem Ahmed

NAME CHANGE

I, KAMAL S/O HARISH KUMAR resident of B-151 SUBHADRA COLONY DELHI-110035. have changed my name to KAMAL KUMAR SHARMA for all future purposes.

NAME CHANGE

I BHAVANA THAPLIYAL W/O SH ADHIP NAUTIYAL R/O OLD PLOT NO-29A,30 F/FROOL FLAT NO 201 NEW D-3/96-A BLOCK D 3 GALI NO 9 MAHAVIR ENCLAVE PALAM VILLAGE NAJAFGARH SOUTH WEST DELHI 110045 HAVE CHANGED MY NAME TO BHAWANA NAUTIYAL

NAME CHANGE

I, HARISH S/O GITDHARI LAL resident of B-151 SUBHADRA COLONY DELHI-110035. have changed my name to HARISH KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Sidak Sachdeva S/O Arvinder Singh Sachdeva R/O WZ 132 UG Floor, Gali No 7, Shiv Nagar, West Delhi - 110058 Have changed my name to Sidak Singh for all future purposes.

NAME CHANGE

I, N SNEHA KUMAR SINGHA S/o N ESAI BABU SINGHA R/o P-139/7, SHANKAR VIHAR, DELHI CANTT-110010, have changed my name from SNEHA KUMAR SINGHA to N SNEHA KUMAR SINGHA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, HAROON KHURSHEED R/o A-204,Second Floor, Plot No.18, Shakti Apartment, Sec-5, Dwarka, Delhi-110075 have changed my minor son's name from MOHMMAD IBRAHEEM to MOHAMMAD IBRAHEEM permanently

सार्वजनिक सूचना

यह सर्वजन को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री बिशम्बर सिंह, पिता स्वर्गीय मनफूल सिंह, एवं उनकी पत्नी श्रीमती लक्ष्मी, पत्नी श्री बिशम्बर सिंह, निवासी मकान संख्या 450/57, नई वाल्मीकि कॉलोनी, गाँव बिजवासन, दिल्ली-110061, यह घोषणा करते हैं कि उन्होंने अपने पुत्र श्री कृष्ण, आयु लगभग 29 वर्ष, एवं उसकी पत्नी श्रीमती निशा, जो वर्तमान में उपरोक्त संपत्ति की दूसरी मंजिल पर निवासरत हैं. से सभी पारिवारिक एवं सामाजिक संबंध समाप्त कर लिए हैं। मेरे मुवक्किलों ने उक्त श्री कृष्ण एवं उसकी पत्नी को अपने संपूर्ण चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। यह निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि उक्त पुत्र एवं पुत्रवधू मेरे मुवक्किल के प्रति अवज्ञाकारी हो गए हैं तथा अब वे उनके नियंत्रण में नहीं हैं। अतएव, भविष्य में यदि कोई व्यक्ति उक्त व्यक्तिओ से किसी भी प्रकार का लेनदेन या व्यवहार करता है. तो वह ऐसा अपने स्वयं के जोखिम एवं उत्तरदायित्व पर करेगा, और मेरे मुवक्किल किसी भी प्रकार से उसके लिए उत्तरदायी नहीं होंगे।

MAHIPAL YADAV ADVOCATE
Chamber No. 325, Dwarka Courts Complex, New Delhi 110075

PUBLIC NOTICE

THE PUBLIC AT LARGE TAKE NOTICE THAT MY CLIENTS MR. NAFE SINGH S/O SILRATI RAM AND SMT. PREM DEVI W/O NAPHE SINGH, BOTH RESIDING AT H.NO.99, NEAR JAI SHIV DHARM KANTA, POOTH KALAN, NORTH WEST DELHI-110086, HEREBY DISOWNED THEIR SON, MR. SUNIL KUMAR, AGED 28 YRS DUE TO HIS CONTINOUS MISCONDUCT. MISBEHAVIOR AND UNACCEPTABLE ACTION, WHICH HAVE CAUSED IMMENSE MENTAL HARASSMENT, DISTURBANCE, AND DISRESPECT TO FAMILY OF MY CLIENTS, THEY HAVE DECIDED TO DISOWN THEIR SON FROM ALL THEIR MOVABLE AND IMMOVABLE ASSETS AND PROPERTIES. FURTHER MORE SON OF MY CLIENT NAMELY SUNIL KUMAR SHALL HAVE NO RIGHTS, CLAIMS, OR CONNECTION WITH THEIR PROPERTIES IN FUTURE ANYONE DEALING WITH HIM IN THEIR NAME SHALL DO SO AT HIS OWN RISK, AND MY CLIENTS SHALL NOT BE HELD RESPONSIBLE FOR ANY OF THEIR ACTION OR OBLIGATIONS

PRADEEP YADAV, ADVOCATE
Chamber No.628, Lawyer's Chambers Block, Dwarka District Courts, Dwarka, New Delhi-110075

NAME CHANGE

I ALISHA D/O INTZAR AHMED R/O A-22 GALI NO-1 CHAND BAGH KARAWAL NAGAR NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO ALISHA ANSARI

NAME CHANGE

I, SUCHITA PETER wife of SILVESTER PETER resident of H NO-40, STREET NO-6, DHIRPUR, DR. MUKHERJEE NAGAR, DELHI-110009, have changed my name to SUCHITA SILVESTER PETER for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD ALAM son of ABID ALI, resident of C-5 T/F DDA COLONY NEW JAFRABAD SHAHDARA DELHI 110032, have changed my name to ALAM QURESHI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SHEEFA NAAZ wife of MOHAMMAD AKRAM, resident of T-453/1 GALI NO -18 GAUTAM PURI DELHI-110053, have changed my name to SHEEFA NAZ for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SANJAY ARORA / SAJAY KUMAR ARORA Son of KHILLU RAM resident of H NO-C-25, UPPER GROUND FLOOR, ANAND VIHAR DELHI-110092. have changed my name to SANJAY KUMAR ARORA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, DINESH S/O KAMAL KISHOR R/O D-/187 DAKSHINIPURI, DR AMBEDKAR NAGAR, SOUTH DELHI, DELHI-110062 have changed my name to DINESH KUMAR for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, ASMA BEGAM W/O ABRAR HUSAIN R/O 1-2/11/1, GALI NO-1, SANGAM VIHAR, MEHRAULI, SOUTH DELHI, DELHI-110062 declare that name of my minor son has been wrongly written as MD SOIB in my minor son namely MOHAMMAD SUHAIB aged 8 years in his aadhaar card No. 53145 5909 1369. The actual name of my minor son is MOHAMMAD SUHAIB which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I. Amit Kumar aged 44 yrs S/o Sh. Ramphal Mor R/o House No. 15, First Floor I Block South city- || Gurgaon Haryana-122018,Have Changed the name of My Minor Daughter KUVIRA aged 16 Year and he shall hereafter be known as KUVIERA.

NAME CHANGE

I Amit Takkar, S/o Late Shri Harbhagwan Takkar, R/o.. H.no. 1667 A/1 Govindpuri extension, kalkaji, South Delhi-110019, Have changed my name to Amit Kumar Takkar for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, LEELA WATI W/O RAGHUNANDAN SHARMA R/o 44A, Sarai Jullena, Okhla Road, New Delhi 110025, declare that my name has been wrongly written as LEELA SHARMA in my Aadhar Card, LEELAWATI in PAN Card and LEELAVATI in my Voter card. The actual name of mine is LEELA WATI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I MOHD IRFAN D/O SALEEM KHAN R/O H.N0-51,A STREET N0-5, SHAKAR PUR DELHI-110092 HAVE CHANGE MY NAME TO SHARMILA FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I, BIASAN DEVI is legally mother of No. 13769551H Rank HAV Name VIJAY KUMAR presently residing at VLL-KOSERIAN, PO-KOSERIAN, TEH–JHANDUTTA, DIST-BILASPUR, STATE-HP, PIN-174030 have changed my name from BIASAN DEVI to VAYASA DEVI for all future purpose vide Affidavit No.IN-DL64281499203351X Dated 29/09/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, No. 15418444-M Rank HAV/AA Name SHIWAM KUMAR SINGH presently residing at PASCHIM TOLA, VPO - BALIGAON, TEH - GARHANI, DIST- BHOJPUR, STATE – BIHAR, PIN – 802203 have change my minor son's name from ASHIS RANJAN SINGH to ASHISH RANJAN SINGH for all future purposes. Vide Affidavit dated 08/10/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, APPALA NAIDU is father of No. 15688565P Rank- HAV, Name-THAVITI NAIDU ANAPU R/o VILLAGE-SIVARAMPURAM, POST-SIVARAMPURAM, TEH -SALUR, DIST-VIZIANAGARAM, STATE-ANDHRA PRADESH-535591 have changed my name from APPALA NAIDU to ANAPU APPALANAIDU for all future purposes. And in my son service record my date of birth wrongly mentioned is 01/07/1954 instead of 23/06/1958.Vide Affidavit dated 08/10/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, RAM KARAN BAGORIYA S/O-BABU LAL R/O J-793, JAHANGIR PURI, DELHI-110033, declare that name of mine has been wrongly written as RAMKARAN in my minor daughter MUSKAN age-14years in her School-Record. The actual name of mine is RAM KARAN BAGORIYA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, AMIT KUMAR CHAUHAN S /O RAJENDRA PAL SINGH R/O HOUSE NO-129, STREET NO-6A, LAXMI VIHAR, NEAR ATUL CHOWK, MOHAN GARDEN, DWARKA MOR, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110059 declare that name of mine has been wrongly written as AMIT CHAUHAN in my minor son EKAAKSH CHAUHAN aged 14 years in his school records. The actual name of mine is AMIT KUMAR CHAUHAN, which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I SAKSHI BHATIA W/o DHEERAJ BHATIA R/o B-9 S/F NAVEEN SHAHDARA DELHI-110032 have changed my minor daughter name from MISHKA to MISHKA BHATIA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Gaurav Parashar S/o Pawan Kumar R/o D-184 Shastri Nagar, Ghaziabad UP-201001, have changed the name of my minor Daughter Vedhika Parasar alias Advita Parashar aged 17 Years and she shall hereafter be known as Vedhika Parasar.

NAME CHANGE

It is for general information that I, RUBY SHARMA W/o LATE SANDEEP SHARMA R/o 6, Swaroop Park, Lajpat Nagar, Ghaziabad, Sahibabad, Uttar Pradesh-201005, declare that name of mine and my husband have been wrongly written as RUBY and SANDEEP in my minor daughter namely TRISHA BHARDWAJ aged 14 years in her School Records. The actual name of mine and my husband is RUBY SHARMA and SANDEEP SHARMA respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as Murad alias Murad Khan S/o Samsuddin employed as ASI in Delhi Police R/o F-257, Gali no 20 Mittal Colony, Badarpur, Pul Pehladpur, Pul Pehladpur, PO:Badarpur, South Delhi, Delhi-110044 have changed my name and shall hereafter be known as Murad Khan.

NAME CHANGE

It is for general information that I, FARHEEN daughter of SHAKIL AHMED residing at H NO-139, STREET NO-7, JAFRABAD, DELHI-110053, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as SHAKEEL AHMED and FARHANA in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are SHAKIL AHMED and FARHANA BEGUM respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE

I, Rekha Sharma W/O Manoj Kumar, R/O House No-1292, Near Mata Mansa Devi Mandir, Pana Paposian Narela, PO: Narela, DIST: North West Delhi, Delhi-110040, have changed the name of my minor daughter Ritika aged 7 years and she shall hereafter be known as NANCY.

NAME CHANGE

It is for general information that I, ZAINA ABBAS D/o SYED AKHTAR ABBAS R/o K-65, 2nd Floor, Royal Plaza, Batla House Okhla, Jamia Nagar, PO: New Friends Colony, South Delhi, Delhi-110025, declare that name of my father has been wrongly written as S A ABBAS in my 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of my father is SYED AKHTAR ABBAS, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I PRATYUSH SHISHODIYA S/O SANJEEV KUMAR RANA R/O C-59, Sector P-3, Greater Noida, PO: Alpha, Greater Noida, District Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201310, declare that name of my father and my mother has been wrongly written as SANJEEV SHISHODIYA and REKHA SHISHODIYA in my all educational documents and name of my father and my mother has been wrongly written as SANJEEV SHISHODIYA and REKHA SHISHODIYA in my Passport No. T-9089708. The actual name of my father and mother are SANJEEV KUMAR RANA and REKHA Respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I LAXMAN SINGH S/o KISHAN SINGH R/o H No.- 312, Padrath Panna, Mitroan Village, Mitraon, South West Delhi, Delhi-110043 declare that the name of mine has been wrongly written as LAXMAN in my minor son namely NIPUN, aged 12 years, in his School Records. The actual name of mine is LAXMAN SINGH, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, RAJEEV KUMAR S/o KISHAN PAL SINGH R/o H.N 71, Gali No. 9, Satyam Vihar Chanchal Park, VTC: Nagaloi, PO Bakkarwala, District: West Delhi, Delhi - 110041 declare that name of my minor Daughter has been wrongly written as SHAKSHI in my minor daughter namely SAKSHI, aged 14 years in her school record. The actual name of my minor daughter is SAKSHI, which may be amended according

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आकाश कुमार, पुत्रः रविंदर कुमार, पताः गली नं. 5, राहुल गार्डन, पुलिस थाना लोनी बॉर्डर, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 14423/2017, U/s 379/411 IPC, पुलिस थाना गोकुल पुरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **आकाश कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **आकाश कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 14423/2017, U/s 379/411 IPC, पुलिस थाना गोकुल पुरी, दिल्ली** के अभियुक्त **आकाश कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.11.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री कनिका अग्रवाल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
उत्तर–पूर्व जिला, कमरा नं. 22, प्रथम तल
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/13548/NE/2025

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82Cr.P.C./ 84 BNSS** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **अयान, पुत्रः** अम्सुद्दीन अंसारी, **पताः** मकान न.: डी–5572, इन्द्रप्रस्थ योजना, तिल्ला मोड, भोपुरा, गाजियाबाद, यू.पी., ने **FIR No.: 826/2022, U/S. 12 D G Act, थानाः** नंद नगरी, दिल्ली, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **अयान,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **अयान,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.: 826/2022, U/S. 12 D G Act, थानाः** नंद नगरी, दिल्ली, के उक्त अभियुक्त, **अयान,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
कमरा न. 19, प्रथम तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/13599/NE/2025
(Court Matter)

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती इक़बालज़ा खातून, श्री अनिश सुरेश एवं श्रीमती विद्या अनिश से फ्रीहोल्ड फ्लैट संख्या F–178/G–2, भूतल (छत के अधिकार के बिना), क्षेत्रफल 850 वर्ग फुट, जो कि प्लॉट संख्या F–178 पर निर्मित है, जो कि खसरा संख्या 1076/5/2/697 में से है, को क्रय करने की इच्छुक हैं। यह संपत्ति झिलमिल ताहिरपुर गांव क्षेत्र में स्थित है, जो पहले दिलशाद एक्सटेंशन–1 के नाम से जानी जाती थी और अब दिलशाद कॉलोनी, शाहदरा, दिल्ली–110095 के नाम से जानी जाती है। श्री अनिश सुरेश एवं श्रीमती विद्या अनिश ने उक्त संपत्ति को श्री सुभोद मित्रा से बिक्री विलेख (Sale Deed) दिनांक 22.09.2017 के माध्यम से खरीदा था, जो कि दस्तावेज़ संख्या 4720 के रूप में पंजीकृत है। कृपया ध्यान दें कि मूल चेन दस्तावेज़ों में से कुछ दस्तावेज़ गुम हो गए हैं — विशेष रूप से- बिक्री विलेख दस्तावेज़ संख्या 3932, वॉल्यूम संख्या 2732, बुक नंबर 1, पृष्ठ संख्या 135–140, दिनांक 14.09.1995, उप–पंजीयक–IV, दिल्ली द्वारा पंजीकृत, तथा बिक्री विलेख दस्तावेज़ संख्या 2809, वॉल्यूम संख्या 3152, बुक नंबर 1, पृष्ठ संख्या 108–116, दिनांक 19.11.1999, उप–पंजीयक–IV, दिल्ली द्वारा पंजीकृत। उपरोक्त दस्तावेज़ों की हानि के संबंध में एक ऑनलाइन प्राथमिकी (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या 3216876/2025) दिनांक 16.09.2025 को शाहदरा क्राइम ब्रांच, दिल्ली पुलिस थाने में दर्ज की गई है। कृपया यह भी नोट करें कि उपरोक्त संपत्ति वर्तमान में Can Fin Homes Ltd., नेहरू प्लेस शाखा, दिल्ली के साथ बंधक की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **विशाल** पुत्र श्री देव कुमार, निवासी- ग्राम भंथला थाना लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 09183/2018 धारा 379/411 भा.द.स, थाना ज्योति नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विशाल** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **विशाल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **विशाल, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 09183/2018 धारा 379/411 भा.द.स, थाना ज्योति नगर, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.11.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री राहुल सैनी
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी -08
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/13523/NE/2025

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अनिल पुत्र जगबीर निवासी गंगा विहार, कुटी रोड, मुरादनगर, गाजियाबाद, यूपी** ने **FIR No. 32700/2017, U/S 379/411 IPC, अन्तर्गत थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अनिल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अनिल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 32700/2017, U/S 379/411 IPC, अन्तर्गत थाना नंद नगरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अनिल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
कमरा नं. 19, प्रथम तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/13598/NE/2025(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुमित उर्फ ओलंगा** पुत्र **प्रकाश चन्द** पताः **मकान नं. 339, वार्ड नं. 27, आर्या नगर, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने case **FIR No. 399/2015 U/s 379/411/34 IPC, थानाः गोकुलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुमित उर्फ ओलंगा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुमित उर्फ ओलंगा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 399/2015 U/s 379/411/34 IPC, थानाः गोकुलपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सुमित उर्फ ओलंगा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 11.11.2025** को या इससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री कनिका अग्रवाल
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
उत्तर पूर्व जिला, रूम नं. 22, प्रथम तल
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/13543/NE/2025 (Court Matter)

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री अलोक कुमार चौहान, श्रीमती सुषमा मल्होत्रा से हेरिटेज डिवाइन अपार्टमेंट्स स्थित, फ्लैट संख्या 1B (आवृत क्षेत्रफल 122.38 वर्ग मीटर, प्रथम तल), ज्ञान खंड–ढ्ढ्ढ, इंदिरापुरम, तहसील एवं जिला गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश को क्रय करने के इच्छुक हैं। श्रीमती सुषमा मल्होत्रा उक्त संपत्ति की मूल आवंटी (Original Allottee) हैं। उन्होंने यह संपत्ति M/s. Divine India Infrastructure Pvt. Ltd. से क्रय की थी, जिसकी बिक्री विलेख (Sale Deed) दिनांक 04.08.2009 को निष्पादित हुई थी और यह दस्तावेज़ संख्या 18659 के रूप में पंजीकृत है। कृपया ध्यान दें कि संपत्ति से संबंधित मूल चेन दस्तावेज़ खो गए हैं — विशेष रूप से Allotment Letter और Builder Buyer Agreement, जो M/s. Divine India Infrastructure Pvt. Ltd. द्वारा श्रीमती सुषमा मल्होत्रा के नाम पर जारी/निष्पादित किए गए थे। उक्त दस्तावेज़ों की हानि के संबंध में दिनांक 06.10.2025 को उत्तर पश्चिम क्राइम ब्रांच, दिल्ली में एक ऑनलाइन प्राथमिकी (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या 3226287/2025) दर्ज कराई गई है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई–मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए–4/ए–144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011–41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हिसार के सातरोड में बनेगा अत्याधुनिक ऑडिटोरियम : निगमायुक्त नीरज

एजेंसी

हिसार। नगर निगम आयुक्त नीरज ने कहा है कि सातरोड गांव में निगम की ओर से अत्याधुनिक ऑडिटोरियम बनाया जाएगा। यह ऑडिटोरियम स्वर्ण जयंती पार्क के सामने बनाया जाएगा, जिसके लिए एक एकड़ दो कनाल जगहचिन्हित की गई है। निगत आयुक्त नीरज मंगलवार को इस बारे अधिकारियों सहित कंसल्टेंसीएजेंसी के साथ बैठक कर रहे थे। कंसल्टेंसी एजेंसी ने ऑडिटोरियम के अलग-अलग डिजाइन प्लान दिए हैं। इस दौरान चीफ इंजीनियर बिरेन्द्र कुमार कर्दम, एसई सतीश गर्ग, कार्यकारी अभियंता जयबीर डूडी, एमई अमित बेरवाल सहित कंसल्टेंसी एजेंसी मौजूद रही। निगमायुक्त ने बतायाकि यह ऑडिटोरियम में सभी आवश्यक और अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। इसमें लगभग एक हजार व्यक्तियों के बैठने के व्यवस्था की जाएगी। इसमें पार्किंग, कैफे, वीआईपी रूम आदि का निर्माण कार्य किया जाएगा। निगमायुक्त नीरज ने बताया कि ऑडिटोरियम का निर्माण इस प्रकार किया जाएगा कि इसमें शहरवासियों को किसी भी सुविधा की कमी न हो। यह भवन आधुनिक तकनीक पर आधारित होगा। मेयर प्रवीण पोपली ने सातरोड में अत्याधुनिक ऑडिटोरियम बनाए जाने का स्वागत किया है।

बहादुरगढ़ में फूंका गया अमेरिकी राष्ट्रपति का पुतला

झज्जर। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा फिलिस्तीन को उपनिवेश बनाने के प्रस्ताव के खिलाफ सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया के कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने स्थानीय रोहतक रोड पर विरोध प्रदर्शन किया और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का पुतला जलाया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए एसयूसीआई के प्रदेश सचिव मंडल के सदस्य जयकरण मांडौठी ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध रोकने के नाम पर, विशेष रूप से गाजा में फिलिस्तीनियों पर इज़रायली आक्रमण रोकने के नाम पर, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक शांति योजना प्रस्तावित की है। यह एक औपनिवेशिक ढाँचे के अलावा और कुछ नहीं है, जहां फिलिस्तीन के लोग अमेरिकी-इज़रायली शासकों के हमेशा कैदी बने रहेंगे। यह एक खतरनाक प्रस्ताव है जिसे तुरंत खारिज किया जाना चाहिए। जिला कमेटी सदस्य रामकिशन ने कहा कि जब विश्व जनमत तत्काल युद्धविराम और फिलिस्तीन राज्य को मान्यता देने की मांग कर रहा है, तब ट्रंप का ऐसा प्रस्ताव साम्राज्यवाद की असली मंशा और साजिश को उजागर करता है। जिला कमेटी सदस्य लालजी ने ट्रंप के प्रयासों की कड़ी निंदा की। इस अवसर पर सरोजनी देवी, विद्या देवी, सोनिया, संजीवन, राजबीर सिंह छिल्लर, महेंद्र सिंह कादियान, संदीप सिंह, राहुल, बलबीर, सतपाल, भरत सिंह व ओमप्रकाश आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा में कोल्ड्रिफ कफ सिरप के स्टॉक की जांच के आदेश

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार कोल्ड्रिफ कफ सिरप के स्टॉक की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। अभी तक किसी जिले से सिरप के दुष्प्रभाव को लेकर खबर नहीं आई है। विभागीय टीमों द्वारा लगातार जांच की जा रही है। यह जानकारी हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने पंचकूला में पत्रकारों से बातचीत में दी। उन्होंने कहा कि कफ सिरप की स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच करवाई जा रही है। यह एक तय तिथि का स्टॉक है। जिसके कारण मध्य प्रदेश में हादसा हुआ है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में इस कफ सिरप के इस्तेमाल की सूचनाएं मिलने के बाद जांच करवाई जा रही है। अभी तक किसी भी कफ सिरप में डायथिलीन ग्लाइकोल की मिलावट नहीं मिली है। अभी तक स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं कोई गड़बड़ी पाई जाती है तो सरकार द्वारा यह सिरप बैन करने के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से पूर्व में बैन किए गए सिरप को लेकर भी जांच करवाई जा रही है। प्रतिबंध के बावजूद प्रतिबंधित सिरप बेचने वाले केमिस्टों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

निफ्टेम के दीक्षांत समारोह में 262 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

सोनीपत। राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम-के), कुंडली में स्थापना दिवस व छठे दीक्षांत समारोह का भव्य मंगलवार को हुआ। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर 262 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं, जिनमें 126 बी.टेक, 92 एम.टेक, 27 एम.बी.ए. और 17 पी.एच.डी. छात्र शामिल थे। उत्कृष्ट प्रदर्शन पर 7 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक मिले। समारोह में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के संयुक्त सचिव देवेश देवल, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रोफेसर वी. रामगोपाल राव तथा बीकानेरवाला समूह के प्रबंध निदेशक श्याम सुंदर अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। समारोह का उद्घाटन प्रो. सूद ने किया। निदेशक डॉ. एच.एस. ओबेरॉय ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि संस्थान ने पिछले वर्ष 17 पेटेंट दायर किए, 1 पेटेंट प्राप्त किया, 18 प्रौद्योगिकियाँ हस्तांतरित कीं और 16 नई विकसित कीं। साथ ही 15 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए और 23 नई सरकारी व औद्योगिक परियोजनाएं आरंभ की।

ओसाका वर्ल्ड एक्सपो में हरियाणा पवेलियन बना आकर्षण का केंद्र

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और तकनीकी प्रगति का अद्भुत संगम इस समय जापान के ओसाका शहर में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो-2025 में देखने को मिल रहा है। यहां स्थापित भारत मंडपम में हरियाणा पवेलियन न केवल भारतीय प्रवासियों के लिए गर्व का विषय बना हुआ है, बल्कि जापान और दुनिया के अन्य देशों से आए आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र भी बना हुआ है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में वैश्विक औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जापान के दौरे पर गए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने वर्ल्ड एक्सपो-2025 में हरियाणा पवेलियन का भ्रमण किया। पैवेलियन में हरियाणा

की ग्रामीण संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर, औद्योगिक प्रगति और आधुनिक विकास यात्रा को वी.आर. (वर्चुअल रियलिटी) टेक्नोलॉजी के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। जापान के लोग इस तकनीक की मदद से हरियाणा के ऐतिहासिक स्थलों और पुरातात्विक स्थलों का वर्चुअल अनुभव लेकर हरियाणा की भूमि के वैभव और विविधता से रूबरू हो रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विजिटर बुक में लिखा कि भारत मंडपम में भारत की प्रगति और संभावनाओं को इतनी खूबसूरती से प्रदर्शित होते देख गर्व महसूस हो रहा है। यहां की प्रदर्शनी वास्तव में विकसित भारत की भावना और हमारे सतत व नवाचार पूर्ण भविष्य की यात्रा को दर्शाती है। हरियाणा इस राष्ट्रीय दृष्टिकोण में अपना पूरा योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। हरियाणा पैवेलियन में प्रदर्शित वेशभूषा, हस्तशिल्प, लोक नृत्य, मिट्टी की कलाकृतियां और पारंपरिक संगीत ने जापानी दर्शकों को खासा प्रभावित कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने हरियाणा की पारंपरिक पोशाकें पहनकर फोटो सेशन किए और 'घूमर' व 'फाग' जैसे लोकनृत्यों पर झूमते हुए हरियाणवी संस्कृति के रंगों का आनंद लिया।

मुख्यमंत्री सैनी ने शिंकानसेन-ओसाका बुलेट ट्रेन में किया सफर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में विदेशी निवेश को आकर्षित करने जापान दौर पर गए प्रतिनिधिमंडल ने आज दूसरे दिन विश्वप्रसिद्ध शिंकानसेन-ओसाका बुलेट ट्रेन से टोक्यो से ओसाका तक यात्रा की। यह ट्रेन अपने अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, सुरक्षा मानकों और परिचालन उत्कृष्टता के लिए जानी जाती है और आधुनिक परिवहन प्रणाली का उत्कृष्ट उदाहरण मानी जाती है। मुख्यमंत्री ने यात्रा के दौरान कहा कि केंद्र सरकार की विकसित भारत पहल के अंतर्गत मुंबई से अहमदाबाद के बीच एक हाई-स्पीड ट्रेन कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है, जो भारत की बड़ी बुलेट ट्रेन परियोजना होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जापान की शिंकानसेन बुलेट ट्रेन में यात्रा करना एक प्रेरणादायक अनुभव रहा। भारत में भी जल्द ही हमारे नागरिक ऐसी ही तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्राप्त करेंगे।

यह 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रतिनिधिमंडल ने इस यात्रा के दौरान जापान की रेलवे प्रणाली के संचालन, रखरखाव, यात्री सुरक्षा और तकनीकी नवाचारों का भी अध्ययन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सहित पूरे भारत में बेहतर परिवहन व्यवस्था के लिए जापान के अनुभवों और तकनीकी दक्षता से प्रेरणा ली जाएगी।

हिसार में अनियंत्रित होकर टूरिस्ट बस पलटी, बड़ा हादसा टला

एजेंसी

हिसार। जिले के उकलाना क्षेत्र के गांव बिठमड़ा के पास हिसार-टोहाना मुख्य मार्ग पर एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। खाटू श्याम से अमृतसर जा रही एक टूरिस्ट बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने गड्ढे में उतर गई और पलट गई। हादसा इतना जोरदार था कि बस पूरी तरह एक ओर झुक गई, लेकिन गनीमत यह रही कि बस में सवार सभी यात्री बाल-बाल बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंगलवार तड़के जब बस गांव बिठमड़ा स्थित सरकारीस्कूल के पास पहुंची तो अचानक चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया। बस सड़क से उतरकर गड्ढे में जा गिरी और पलट गई। घटना के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने तुरंत पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। बस में सवार लगभग तीन दर्जन से अधिक यात्रियों को बाहर निकाला गया। कुछ सवारियों को हल्की चोटें आईं, जिन्हें एंबुलेंस की मदद से नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज के लिए ले जाया गया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि बस उत्तर प्रदेश से रवाना होकर खाटू श्यामजी के दर्शन के लिए गई थी,और वहां से वापसी में यात्रियों को अमृतसर लेकर जा रही थी। हादसे के कारणों की अभी तक पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन बताया जा रहा है कि सड़क किनारे बने गहरे गड्ढे

और अचानक ब्रेक लगाने से बस पलटी हो सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हिसार-टोहाना रोड पर वाहन चालक स्पीड से वाहन चलाते हैं और हादसे का शिकार हो जाते हैं।

मुख्यमंत्री ने जापान के वर्ल्ड एक्सपो में किया हरियाणा पवेलियन का उद्घाटन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो-2025 में आज हरियाणा पवेलियन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के समग्र विकास में हरियाणा की महत्वपूर्ण भूमिका है। नायब ने कहा कि हरियाणा देश के क्षेत्रफल का मात्र 1.34 प्रतिशत और जनसंख्या का 2.09 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री नायब ने कहा कि हरियाणा उद्योगों को लॉजिस्टिक सुविधा देने में देश में दूसरे और उत्तर भारत में पहले स्थान पर है। विश्व की 400 फॉर्चून कंपनियों के कार्यालय हरियाणा के गुरुग्राम में स्थित हैं। उन्होंने कहा कि आज देश की सडक़ों पर दौडऩे वाली हर दूसरी कार हरियाणा में बनती है। देश के 52 प्रतिशत ट्रैक्टरों का निर्माण भी यहीं पर होता है। केन्द्रीय खाद्यान्न भण्डार में योगदान देने में हरियाणा का दूसरा स्थान है। उन्होंने कहा कि हरियाणा आशाओं और अवसरों की धरा है। उन्होंने कहा कि गत 11

वर्षों में प्रदेश में 7 लाख 66 हजार सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग लगे हैं तथा इनमें 39 लाख लोगों को रोजगार मिला है। आज हरियाणा भारत में स्टार्टअप की संख्या में 7वें बड़े राज्य के रूप में उभरा है। वर्तमान में, हरियाणा में 9 हजार 500 मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं। प्रदेश में स्टार्टअप्स की संख्या को तीन गुणा करने का लक्ष्य रखा है। हाल ही में, 22 स्टार्टअप्स को 1 करोड़ 14 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए 2,000 करोड़ रुपये का 'फंड ऑफ फंड्स' भी स्थापित करने जा रहे हैं।

पीएम मोदी के आगमन पर रिकार्डतोड़ भीड़ करेगी स्वागत : डॉ अरविंद शर्मा

पीएम मोदी के आगमन को लेकर गोहाना में जबरदस्त उत्साह

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा में लगातार तीसरी बार बनी भाजपा सरकार की पहली वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आगमन सोनीपत मेंआगमन पर रिकार्डतोड़ भीड़ स्वागतकरेगी।

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि यह क्षण हरियाणा के लिए ऐतिहासिक होगा। उन्होंने कहा कि संगठन का हर कार्यकर्ता इस अवसर का साक्षी बनेगा।पानीपत रोड स्थित जेके गार्डन में भाजपा गोहाना जिला की संगठनात्मक बैठक में मंत्री डॉ अरविंद शर्मा व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने सन्त-महापुरुषों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर बैठक की शुरुआत की। बैठक में प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर तैयारियों पर चर्चा हुई और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय की गईं। डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में

प्रदेश सरकार ने बीते एकवर्ष में हर वर्ग के उत्थान हेतु ठोस कदम उठाए हैं। सुशासन, पारदर्शिता और गरीब वर्ग के कल्याण पर केंद्रित योजनाओं ने जनता का भरोसा मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि 17 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन का जन-जन को बेसब्री से इंतजार है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2014 में एजुकेशनसिटी से केएमपी-केजीपी एक्सप्रेसवे का उद्घाटन कर हरियाणा को बड़ी सौगात दी थी। उन्होंने कहा कि 17 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पुनः हरियाणा आ रहे हैं, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दे। उन्होंने कहाकि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए स्वदेशी उत्पादों का उपयोग बढ़ाया जाए। उन्होंने बताया कि गोहाना और बरोदा से 10-10 हजार कार्यकर्ता व आमजन प्रधानमंत्री को सुनने के लिए एजुकेशन सिटी, राई पहुंचेंगे।

भाजपा जिला प्रभारी डॉ किरण कलकल, भाजपा जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र मलिक, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदीप सांगवान, इंद्रजीत विरमानी, भलेराम नरवाल, बलराम कौशिक, कृष्ण सैनी, महेंद्र चिड़ाना, जितेंद्र शर्मा, सन्दीप सैनी, डॉ रमेश कश्यप, नरेन्द्र गहलावत, रणधीर लठवाल, रीना शर्मा, डॉ ओमप्रकाश शर्मा, हवा सिंह वर्मा, सूरजमल शर्मा, जगबीर जैन, शेर सिंह बेडवाल, भूपेन्द्र मुदगिल, प्रवीण खुराना आदि उपस्थित रहे।

बरसात से मंडियों में खुले में पड़ा धान भीगा

एजेंसी

सिरसा। सिरसा जिले में बाद दोपहर हुई बरसात से मंडियों में पड़ा हजारों क्विंटल धान भीग गया है। किसानों का कहना है कि किसान तेजी से अपनी फसल काटकर मंडी में ला रहे हैं लेकिन मंडियों में अव्यवस्था का आलम बना हुआ है। बरसात के कारण जिले की कालांवाली मंडी सहित कुछेक अन्य मंडियों में धान की खरीद नहीं हुई। किसानों ने बताया कि कालांवाली की अतिरिक्त मंडी में खुले में पड़ा हजारों किवंटल धान भीग गया। उल्लेखनीय है कि कालांवाली अनाज मंडी में अब तक करीब 40 हजार क्विंटल धान की आवक हो चुकी है। जिसमें 18 हजार क्विंटल धान की खरीद हुई है। मात्र 3700

क्विंटल धान का उठान हुआ है। इसके चलते खुले आसमान तले पड़ा हजारों क्विंटल धान मंडी में भीगने से किसान मजदूर और व्यापारियों को नुकसान हुआ है। उधर, डबवाली के तहसीलदार ने क्षेत्र के गांवों बरसात से खराब हुई फसल का निरीक्षण किया। इस दौरान किसानों ने तहसीलदार को बताया कि दो दिन पूर्व तेज आंधी के साथ हुई बरसात से फसलें खराब हो गई हैं, इसका किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाए। किसान नेता राकेश फोगडिय़ा ने बताया कि तहसीलदार ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और बरसात से खराब हुई फसलों का जायजा लिया। किसानों ने बताया कि धान की फसल जमीन पर बिछ गई है और इसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ेगा। किसानों ने कहा कि नरमा-कपास पहले ही खराब हो चुका है और अब बची हुई धान की फसल भी बरसात व आंधी की भेंट चढ गई है।

पीपीपी मोड पर प्रदेश के अस्पतालों में लगेंगी एमआरआई मशीनें

हाईपावर कमेटी की बैठक में 120 करोड़ की दवा खरीद को मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सरकारी अस्पतालों में पीपीपी मोड पर सीटी स्कैन समेत कई तरह की मशीनें लगाई जाएंगी। इससे रोगियों को लाभ मिलेगा। यह फैसला स्वास्थ्य मंत्री आरती राव की अध्यक्षता में हुई स्पेशल हाई पॉवर्ड परचेज कमेटी की बैठक में लिया गया। बैठक के बाद विभागीय प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इसके चलते आज की बैठक में 120 करोड़ रुपये की लागत से दवाइयां तथा चिकित्सा उपकरणों की खरीद को मंजूरी प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि आज की बैठक में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर प्रदेश में 8 स्थानों पर एमआरआई मशीनें, 2 स्थानों पर सीटी स्कैन मशीनें और 604 स्थानों पर ईसीजी जांच के लिए निर्धारित दरों को अंतिम रूप दिया गया। इसके अलावा करीब 23 करोड़ रुपये की लागत से 67 एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन खरीदे जाने के अनुबंध को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, ईएनटी रोगियों के लिए 22 नसल एंडोस्कोप लगभग 2 करोड़ रुपये में खरीदे जाएंगे। टीबी के मरीजों के परीक्षण के लिए करीब छह करोड़ की लागत से 40 ट्रूनेट मशीनें ली जाएंगी। वहीं, 15 पैथोडिटेक्ट मशीनों की खरीद लगभग 13 करोड़ रुपये में करने के अनुबंध को भी अंतिम रूप दिया।

फरीदाबाद निगम महिलाओं व दिव्यांगों के लिए बनाएगा पिंक शौचाल्य

कमिश्नर बोले-मौके पर जाकर स्थान का मुआयना करेंगे

एजेंसी

फरीदाबाद। फरीदाबाद में नगर निगम अब हर डिवीजन जोन में आधुनिक 'एस्पिरेशनल और पिंक' टॉयलेट बनाएगा। इसको लेकर निगम ने लोगों से स्थानों के चयन के लिए सुझाव मांगे है,ताकि जरूरत के अनुसार सही स्थानों पर इन शौचालय को बनाया जा सके। निगम कमिश्नर धीरेंद्र खडग़टा ने मंगलवार को बताया कि, निगम प्रत्येक डिवीजन जोन में 5 से 6 सीटर आधुनिक टॉयलेट का निर्माण करेगा। इन शौचालयों को इस प्रकार डिजाइन किया जाएगा कि यह स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक हों, जिसमें दिव्यांग के लिए सुविधा हो और महिलाओं के लिए (पिंक टॉयलेट) तथा आमजन को उपयोगी सेवाएं प्रदान कर सकें। उन्होंने कहा कि शहर के लोगों से इसको लेकर उन्होंने सुझाव मांगे हैं। उन्होंने कहा कि इन शौचालयों के निर्माण के बाद रख-रखाव को लेकर विशेष नजर रखी जाएगी। इसके अलावा शहर में जो

शौचालय बने हुए हैं, उनका फिर से नवीनीकरण किया जाएगा। इसको लेकर विभाग तैयारी करने में लगा हुआ है। इनके बनने से आम जनता को सुविधाएं मिलेगी। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत इनका निर्माण किया जाएगा। कमिश्नर ने कहा कि इसके पीछे का मकसद दिव्यांगजनों और महिलाओं को शहर के हर हिस्से में सुविधा देना है। शहर के प्रमुख बाजारों को इनके निर्माण के लिए चुन लिया गया है। लोगों के जो सुझाव आएंगे, जिसके बाद अधिकारी मौके पर जाकर स्थान का मुआयना करेंगे। ताकि जहां भी ये टॉयलेट बने आम जनता की पहुंच में हो।

सीएम फ्लाइंग ने मिठाई की दुकान पर मारा छापा,राजस्थान से बस में आ रहा था मावा

एजेंसी

हिसार। त्योहारी सीजन के चलते मिठाइयों में मिलावट की गुप्त सूचना पर सीएम फ्लाइंग टीम ने हिसार शहर में बड़ी कार्रवाई की। टीम ने बीकानेर मिष्ठान भंडार पर छापा मारकर बड़ी मात्रा में मावा, रसगुल्ले और केक बरामद किए। जांच के दौरान दुकान संचालक मिठाई बनाने का लाइसेंस नहीं दिखा सका, जिस पर उसका चालान किया गया। टीम का नेतृत्व सीएम फ्लाइंग हिसार रेंज इंचार्ज सुनैना ने किया। उनके साथ जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. पवन चहल, एएसआई सुरेंद्र और एचसी विजय भी मौजूद रहे।सीएम फ्लाइंग हिसार रेंज इंचार्ज सुनैना ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि राजस्थान से मिलावटी मावा बसों के माध्यम से हिसार लाया जा रहा है और यहां विभिन्न मिठाई दुकानों में इसका उपयोग किया जा रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद टीम ने बीकानेर मिष्ठान भंडार के गोदाम पर छापा मारा। छापे के दौरान टीम को मौके पर राजस्थान के जोधपुर निवासी रविव सिंह मिले, जो मिठाई बनाने का कार्य करवा रहे थे। जांच में सामने आया कि गोदाम में बड़े पैमाने पर मिठाई का उत्पादन चल रहा था, जबकि संचालक के पास मिठाई बनाने का कोई वैध लाइसेंस नहीं था।टीम ने जब गोदाम की तलाशी ली तो वहां कुल लगभग 280 किलोग्राम मावा मिला, जो फ्रिज, पॉलीथिन व कट्टों में भरकर रखा हुआ था। इसके अलावा लगभग 32 किलो केक और लगभग 480 किलो रसगुल्ले भी मौके से बरामद किए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. पवन चहल ने मौके पर मावा, रसगुल्ला और केक सहित कुल पांच सैंपल जांच के लिए भरे और उन्हें फूड लैब में भेजा गया है।सीएम फ्लाइंग टीम द्वारा की गई पूछताछ में गोदाम मालिक रविव ने स्वीकार किया कि वह मावा राजस्थान के बीकानेर से 280 रुपये प्रति किलो

के भाव से मंगवाता है। यह मावा बसों के जरिए हिसार लाया जाता था और फिर यहीं मिठाइयां तैयार कर स्थानीय बाजार में बेची जाती थीं।टीम इंचार्ज ने बताया कि सैंपल की रिपोर्ट आने के बाद संबंधित मिठाई व्यापारी के खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना ने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार त्योहारी सीजन में मिलावटी मिठाइयां बनाने और बेचने वालों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है।

गुरुग्राम नगर निगम डोर-टू-डोर केवल अलग किया गया कचरा ही उठाएगा

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव विकास गुप्ता ने गुरुग्राम में आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों, बल्क वेस्ट जनरेटर्स, ठोस कचरा प्रबंधन एजेंसियों, निगम पार्षदों व अन्य स्टेक होल्डर्स के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में ठोस कचरा प्रबंधन ड्राफ्ट उप नियम-2025 पर विस्तार से चर्चा की गईऔर स्टेक होल्डर्स ने गुरुग्राम को स्वच्छ, सुंदर और बेहतर शहर बनाने के लिए अपने सुझाव दिए। मेयर राजरानी मल्होत्रा ने स्टेक होल्डर्स से आह्वान किया कि वे गुरुग्राम को स्वच्छ व बेहतर शहर बनाने में सहयोग करें।

बैठक में गुप्ता ने कहा कि ठोस कचरा प्रबंधन ड्राफ्ट उप नियम-2025 का उद्देश्य शहरों में कचरा प्रबंधन प्रणाली को वैज्ञानिक, पारदर्शी और टिकाऊ बनाना है। इनके लागू होने से कचरे के पृथक्करण, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण को बढ़ावा मिलेगा तथा शहरों को स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल बनाने में नागरिकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम प्रतिदिन डोर-टू-डोर कलेक्शन सुनिश्चित करेगा और केवल पृथक किया गया कचरा ही उठाया जाएगा। वाहनों में कचरे के अलग-अलग खंड होंगे और ये जीपीएस-सक्षम होंगे। सभी वाहन एमसीजी व स्वच्छ भारत मिशन लोगो से चिह्नित होंगे। संकरी गलियों के लिए छोटे वाहन और उपयुक्त मार्ग तय होंगे। शहर में चयनित स्थलों पर द्वितीयक संग्रहण केंद्र और एमआरएफ यूनिट्स स्थापित की जाएंगी, जहां कचरे का पृथक्करण, पुनर्चक्रण और कम्पोस्टिंग की जाएगी। इन केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य होंगे और फुटेज 30 दिन तक सुरक्षित रखनी होगी। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम द्वारा तैयार किए गए ठोस कचरा प्रबंधन ड्राफ्ट उपनियम 2025 शहर की स्वच्छता व्यवस्था को एक नई दिशा देने का कार्य करेंगे। बैठक में अतिरिक्त निगमायुक्त यश जालुका ने बताया कि नगर निगम गुरुग्राम ने शहर में ठोस कचरे के समुचित प्रबंधन और निस्तारण को सुव्यवस्थित करने के लिए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट एंड हैंडलिंग ड्राफ्ट बाई लॉज 2025 अधिसूचित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ये उप नियम हरियाणा नगर निगम अधिनियम, 1994 और भारत सरकार के ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2016 के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

वीवर्क की बोलियां पूरी, एलजी शुरुआत अच्छी सभी शेयरों के लिए मिले आवेदन

नई दिल्ली।

पूंजी बाजार में आईपीओ लाने की होड़ लगी है। इस हफ्ते करीब आधा दर्जन कंपनियों के आईपीओ बाजार में आ रहे हैं, जिससे 30,000 करोड़ से ज्यादा जुटाने की उम्मीद है। इनमें से तीन बड़े आईपीओ ने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। वीवर्क इंडिया के आईपीओ को बुधवार को अंतिम दिन पूरी बोलियां मिलीं। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया की शुरुआत अच्छी रही और इस आईपीओ को पहले ही दिन बिक्री के लिए रखे गए सभी शेयरों के लिए आवेदन मिले। इस बीच टाटा कैपिटल के मेगा शेयर बिक्री को तीन-चौथाई आवेदन मिले।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक को-वर्किंग ऑफिस स्पेस प्रदाता वीवर्क के 3,000 करोड़ रुपए के आईपीओ को इसके कारोबारी ढांचे पर संशय के बीच केवल 1.2 गुना ही आवेदन मिले। संस्थागत निवेशक श्रेणी में वीवर्क के आईपीओ को 1.8 गुना आवेदन मिले जबकि अमीर निवेशक श्रेणी (एचएनआई) खंड और रिटेल में रखे शेयरों को पूरा अभिदान नहीं मिला। एचएनआई श्रेणी में 23 फीसदी और रिटेल में 61 फीसदी ही बोलियां लगीं। वीवर्क के प्रवर्तकों के खिलाफ आपराधिक मामले और कंपनी की लाभप्रदता को लेकर चिंता के बीच आईपीओ को लेकर निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा है। प्रॉक्सी सलाहकार ने बताया कि वीवर्क को वित्त वर्ष 2025 में 128 करोड़ रुपए का कर बाद मुनाफा मिला था जो पूरी तरह से कर को समायोजित करने की वजह से है और यह आवर्ती आय को नहीं दर्शाता है।

इस बीच टाटा समूह की कंपनी टाटा कैपिटल के आईपीओ को बंद होने से एक दिन पहले 75 फीसदी आवेदन मिले। कंपनी ने अपने 15,512 करोड़ रुपए के आईपीओ का मूल्य दायरा 310 रुपए से 326 रुपए प्रति शेयर रखा। ऊपरी मूल्य सीमा पर टाटा कैपिटल का मूल्यांकन 1.38 लाख करोड़ रुपए होता है। यह घरेलू बाजार का चौथा सबसे बड़ा और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी का सबसे बड़ा आईपीओ है। टाटा कैपिटल आईपीओ में 6,846 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी करेगी और इससे मिलने वाली पूंजी का इस्तेमाल कंपनी अपने पूंजी आधार को बढ़ाने के लिए करेगी। इसके अलावा प्रवर्तक टाटा संस और इंटरनैशनल फाइनैंस कॉरपोरेशन 8,666 करोड़ रुपए के शेयर बेच रहे हैं।

स्मार्टफोन गैलेक्सी एम17 5जी जल्द होगा लॉन्च

नईदिल्ली ।

भारत में सैमसंग 10 अक्टूबर को अपना नया मिड-बजट स्मार्टफोन गैलेक्सी एम17 5जी लॉन्च करने जा रहा है। गैलेक्सी एम17 5जी का सबसे बड़ा आकर्षण इसका 50 एमपी ओआईएस पल कैमरा सेटअप है, जो तस्वीरों और वीडियोज़ को ब्लर और शेक-फ्री बनाता है। यह फोन खास तौर पर उन यूज़र्स के लिए डिज़ाइन किया गया है जो हर समय कनेक्टेड और एक्टिव रहते हैं। फोन का 7.5 एमएम अल्ट्रा-स्लिम डिज़ाइन इसे न केवल स्टाइलिश बनाता है, बल्कि हैंड में भी हल्का महसूस होता है। सैमसंग ने इस बार अपनी एम-सीरीज़ में पहली बार एआई इंटीग्रेशन जोड़ा है। इसमें दो खास फीचर्स सर्कल टू सर्च विथ गूगल और जेमिनी लाइव शामिल हैं। ये यूज़र्स को स्मार्ट और रियल-टाइम अनुभव देते हैं। सर्कल टू सर्च फीचर से स्क्रीन पर किसी भी ऑब्जेक्ट को सर्कल करते ही गूगल सर्च किया जा सकेगा, वहीं जेमिनी लाइव यूज़र्स को लाइव एआई चैटिंग की सुविधा देगा।

सैमसंग का यह नया फोन उन यूज़र्स के लिए खास साबित हो सकता है जो बेहतर कैमरा, स्मार्ट परफॉर्मेंस और प्रीमियम डिज़ाइन की तलाश में हैं वह भी एक किफायती दाम पर। फोन मूनलाइट सिल्वर और साफिरे ब्लैक जैसे दो आकर्षक रंगों में उपलब्ध होगा। इसमें 6.7-इंच सुपर अमोलेड डिस्प्ले, गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्रोटेक्शन और आईपी54 रेटिंग दी गई है, जो इसे धूल और पानी के छींटों से सुरक्षित बनाती है।

विंडो-10 के सिक्योरिटी अपडेट्स हो रहे खत्म, 40 करोड़ यूजर्स पर पड़ेगा असर

समय रहते कर लें अपडेट वरना साइबर अटैक्स के हो सकते हैं शिकार

नई दिल्ली।

सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के यूजर्स के सामने बड़ी परेशानी आ गई है और दुनियाभर में 40 करोड़ के करीब विंडो यूजर्स पर इसका असर पड़ेगा। दरअसल विंडो-10 के लिए सिक्योरिटी अपडेट्स खत्म होने वाले हैं और इसके बाद यूजर्स को कोई अपडेट नहीं दिया जाएगा। अगर आप भी इन यूजर्स में शामिल हैं तो आपको समय रहते कुछ करना होगा, वरना आप साइबर अटैक्स का शिकार हो सकते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक आज भी दुनिया के 41 फीसदी कंप्यूटर विंडो-10 पर चल रहे हैं और सितंबर के आखिर में ये करीब 46 फीसदी थे। साफ है कि कुछ यूजर्स ने अपग्रेड जरूर किया है लेकिन अब केवल 10 दिन बचे हैं। एक बार डेडलाइन बीतने के बाद जो यूजर्स कंपनी के सपोर्ट प्लान का हिस्सा नहीं होंगे, उन्हें सिक्योरिटी अपडेट्स नहीं दिए जाएंगे। कंपनी ने उन विंडो-10 यूजर्स को एक्सटेंडेड सपोर्ट लेने का विकल्प दिया है, जो अपग्रेड नहीं कर पा रहे। इसके लिए यूजर्स को 30 डॉलर यानी करीब 2500 रुपए फीस का भुगतान करना होगा। वहीं कुछ यूजर्स को सही ऑप्शन चुनने पर फ्री एक्सटेंशन ऑफर दिया जा रहा है। हालांकि बड़ी दिक्कत ये है कि करीब 40 करोड़ डिवाइस विंडो-11 पर अपग्रेड नहीं हो सकते क्योंकि माइक्रोसॉफ्ट ने इसके लिए सख्त हार्डवेयर रिक्वायरमेंट्स तय किए हैं। पुराने कंप्यूटर इन रिक्वायरमेंट्स को पूरा नहीं करते, ऐसे में उन्हें अपग्रेड नहीं किया जा सकेगा।

पब्लिक इंट्रेस्ट रिसर्च ग्रुप (पीआईआरजी) नामक संस्था ने चेतावनी दी है कि यह स्थिति पहले कभी नहीं आई। जब विंडो-8 का सपोर्ट जनवरी 2016 में खत्म हुआ था, तब सिर्फ 3.7 फीसदी यूजर्स ही उसका इस्तेमाल कर रहे थे। विंडो 8.1 का सपोर्ट जनवरी 2023 में खत्म हुआ, तब यह आंकड़ा सिर्फ 2.2 फीसदी था, लेकिन आज विंडो-10 के 41 फीसदी यूजर्स अब भी सक्रिय हैं, जो एक चौंकाने वाला आंकड़ा है।

इसी तरह की चेतावनी कंज्यूमर रिपोर्ट और यूरो कंज्यूमर ने भी जारी की है। उनका कहना है कि माइक्रोसॉफ्ट ने विंडो-10 को खत्म करने की टाइमलाइन पहले से कहीं ज्यादा छोटी कर दी है, जबकि विंडो-11 को लॉन्च हुए अभी सिर्फ चार साल ही हुए हैं।

भारत में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स में से 97 प्रतिशत पर डार्क पैटर्न मिले

मुंबई ।

भारत में संचालित 290 प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स में से 97 प्रतिशत पर डार्क पैटर्न मिले हैं, जो उपभोक्ताओं द्वारा रिपोर्ट किए गए और लोकल सर्कल्स द्वारा सत्यापित हैं। उपभोक्ता मामलों के केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि उनके विभाग को कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ शिकायतें मिली हैं, जिसमें कैश ऑन डिलीवरी पर अतिरिक्त शुल्क जैसी भ्रामक प्रथाओं का इस्तेमाल शामिल है।

केंद्रीय मंत्री जोशी की यह प्रतिक्रिया तब आई जब लोकल सर्कल्स ने मुद्दे पर अपनी तिमाही ऑडिट रिपोर्ट जारी की, जिसमें स्पष्ट हुआ हैं कि भारत में अधिकांश ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपभोक्ताओं द्वारा रिपोर्ट किए गए डार्क पैटर्न मिले हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करने वाले 48 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने बताया कि उन्होंने अक्सर बेट एंड स्विच जैसी स्थिति का सामना किया है यानी जिस उत्पाद, सेवा या कीमत का विज्ञापन किया गया था, वह डिलीवरी के समय अलग निकली। वहीं, 75 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने बताया कि उन्होंने अक्सर ड्रिप प्राइसिंग का अनुभव किया यानी अंतिम चरण में बिना पहले बताए अतिरिक्त शुल्क जोड़ दिए गए।

इस सर्वे में कुल 11,626 लोगों ने उत्पाद या कीमत डिलीवरी के समय अलग होने के अनुभव के बारे में प्रतिक्रिया दी। इसमें से 41 प्रतिशत ने कहा कि कई बार ऐसा हुआ, 26 प्रतिशत ने बताया कि कम ही बार ऐसा हुआ, जबकि 19 प्रतिशत का कहना था कि उन्हें इसका अनुभव नहीं हुआ। 7 प्रतिशत ने कहा कि उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया और 7 प्रतिशत ने कहा कि बहुत बार उन्हें सामान या कीमत डिलीवरी के समय अलग मिली।

सर्वे में 17,558 लोगों ने ई-कॉमर्स एप या वेबसाइट पर अंतिम समय में अतिरिक्त शुल्क जोड़ने के अनुभव के बारे में प्रतिक्रिया दी। इसमें 67 प्रतिशत लोगों ने माना कि यह बहुत बार हुआ, 17 प्रतिशत ने बताया कि इसतरह के मामले कम ही आए, 8 प्रतिशत ने कहा कि कई बार ऐसा हुआ और 8 प्रतिशत का कहना था कि उन्हें इसका अनुभव नहीं हुआ।

अब सिर्फओटीपी से नहीं होगी डिजिटल पेमेंट..............दूसरा सुरक्षा माध्यम भी अपनाना होगा

डिजिटल धोखाधड़ी और फ्रॉड रोकने 1 अप्रैल 2026 से लागू ये सिस्टम

नई दिल्ली। भारत में डिजिटल ट्रांजेक्शन में सुरक्षा को लेकर एक बड़ा बदलाव जल्द होगा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने घोषणा की है कि 1 अप्रैल 2026 से डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन लेनदेन के लिए टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2एफए) को अनिवार्य कर दिया जाएगा। इसका मतलब है कि अब सिर्फ मोबाइल पर मिलने वाले ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) के भरोसे डिजिटल ट्रांजेक्शन नहीं कर सकते हैं, बल्कि एक अतिरिक्त सुरक्षा परत भी जरूरी होगी। इस नए नियम के तहत, जब भी कोई ऑनलाइन ट्रांजेक्शन किया जाएगा, तब ओटीपी के साथ-साथ यूजर को कोई दूसरा सुरक्षा माध्यम भी अपनाना होगा। यह दूसरा तरीका हो सकता है पासवर्ड, बायोमैट्रिक पहचान जैसे अंगूठे का निशान या फेस आईडी स्कैन, या फिर ऑथेन्टीकेटर एप द्वारा जनरेट हुआ टोकन। ऑथेन्टीकेटर एप हर बार एक नया पासवर्ड प्रदान करेगा, जो कुछ ही मिनटों के बाद समाप्त होगा, जिससे सुरक्षा और भी कड़ी हो जाएगी। दरअसल डिजिटल धोखाधड़ी और फ्रॉड के बढ़ते मामलों को देखकर आरबीआई ने यह कदम उठाया है। जानकारों का मानना है कि एसएमएसएस आधारित ओटीपी अकेला सुरक्षा उपाय अब पर्याप्त नहीं रह गया है, क्योंकि मोबाइल चोरी या सिम स्वैप जैसी घटनाओं के जरिए फ्रॉड हो सकते हैं। नई व्यवस्था से अगर आपका फोन चोरी भी हो जाए या सिम क्लोनिंग हो, तब भी कोई बिना आपकी सहमति के ट्रांजेक्शन नहीं कर सकेगा, क्योंकि दूसरे फैक्टर के बिना प्रक्रिया पूरी नहीं होगी। आरबीआई ने इस नई सुरक्षा व्यवस्था को डिजिटल लेनदेन को सुरक्षित, विश्वसनीय और उपयोगकर्ताओं के लिए भरोसेमंद बनाने के उद्देश्य से लागू किया है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया दो पैसे की बढ़त के साथ ही 88.76 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 88.78 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण भी स्थानीय मुद्रा दबाव में है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.72 पर थोड़ा मजबूत खुला लेकिन जल्द ही यह एक पैसे टूटकर 88.75 प्रति डॉलर पर आ गया। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.74 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने ने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 97.86 पर आ गया।

यूको बैंक अपने ग्राहकों को दे रहा एफडी पर आकर्षक ब्याज दर

मुंबई। अगर आप सुरक्षित निवेश के साथ अच्छा रिटर्न चाहते हैं, तब आपके लिए यूको बैंक की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) योजना बेहतरीन विकल्प हो सकती है। यूको बैंक अपने सभी ग्राहकों को एफडी पर आकर्षक ब्याज दरें दे रहा है, जो निवेशकों के लिए भरोसेमंद और फायदेमंद साबित हो सकती हैं। इस योजना में आप न्यूनतम 1 लाख रुपये जमा कर सकते हैं और तय अवधि के बाद अच्छा खासा ब्याज प्राप्त कर सकते हैं। यूको बैंक में एफडी की अवधि 7 दिनों से लेकर 10 साल तक हो सकती है, जिससे निवेशक अपनी जरूरत और सुविधा के अनुसार योजना चुन सकते हैं। सामान्य ग्राहकों को इस योजना में 2.90 प्रतिशत से लेकर 6.45 प्रतिशत तक की ब्याज दरें मिलती हैं, वहीं वरिष्ठ नागरिकों को खासतौर पर बेहतर रिटर्न के रूप में 6.95 प्रतिशत तक ब्याज दिया जा रहा है। खास बात यह है कि यूको बैंक अपने रिटायर्ड सीनियर सिटीजन स्टाफ को 444 दिनों की एफडी पर 7.95 प्रतिशत तक की ब्याज दर का लाभ प्रदान करता है, जो बाजार में उपलब्ध अधिकांश एफडी योजनाओं से बेहतर है। अगर आप सामान्य ग्राहक हैं और यूको बैंक में 3 साल के लिए 1 लाख की एफडी करते हैं, तब मैच्योरिटी पर आपको कुल 1,20,093 रुपये मिलने हैं, जिसमें 20,093 रुपये का फिक्स्ड ब्याज शामिल होगा। वहीं, वरिष्ठ नागरिक के रूप में इसी अवधि और राशि पर आपका रिटर्न थोड़ा और बेहतर होगा, करीब 1,21,879 रुपये, जिसमें 21,879 रुपये का ब्याज होगा। एफडी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें निवेश की गई राशि सुरक्षित रहती है और निश्चित समय के बाद आपको तय ब्याज सहित आपकी पूंजी वापस मिलती है। इससे निवेशकों को जोखिम की चिंता नहीं रहती और वे अपने पैसों को आराम से बढ़ा सकते हैं। यूको बैंक की यह योजना उन लोगों के लिए खासतौर पर उपयोगी है जो सुरक्षित निवेश के साथ स्थिर और भरोसेमंद रिटर्न की तलाश में हैं।

भारत में वर्ष 2026 में औसत वेतन वृद्धि नौ प्रतिशत होने का अनुमान

रियल एस्टेट क्षेत्र में सबसे ज्यादा बढ़ोत्तरी

मुंबई। भारत में आने वाले साल वेतन वृद्धि नौ प्रतिशत तक रहने की संभावना है, जो इस साल हुई 8.9 प्रतिशत की औसत वृद्धि से थोड़ी ज्यादा है। एक सर्वेक्षण रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि अनिश्चितताओं के बावजूद वेतन वृद्धि का यह रुझान मजबूत घरेलू खपत, निवेश और नीतिगत समर्थन के चलते बना रहेगा। सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2026 में औसत वेतन वृद्धि नौ प्रतिशत रहने का अनुमान है लेकिन उद्योगों के हिसाब से वृद्धि अलग-अलग हो सकती है। अगले साल रियल एस्टेट/ ढांचागत क्षेत्र में सबसे ज्यादा 10.9 प्रतिशत और गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों (एनबीएफसी) में 10 प्रतिशत की वेतन बढ़ोतरी का अनुमान है। इसके साथ वाहन निर्माण में 9.6 प्रतिशत, इंजीनियरिंग डिजाइन सेवाओं में 9.7 प्रतिशत और खुदरा एवं जीवन-विज्ञान क्षेत्रों में 9.6 प्रतिशत की वेतन वृद्धि हो सकती है। सर्वे करने वाली फर्म के जानकार ने कहा, ‘भारत की वृद्धि गाथा मजबूत बनी हुई है और उसे ढांचागत निवेश एवं नीतिगत उपायों का समर्थन है। रियल एस्टेट और एनबीएफसी जैसे क्षेत्रों में प्रतिभा में निवेश के साथ कंपनियां रणनीतिक दृष्टिकोण से वेतन प्रबंधन कर रही हैं ताकि स्थायी वृद्धि और कार्यबल की स्थिरता बनी रहे। सर्वेक्षण में सामने आया हैं कि नौकरी छोड़ने की कुल दर 2025 में 17.1 प्रतिशत तक घट गई, जबकि 2024 में 17.7 प्रतिशत और 2023 में 18.7 प्रतिशत थी। यह गिरावट संकेत देती है कि प्रतिभा का परिदृश्य अधिक स्थिर हो रहा है और कंपनियों को लक्षित कौशल विकास कार्यक्रमों में निवेश करने का मौका मिल रहा है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 153 , निफ्टी 62 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिलेजुले संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी होने से ये गिरावट आई है। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 153.09 अंक टूटकर 81,773.66 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 62.15 अंक गिरकर 25,046.15 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 422.65 अंक टूटकर 57,866.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 92.80 अंक नीचे आकर 17,890.60 पर रहा। ऑटो और रियल्टी इंडेक्स में सबसे ज्यादा बिकवाली हुई। निफ्टी ऑटो 1.53 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 1.83 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 0.63 फीसदी, निफ्टी मीडिया 1.72 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 1.08 फीसदी और निफ्टी एफएमसीजी 0.50 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। निफ्टी आईटी 1.51 फीसदी , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल 0.71 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स पैक में टाइटन, इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस और टाटा स्टील के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि टाटा मोटर्स, एमएंडएम, बीईएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, सन फार्मा, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और बजाज फिनसर्व के शेयरों को नुकसान हुआ। आज कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव रहा और इसी बीच मुनाफावसूली हावी होने से बाजार नीचे आने लगा। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ

खुला। सुबह सेंसेक्स बढ़त के साथ ही 81,899.51 अंक पर खुला। सेंसेक्स में खुलने के साथ ही तेजी नजर आयी। वहीं निफ्टी हल्की गिरावट के साथ 25,079.75 अंक पर खुला। इसके बाद इसमें बढ़त आने लगी गई और कुछ समय बाद ही यह 45.40 अंक की बढ़त के साथ ही 25,153.95 पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में शुरुआत में मिश्रित कारोबार हुआ। हांगकांग का इंडेक्स शुरुआती कारोबार में 0.89 फीसदी नीचे आया। वहीं जापान का निकेई 0.22 फीसदी ऊपर आया। वहीं चीन और दक्षिण कोरिया के बाजार छुट्टियों के कारण बंद रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो अमेरिकी वॉल स्ट्रीट में कमजोरी रही। न्यूयॉर्क फेडरल रिजर्व के सर्वे में उपभोक्ता उम्मीदों में गिरावट और मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी रही। अमेरिका में शटडाउन जारी हैं जिससे भी बाजार पर दबाव आया है। डाउ जोंस 0.2 फीसदी, एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.38 फीसदी और नैस्डैक इंडेक्स 0.67 फीसदी गिरकर बंद हुआ।

कर मुक्त बॉन्ड जारी करने से बॉन्ड बाजार में बढ़ सकती है खुदरा भागीदारी

बॉन्ड बाजार में खुदरा निवेश खास आयु वर्ग तक ही सीमित हो गया

नई दिल्ली। एनएसडीएल के प्रमुख संचालन अधिकारी प्रशांत वागल ने कहा है कि कर मुक्त बॉन्ड जारी करने से बॉन्ड बाजार में खुदरा भागीदारी बढ़ सकती है। भारत सरकार ने 2016 के बाद कोई नया कर मुक्त बॉन्ड जारी नहीं किया है। वागल ने 25वें ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में मंगलवार को कहा कि भारत में राष्ट्रीय बचत, लघु बचत, म्युचुअल फंड की इक्विटी लिंक्ड बचत और पेंशन योजनाएं हैं। अभी इक्विटी मार्केट में राजीव गांधी इक्विटी बचत योजना है। उन्होंने कहा कि कई साल पहले कर बचत बॉन्ड्स इस्तेमाल किए जाते थे, यह जब जारी होते थे तो लोग उन्हें खूब खरीदते थे। लिहाजा हम क्यों नहीं कर बचत योजना जैसा कुछ बनाएं। इसमें जहां कर बचत बॉन्ड पर ब्याज तो कर मुक्त हो, लेकिन निवेश पर नहींज हम शुरुआत से ही लोगों के इसे हाथों हाथ स्वीकारता देख सकते हैं क्योंकि हम खुदरा निवेशकों की भागीदारी चाहते हैं। वागल ने कहा कि बॉन्ड बाजार में खुदरा निवेश खास आयु वर्ग में सीमित हो गया है। इसमें 41 साल से ज्यादा आयु के लोग ज्यादा हैं और युवा आयु वर्ग का कम निवेश कर रहा है। उन्होंने बताया कि डीमैट के 15 लाख से 16 लाख खाते हैं और इसमें 41 साल से ज्यादा लोगों के 10 लाख से ज्यादा खाते हैं। लिहाजा बॉन्ड में निवेश करने वाली दो तिहाई आबादी वह है जो रिटायरमेंट की उम्र की तरफ बढ़ रहे हैं। इसीलिए बॉन्ड को पूंजी की सुरक्षा करने वाले रूप में माना जाता है और यह स्थिर आमदनी देता है। इसमें 41 से 60 साल की आयु के लोगों की संख्या पांच लाख है और इससे ज्यादा उम्र के लोगों की संख्या भी पांच लाख है। यह अनुपात है। हम ऐसे लोग चाहते हैं जो भारत की युवा आबादी हो, 30 साल से कम हो लेकिन यह मुश्किल से 2 लाख से 3 लाख हैं।

इनकम टैक्स वेबसाइट में गलती से आधार, बैंक, पैन डिटेल्स लीक!

वेबसाइट पहचान नहीं पा रही थी कौन-सा यूजर किस डेटा को देखने का हकदार

नई दिल्ली।

भारत सरकार की इनकम टैक्स वेबसाइट में सुरक्षा गलती हुई। इस बग की वजह से लाखों टैक्सपेयर्स की निजी जानकारी जैसे आधार नंबर, बैंक अकाउंट डिटेल्स, मोबाइल नंबर और पता कुछ समय के लिए उजागर हो गया। इस गलती को दो साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने खोजा, जिन्होंने पाया कि वेबसाइट में लॉगिन करने के बाद, अगर कोई यूजर अपने पैन नंबर को बदलता है, तो वह दूसरे व्यक्ति की जानकारी भी देख सकता है यानी बिना किसी पासवर्ड या ओटीपी के किसी और का डेटा खुल सकता था।

खबर सामने आने के बाद सरकार और सीईआरटी-इन (साइबर सिक्योरिटी एजेंसी) को तुरंत इसकी जानकारी दी गई और उन्होंने 2 अक्टूबर को इस खामी को ठीक कर दिया। हालांकि अब सिस्टम सुरक्षित है, लेकिन यह घटना हमें याद दिलाती है कि छोटी-सी तकनीकी गलती भी बड़ी परेशानी बन सकती है। अब यह समझना जरूरी है कि यह गलती कैसे हुई और हमें क्या सावधानी रखनी चाहिए। इनकम टैक्स पोर्टल में एक सॉफ्टवेयर बग था। जब कोई व्यक्ति अपने अकाउंट में लॉगिन करता था, तो वेबसाइट यह चेक नहीं करती थी कि वह किसका डेटा देख रहा है। अगर कोई व्यक्ति अपनी पैन डिटेल बदलकर किसी दूसरे का पैन नंबर डाल देता था, तो सिस्टम बिना किसी रोक-टोक के उस व्यक्ति का सारा डेटा दिखा देता था।

रिपोर्ट के मुताबिक वेबसाइट यह पहचान ही नहीं पा रही थी कि कौन-सा यूजर किस डेटा को देखने का हकदार है। इसे ‘आईडीओआर बग कहा जाता है यानी एक तकनीकी गलती जिसके कारण बिना अनुमति किसी और का डेटा दिखने लगता है। इस गलती को खोजने वाले विशेषज्ञों ने सरकार को तुरंत बताया और कुछ ही दिनों में यह दिक्कत ठीक कर दी गई।

यह गलती बेहद गंभीर थी, क्योंकि इनकम टैक्स पोर्टल पर करोड़ों लोगों का डेटा मौजूद है। इसमें सिर्फ आम टैक्सपेयर्स ही नहीं, बल्कि बड़ी कंपनियों और बिजनेस ओनर्स की जानकारी भी थी। अगर कोई हैकर या गलत इरादे वाला व्यक्ति गलती का फायदा उठाता है, तो वह लोगों की पहचान चोरी या बैंक फ्रॉड कर सकता था। हालांकि राहत की बात यह है कि किसी बड़े डेटा चोरी के सबूत नहीं मिले और सरकार ने इसे सुधार लिया।

अगर आप भी इनकम टैक्स वेबसाइट का इस्तेमाल करते हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन थोड़ी सावधानी रखना जरूरी है अपना पासवर्ड तुरंत बदलें। अगर लंबे समय से नहीं बदला है, तो नया मजबूत पासवर्ड रखें। आधार, पैन या बैंक डिटेल्स किसी को न भेजें। कोई कॉल या ईमेल पर मांगे तो नजरअंदाज करें।

सितंबर में आया एसयूवी की बिक्री में जबरदस्त उछाल

नईदिल्ली । बीते सितंबर महीने में फेस्टिव सीजन की शुरुआत और जीएसटी 2.0 रिफॉर्म्स के असर से एसयूवी की बिक्री में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। सबसे आगे रही टाटा नेक्सन, जिसने सितंबर में 22,500 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। टाटा, हुंडई और महिंद्रा की कारों ने बिक्री के नए कीर्तिमान बनाए। नेक्सन की सफलता का राज इसका पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक जैसे मल्टी-पावरट्रेन विकल्प हैं। इसकी 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग और आधुनिक फीचर्स ने इसे ग्राहकों की पहली पसंद बना दिया। दूसरे स्थान पर रही महिंद्रा स्कॉर्पियो, जिसकी 18,372 यूनिट्स बिकीं। कंपनी की कुल बिक्री 1,00,298 यूनिट्स रही। स्कॉर्पियो का रफ-एंड-टफ डिजाइन, दमदार इंजन और भरोसेमंद परफॉर्मेंस इसे शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में लोकप्रिय बनाते हैं। तीसरे नंबर पर हुंडई क्रेटा रही, जिसने 18,861 यूनिट्स की बिक्री की। हुंडई की कुल सितंबर बिक्री 70,347 यूनिट्स तक पहुंची।

किसानों के चेहरों पर मोहन ने भावांतर योजना से लौटाई मुस्कान

हर्षवर्धन पान्डे

हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सोयाबीन उत्पादकों के लिए इस योजना को पुनः लागू करने की घोषणा की है जो मध्यप्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए एक बड़ी राहत का संकेत है। 2025 में सोयाबीन की कीमतों में गिरावट के बीच मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने भावंतर योजना की घोषणा करके किसानों के हित में एक बड़ा मास्टर स्ट्रोक खेला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस बड़ी घोषणा से राज्य के 50 लाख हेक्टेयर सोयाबीन क्षेत्र और 25 लाख से अधिक छोटे-मझोले किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

सोयाबीन मध्यप्रदेश के किसानों की आजीविका का प्रमुख आधार है। यहां बाजार मूल्यों की अस्थिरता किसानों के लिए हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है। ऐसे में मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन सरकार ने किसानों को भावांतर योजना के माध्यम से बड़ी राहत प्रदान की है जो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और बाजार मूल्य के अंतर की भरपाई करेगी। यह योजना किसानों को बाजार जोखिम से बचाने का एक प्रभावी उपकरण साबित होगी।

हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सोयाबीन उत्पादकों के लिए इस योजना को पुनः लागू करने की घोषणा की है जो मध्यप्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए एक बड़ी राहत का संकेत है। 2025 में सोयाबीन की कीमतों में गिरावट के बीच मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने भावंतर योजना की घोषणा करके किसानों के हित में एक बड़ा मास्टर स्ट्रोक खेला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस बड़ी घोषणा से राज्य के 50 लाख हेक्टेयर सोयाबीन क्षेत्र और 25 लाख से अधिक छोटे-मझोले किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के अंतर्गत अधिसूचित तिलहनी फसल के लिए भावांतर योजना वर्ष 2018-19 से लागू की गई है। भारत सरकार ने घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तथा राज्य के मंडी के मॉडल भाव/विक्रय मूल्य अंतर की राशि कृषकों को दिलवाने का प्रावधान किया है। किसान पहले की तरह अपनी उपज मंडियों में बेचेंगे। एमएसपी और मंडी का मॉडल भाव/विक्रय मूल्य के बीच के अंतर की राशि का किसान को डीबीटी से भुगतान किया जायेगा। इसके लिए किसान द्वारा ई-पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य होगा। उदाहरण के लिए किसान का उत्पादन मॉडल भाव 4600 रूपए पर हुआ है तो समर्थन मूल्य 5328 में से शेष अर्थात भावांतर राशि 628 रूपए प्रति क्विंटल राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

किसान को समर्थन मूल्य बराबर ही राशि प्राप्त होगी। यदि किसान की उपज का विक्रय मूल्य एमएसपी से कम है परंतु राज्य के औसत मॉडल प्राइज के समतुल्य है ऐसी स्थिति में भी किसान को एमएसपी और बिक्री मूल्य के भावांतर की राशि प्रदान की जाएगी। तीसरी स्थिति में कृषि उपज का विक्रय मूल्य राज्य के औसत मॉडल प्राइस से कम होने की दिशा में किसान को एमएसपी और घोषित औसत मॉडल प्राइस के भावांतर की राशि प्रदान की जाएगी। प्रत्येक स्थिति में किसान का लाभ सुनिश्चित किया जाएगा।

मध्यप्रदेश में सोयाबीन किसानों के लिए भावांतर योजना के लिए पंजीकरण शुरू हो चुका है। मोहन सरकार के इस निर्णय से सोयाबीन उत्पादक के किसानों के चेहरे खिले नजर आ रहे हैं। योजना के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य और बाजार भाव के बीच के अंतर की राशि सरकार देगी। पंजीयन के बाद भावांतर योजना में सोयाबीन का विक्रय किया जा सकेगा। राशि फसल विक्रय के 15 दिवस के अंतर किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी। भावांतर योजना के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मध्यप्रदेश में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन का कार्य 3 अक्टूबर से शुरू होकर 17 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। पंजीयन के बाद भावांतर योजना में सोयाबीन का विक्रय 24 अक्टूबर से 15 जनवरी 2026 तक किया जा सकेगा। पंजीकृत कृषक और उनके रकबे के सत्यापन की प्रक्रिया राजस्व विभाग के माध्यम से पूर्ण होगी। किसानों के भावांतर की राशि फसल विक्रय के 15 दिवस के भीतर उनके बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसान मंडियों में पहले की तरह ही सोयाबीन का विक्रय करेंगे। यदि फसल एमएसपी से कम भाव पर बिकती है तो सरकार अंतर की राशि सीधे किसानों के खातों में जमा करेगी। इसके लिए किसानों को योजना में पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। यदि मंडी में सोयाबीन का भाव एमएसपी से कम लेकिन राज्य सरकार के घोषित औसत मॉडल भाव से अधिक है तो एमएसपी और वास्तविक बिक्री मूल्य का अंतर सरकार देगी। यदि मंडी भाव औसत मॉडल भाव से भी कम है तो एमएसपी और मॉडल भाव का अंतर किसानों को मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कलेक्टरों को निर्देश देते हुए कहा है कि योजना को पारदर्शी ढंग से लागू किया जाए और किसानों तक पूरी जानकारी पहुंचाई जाए।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव सरकार ने किसानों की समग्र कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं। हाल ही में दशहरा के अवसर पर 8.84 लाख किसानों के खातों में 653.34 करोड़ रुपये की राहत राशि ट्रांसफर की गई जो अतिवृष्टि, बाढ़, कीट व्याधि और सोयाबीन में पीला मोजेक रोग से प्रभावित फसलों के लिए थी। इस बार प्रदेश के 13 जिलों के 4.94 लाख किसानों को पहली बार इस रोग के लिए विशेष सहायता मिली।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की हितैषी सरकार है। किसानों के हित के लिए सरकार के पास राशि की कोई कमी नहीं है। किसान-कल्याण मोहन सरकार की पहली प्राथमिकता है। किसानों के लिए राज्य सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। जिस तरह धान और गेहूं पर किसानों को उनके परिश्रम की कीमत दिलवाने का कार्य किया गया उसी तरह प्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसानों को भी लाभ सरकार द्वारा दिलाया जा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार किसानों को उनके उत्पादन का मूल्य दिलवाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध नजर आती है।

मध्यप्रदेश की भावांतर योजना किसानों को बाजार की अनिश्चितताओं से बचाने का मोहन सरकार का एक बहुत ही साहसिक प्रयास है। इस योजना के माध्यम से सोयाबीन पर केंद्रित लाखों किसानों को एक तरफ जहाँ बड़ी आर्थिक सुरक्षा मिलेगी वहीं इससे राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। सोयाबीन उत्पादक किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम मिले इसके लिए भावांतर योजना के प्रति किसानों में उत्साह देखा जा रहा है। किसानों को अब किसी प्रकार का कोई नुकसान सरकार द्वारा नहीं होने दिया जायेगा। केंद्र सरकार द्वारा सोयाबीन का न्यूनतम समर्थन मूल्य रु 5328 प्रति क्विंटल तय किया गया है लेकिन बाजार में कई बार किसानों को इससे कम कीमत पर अपनी फसल बेचनी पड़ रही थी। ऐसे में मोहन सरकार की यह भावांतर योजना सोयाबीन किसानों को निश्चित तौर पर बड़ी राहत देने का काम करेगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

ट्रॉफी सिर्फ ढांचा नहीं टूर्नामेंट की आत्मा

गत दिनों एशिया कप का फाइनल भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ मुकाबला क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांचक अवसर था। उपमहाद्वीप में जब-जब ये दोनों टीमें आमने-सामने होती हैं, तो इसे महज एक खेल नहीं, बल्कि करोड़ों दर्शकों के जज्बातों का संगम माना जाता है। ऐसे में उम्मीद थी कि यह फाइनल न केवल खेल कौशल का प्रदर्शन करेगा बल्कि खेलभावना की मिसाल भी पेश करेगा। मगर अफसोस कि मुकाबले के अंत में सबसे ज्यादा चर्चा खेल के नतीजे की नहीं, बल्कि ट्रॉफी वितरण के दौरान उपजे विवाद की रही। यह विवाद न केवल आयोजन समिति की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है, बल्कि खिलाड़ियों और क्रिकेट संस्थाओं की परिपक्वता पर भी। ट्रॉफी किसी भी टूर्नामेंट की आत्मा कही जा सकती है। यह केवल धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उस मेहनत, संघर्ष और टीम भावना का प्रतीक है जिसके लिए खिलाड़ी महीनों तक पसीना बहाते हैं। जब उसी ट्रॉफी को लेकर मंच पर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाए तो यह दृश्य दर्शकों के मन में निराशा और खेल की गरिमा पर प्रश्नचिह्न छोड़ जाता है। एशिया कप जैसे भव्य टूर्नामेंट में यह और भी अस्वीकार्य है। जिस क्षण को उत्सव होना चाहिए था, वह असहमति और अव्यवस्था की भेंट चढ़ गया। भारत-पाकिस्तान संबंधों का बोझ क्रिकेट हमेशा ढोता आया है। लेकिन खेल को हमेशा इन तनावों से ऊपर बताया गया है। यह मंच आपसी कटुता को पीछे छोड़कर सद्भाव और सम्मान का संदेश देने का अवसर देता है। किंतु जब ट्रॉफी वितरण जैसे अवसर पर भी शिष्टाचार और खेलभावना की कमी दिखे तो यह साफ संकेत है कि आयोजकों और खिलाड़ियों दोनों को आत्ममंथन की आवश्यकता है। यह केवल दो टीमों के बीच विवाद नहीं, बल्कि पूरे एशियाई क्रिकेट की छवि पर चोट है। इस घटना ने आयोजन समिति की तैयारी और निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। किसी भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की सफलता केवल मैदान पर खेले गए मैचों से नहीं, बल्कि उसके समापन के सुचा आयोजन से भी आंकी जाती है। यदि उस निर्णायक क्षण में भ्रम और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाए तो यह पूरे टूर्नामेंट की छवि धूमिल कर देता है। खिलाड़ियों के लिए भी यह क्षण आत्मचिंतन का है। वे केवल अपने खेल से ही नहीं, बल्कि अपने आचरण से भी नई पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। यदि मंच पर असहमति और विवाद दिखे तो इससे दर्शकों में गलत संदेश जाता है। क्रिकेट को जेंटलमैन गेम कहा जाता है, और उसकी गरिमा बनाए रखना हर खिलाड़ी की जिम्मेदारी है। ट्रॉफी जीतना निस्संदेह गौरव की बात है, किंतु खेल की मयार्दा बनाए रखना उससे कहीं बड़ा दायित्व है। यदि आयोजन समिति और खिलाड़ी इस घटना से सबक नहीं लेते तो भविष्य में ऐसे विवाद बार-बार क्रिकेट की छवि को आहत करेंगे। खेल को राजनीति और अहंकार से ऊपर रखना ही उसकी असली आत्मा है। स्पष्ट है कि एशिया कप फाइनल में ट्रॉफी का विवाद एक शर्मनाक दृश्य था। इसने खेल के उस उज्ज्वल क्षण को कलंकित कर दिया जिसे आने वाले वर्षों तक यादगार होना चाहिए था। अब यह क्रिकेट संस्थाओं और खिलाड़ियों पर है कि वे इस कलंक को धोकर खेल की गरिमा बहाल करें।

चिंतन-मनन

जीवन : परमात्मा का अनमोल उपहार

जीवन परमात्मा का अनमोल उपहार है। यह स्वयं ही इतना दिव्य, पवित्र और परिपूर्ण है कि संसार का कोई भी अभाव इसकी पूर्णता को खंडित करने में असमर्थ है। आवश्यकता यह है कि हम अपने मन की गहराई से अध्ययन कर उसे उत्कृष्टता की दिशा में उन्मुख करें। ईर्ष्या, द्वेष, लोभ एवं अहम के दोषों से मन को विकृत करने के बजाए अपनी जीवनशैली को बदल कर सेवा, सहकार, सौहार्द जैसे गुणों के सहारे मानसिक रोगों से बचा जा सकता है और मानसिक क्षमताओं को विकसित किया जा सकता है। इसीलिए कहा जाता है कि मनुष्य जीवन चार तरह की विशेषताएं लिए रहता है।

इस संबंध में एक श्लोक प्रस्तुत है -

बुद्धैय फलं तत्व विचारणंच/देहस्य सारं व्रतधारणं च/वित्तस्य सारं स्किलपात्र दानं/वाचः फलं प्रतिकरनाराणाम।

अर्थात- बुद्धि का फल तभी सार्थक होगा, जब उसको पूर्ण विचार कर-के उस पर अमल करें। शरीर का सार सभी व्रतों को धारण करने से है। धन तभी सार्थक होगा, जब वह सुपात्र को दान के रूप में मिले और बात या वचन उसी से करें, जब व्यक्ति उस पर अमल करें। इसी का बेहतर तालमेल जीवन में बिठाना होता है। जो बिठा लेता है, वह भवसागर से पार हो जाता है और जो नहीं बिठा पाता वह दुख में पड़ा गोता खाता रहता है। आप जब तक इस गहराई को नहीं समझेंगे, अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सकते हैं। जानना यह भी जरूरी है कि हम अपनी हर धड़कन की रफ्तार को समझें।

योगी का ऐंटी रोमियो दस्ता महिला शक्ति का मजबूत पहरेदार

कांतिलाल मांडोत

योगी आदित्यनाथ उतरप्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के तीन दिनों के भीतर ऐंटी रोमियो दस्ते के नाम से बनी पुलिस की छापामार टीमें सार्वजनिक स्थलों से लपंटो को खदेड़ने में जुटी थी।जोकि आज दिन ऐंटी रोमियो स्क्वायड नारी शक्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही है।प्रदेश में महिलाओ और बेटियों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ा जा रहा है।महिलाओ और बेटियों को स्वावलम्बी और आत्मनिर्भर बनाने के साथ सुरक्षा का माहौल उपलबन्ध कराने के लिए योगी की मिशन शक्ति 5.0 अभियान चलाने की शुरूआत की गई है।मुख्यमंत्री ने नवरात्र के पहले दिन मिशन शक्ति 5.0की शुरूआत की गई थी।योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यूपी पुलिस ने पूरे यूपी में अभूतपूर्व अभियान चलाया,जिसके परिणाम स्वरूप महिलाओ की सुरक्षा व्यवस्था और जनसहभागिता दोनो में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली है।।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा रही है कि बचपन से लेकर जवानी तक हर लड़की की रखवाली राज्य के अधीन रहती है।कोई भी सरकार लक्ष्य से हट नही सकती।उतरप्रदेश में 2017 में भाजपा की सरकार बनने के बाद सभी 1,500 थानों में गठित नए दस्ते की सनसनी फैला दी थी।शुरूआत के दौर में योगी की शक्ति से अनभिज्ञ रोड रोमियो पुलिस की कार्यवाही को गौण समझते थे।लेकिन धीरे धीरे ऐंटी रोमियो पर शिकंजा कसने लगा और सूबे में गुंडागर्दी कम होने लगी।प्रदेश में उस दौर में सनसनी फैला दी,जैसे ऐसा लगता था कि कबूतरों के बीच बिल्ली को छोड़ दिया गया हो।ऐंटी रोमियो हवा की तरह आते है।अभी भी रोड रोमियो स्क्वायड से थर थर कांपते है।शुरू में करीब दो हजार नौजवानों को धर दबोचा।योगी ने उन रोमियो को पकड़ा,जिनके बाल लंबे,कुछ स्कूल और कॉलेज के पास पाए गए और कुछ यूं ही भटक रहे थे।इनको घेर कर सरकार ने अच्छे संकल्प दिलवाया गया।कुछ मामलों में तो उठक बैठक करवाई गई।

भारत दोराहे पर खड़ा है।एक तरफ यथास्थितिवादी ग्रामीण समाज और दूसरी तरफ शहरी समाज आधुनिकता, निजी प्रगति और नए तरह के सामाजिक रिश्तों की ओर कदम बढ़ा रहा है।बढ़ती फैशन और शरीर पर कम होती पोशाकें जीवन की वास्तविकता को कोसो पीछे छोड़कर नए जमाने की दहलीज पर कदम रखने वाले युवक युवतियों को समझ नही आ रहा है कि वे कैसे पेश आए।

देश मे औरतों के लिए सबसे असुरक्षित राज्यो में एक उतरप्रदेश के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द था।वर्तमान में सूबे के काफी हालात सुधरे है।महिलाएं,बालिका कही पर आवागमन कर सकती है।यहां तक रात में भी किसी अकेली महिलायें और बेटियां सुरक्षित है।उतरप्रदेश में महिलाओ के खिलाफ होने वाले अपराधों में काफी कमी आई है।2017 का दौर भयंकर रहा है।2017 पहले महिलाओ और बच्चियों के साथ आए दिन अपहरण, दुष्कर्म और हत्या जैसी घटना सामान्य बात थी।लेकिन वह भूतकाल की बात है।अपराध इतना बढ़ गया था कि महिलाएं घरों में भी सुरक्षित नही थी।औरतों को चार दिवारी के भीतर अपराध का शिकार होना पड़ता था ।यह बीते कल की बात है।लेकिन आज महिलाओं के साथ नही होता है।उतरप्रदेश के शक्त शासन के माध्यम से यूपी की कायापलट कर दी है।दहेज, हत्या,सामुहिक बलात्कार,अगवा और फिरौती,यौन उत्पीड़न जैसी घटनाएं पूर्व सरकार में घटित होती थी।योगी ने सर्वप्रथम ऐंटी रोमियो को ठीक करने के लिए सिर्फ छेड़छाड़ पर ही फोकस किया गया था,क्योंकि चारदीवारी के भीतर घरेलू हिंसा होती है। लेकिन सार्वजनिक स्थलों पर बेहूदगी तो चलन बन गया था।सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए यूपी पुलिस हर तरह की प्रवृत्ति कर रही है ।सड़को पर रोमांस करने वालो पर चालान किये जा रहे है,जिससे उपरोक्त घटनाएं कम हो रही है।पुलिस रचनात्मक संदेश और अभियानों का उपयोग कर रही है।एनसीआरबी के अनुसार यूपी में साम्प्रदायिक हिंसा बिलकुल खत्म हो चुकी है।यूपी में अपराध एक चौथाई कम है।राज्य के हालात तेजी से सुधरे है।जिसमे राज्य सरकार की सख्ती का परिणाम है।2023 में साम्प्रदायिक की घटना शून्य रही थी।यूपी में रास्ट्रीय औसत से 25 फीसद कम रही है।सड़को पर शांति का आलम है।2017 के बाद यूपी शांति और सद्भाव का गढ़ बन चुका है।लव जिहाद के लड़ने और सरकार की सख्ती से काफी कम हुआ है।जबकि यूपी के हर कॉलेज में एंटी रोमियो दस्ता उपलब्ध कराया गया था।जिससे लड़कियों को सुरक्षा प्रदान करने में सहूलियत रही है।

वहीं फिरौती के लिए अपहरण के मामले देश में 615 घटनाएं हुई जिसकी तुलना में यूपी में मात्र 16 घटनाओं के साथ देश में 36वें स्थान पर है। डकैती (क्ढउ 395) के मामलों में भारत में 3,792 (क्राइम रेट 0.3) के मुकाबले यूपी में 73 मामले दर्ज हुए, जो इसे नियर जीरो क्राइम रेट की श्रेणी में लाता है। बड़ी जनसंख्या के बावजूद यह कमी योगी सरकार की सख्त नीतियों और त्वरित कार्रवाई का परिणाम है।

नवरात्र में शुरू किए गए मिशन शक्ति अभियान में योगी के निर्देश पर पूरे प्रदेश में एंटी रोमियो स्क्वायड ने सार्वजनिक स्थलों ,मंदिरों, मॉल और भीड़भाड़ वाले स्थलों पर सतर्कता बढाई।इस दौरान 1लाख ,आठ हजार से उपर मंदिरों की गहन जांच करवाई गई।जिसमें संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी रखी गई।

असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्यवाई की गई।संदिग्ध व्यक्तियों की गिरफ्तारी की गई।जिसमें 3,972 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।धार्मिक कार्यक्रम शांन्तिपूर्ण ढंग से पूर्ण हुआ।सड़क पर छेड़छाड़ में देश मे यूपी ही अग्रणी राज्य है यह कहना कोई अतिश्योक्ति नही होगी।लेकिन देश मे हर राज्य में छेड़छाड़ की घटना बनती ही है।पुलिस ऐसे मामले शॉटआउट भी करती है।सड़क पर लडकिया देखकर सिटी बजाना,पुकारना,छेड़ना,यौन उत्पीड़न और गाली गलौज देश मे हर राज्य की समस्या है।लेकिन यूपी में सबसे ज्यादा था।क्योंकि योगी के पूर्ववर्ती सरकार इस पर कड़क कार्यवाई नही करती थी।यही बड़ा कारण था।देश मे हर राज्य सड़क पर होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं को रोकने के अनूठे तरीके ईजाद करने में लगी है जो इतने दमनकारी भी नही है।

विश्व डाक दिवसः समय के साथ बदल रहा है डाक विभाग

रमेश सर्राफ धमोरा

पूरी दुनिया में 9 अक्तूबर को विश्व डाक दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1874 में इसी दिन यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का गठन करने के लिए स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न में 22 देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था। 1969 में जापान के टाकियो शहर में आयोजित सम्मेलन में विश्व डाक दिवस के रूप में इसी दिन को चयन किये जाने की घोषणा की गयी थी। एक जुलाई 1876 को भारत यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का सदस्य बनने वाला भारत पहला एशियाई देश था। जनसंख्या और अंतरराष्ट्रीय मेल ट्रैफिक के आधार पर भारत शुरू से ही प्रथम श्रेणी का सदस्य रहा है।

भारत में डाकघर का इतिहास ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के समय से शुरू होता है जब रॉबर्ट क्लाइव ने 1766 में पहली डाक व्यवस्था स्थापित की। वॉरेन हेस्टिंग्स ने 1774 में कोलकाता में पहला डाकघर खोला और 1854 में लॉर्ड डलहौजी ने भारत में एक राष्ट्रीय डाक सेवा की शुरूआत की। आज भारतीय डाक दुनिया के सबसे बड़े डाक नेटवर्क में से एक है जो बैंकिंग, बीमा और अन्य सेवाओं के साथ आम आदमी का भरोसेमंद साथी है। 1 अक्टूबर 1854 में भारतीय डाक विभाग की स्थापना के साथ ही भारत में पहली बार डाक टिकट भी जारी किया गया था।

विश्व डाक दिवस का मकसद देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में डाक क्षेत्र के योगदान के बारे में जागरुकता पैदा करना है। दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष 150 से ज्यादा देशों में विविध तरीकों से विश्व डाक दिवस आयोजित किया जाता है। भारतीय डाक प्रणाली का जो उन्नत और परिष्कृत स्वरूप आज हमारे सामने है। वह लंबे सफर की देन है। अंग्रेजों ने डेढ़ सौ साल पहले अलग-अलग हिस्सों में अपने तरीके से चल रही डाक व्यवस्था को एक सूत्र में पिरोने की पहल की थी। उन्होने भारतीय डाक को एक नया रूप और रंग दिया। पर अंग्रेजों की डाक प्रणाली उनके सामरिक और व्यापारिक हितों पर ही केंद्रित थी।

हमारे देश में पहले डाक विभाग का इतना अधिक महत्व था कि फिल्मों तक में डाकिये पर कई मशहूर गाने फिल्माये गये हैं। मगर अब नजारा पूरी तरह से बदल चुका है। इंटरनेट के बढ़ते प्रभाव ने डाक विभाग के महत्व को बहुत कम कर दिया है। आज लोगों ने हाथों से चिट्ठियां लिखना छोड़ दिया है। अब ई-मेल, वाट्सएप व सोशल मीडिया, इंटरनेट के माध्यमों से मिनटो में लोगो में संदेशों का आदान प्रदान हो जाता है।

आज डाक में लोगों की चिट्ठियां तो गिनती की ही आती है। मनीआर्डर भी बन्द से ही हो गये हैं। मगर डाक से अन्य सरकारी विभागों से सम्बन्धित कागजात, बैंको व अन्य संस्थानो के प्रपत्र काफी संख्या में आने से डाक विभाग का महत्व फिर से एक बार बढ़ गया है। डाक विभाग कई दशकों तक देश के अंदर ही नहीं बल्कि एक देश से दूसरे देश तक सूचना पहुंचाने का सर्वाधिक विश्वसनीय, सुगम और सस्ता साधन रहा है। लेकिन इस क्षेत्र में निजी कम्पनियों के बढ़ते दबदबे और फिर सूचना तकनीक के नये माध्यमों के प्रसार के कारण डाक विभाग की भूमिका लगातार कम होती गयी है। वैसे इसकी प्रासंगिकता पूरी दुनिया में आज भी बरकरार है।

भारत में डाक विभाग के महत्व को मशहूर शायर निदा फाजली के शेर सीधा-साधा डाकिया जादू करे महान, एक ही थैले में भरे आंसू और मुस्कान से समझा जा सकता है। शायर निदा फाजली ने जब यह शेर लिखा था उस वक्त देश में संदेश पहुंचाने का डाक विभाग ही एकमात्र साधन था। डाकिये के थैले में से निकलने वाली चिट्ठी पढ़कर कोई खुश होता था तो कोई दुखी। कुछ वर्ष पूर्व तक डाक विभाग हमारे जनजीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता था। गांव में जब डाकिया आता था तो बच्चे-बूढ़े सभी उसके साथ डाक घर की तरफ इस उत्सुकता से चल पड़ते थे कि उनके भी किसी परिजन की चिट्ठी आयेगी। डाकिया जब नाम लेकर एक-एक चिट्ठी बांटना शुरू करता तो सभी लोग अपनी या अपने पड़ौसी की चिट्ठी ले लेते व उसके घर जाकर उस चिट्ठी को बड़े चाव से देते थे। उस वक्त शिक्षा का प्रसार ना होने से अक्सर महिलायें अनपढ़ होती थी। इसलिये चिट्ठी लाने वालो से ही चिट्ठियां पढ़वाती भी थी और लिखवाती भी थी। कई बार चिट्ठी पढने-लिखने वाले बच्चों को ईनाम स्वरूप कुछ पैसा या खाने को गुड़, पताशे भी मिल जाया करते थे। इसी लालच में बच्चे ज्यादा से ज्यादा घरों में चिट्ठियां पहुंचाने का प्रयास करते थे।

उस वक्त गांवो में बैक शाखा भी नहीं होती थी। इस कारण बाहर कमाने गये लोग अपने घर पैसा भी डाक में मनीआर्डर के द्वारा ही भेजते थे। मनीआर्डर देने डाकिया स्वयं प्राप्तकर्ता के घर जाता था व भुगतान के वक्त एक गवाह के भी हस्ताक्षर करवाता था। डाक विभाग अति आवश्यक संदेश को तार के माध्यम से भेजता था। तार की दर अधिक होने से उसमें संक्षिप्त व जरूरी बाते ही लिखी जाती थी। तार भी साधारण जरूरी होते थे। जरूरी तार की दर सामान्य से दुगुनी होती थी। देश में पहली बार 11 फरवरी 1855 को शुरू हुई तार सेवा को सरकार ने 15 जुलाई 2013 से बन्द कर दिया है। इसके साथ ही डाक विभाग ने रजिस्टर्ड डाक सेवा को भी एक अक्तूबर 2025 से स्पीड पोस्ट में विलय कर दिया है।

भारतीय डाक विभाग पिनकोड नम्बर (पोस्टल इंडेक्स नम्बर) के आधार पर देश में डाक वितरण का कार्य करता है। पिनकोड नम्बर का प्रारम्भ 15 अगस्त 1972 को किया गया था। इसके अन्तर्गत डाक विभाग द्वारा देश को नो भौगोलिक क्षेत्रो में बांटा गया है। संख्या 1 से 8 तक भौगोलिक क्षेत्र हैं व संख्या 9 सेना की डाक सेवा को आवंटित किया गया है। पिन कोड की पहली संख्या क्षेत्र दूसरी संख्या उपक्षेत्र, तीसरी संख्या जिले को दशार्ती है। अन्तिम तीन संख्या उस जिले के विशिष्ट डाकघर को दशार्ती है।

डाक विभाग के अंतर्गत केंद्र सरकार ने इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) शुरू किया है। देश के हर व्यक्ति के पास बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने के क्रम में यह एक बड़ा विकल्प होगा। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने देश भर में बैंकिंग सेवाएं शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में इस के माध्यम से देश का सबसे बड़ा बैंकिंग नेटवर्क अस्तित्व में आएगा। जिसकी हर गांव तक मौजूदगी होगी। इन सेवाओं के लिए पोस्ट विभाग के 11000 कर्मचारी घर-घर जाकर लोगों को बैंकिंग सेवाएं देंगे।

बदलते हुए तकनीकी दौर में दुनिया भर की डाक व्यवस्थाओं ने मौजूदा सेवाओं में सुधार करते हुए खुद को नयी तकनीकी सेवाओं के साथ जोड़ा है। डाक, पार्सल, पत्रों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एक्सप्रेस सेवाएं शुरू की हैं। डाक घरों द्वारा मुहैया करायी जानेवाली वित्तीय सेवाओं को भी आधुनिक तकनीक से जोड़ा गया है। दुनियाभर में इस समय 55 से भी ज्यादा विभिन्न प्रकार की पोस्टल ई-सेवाएं उपलब्ध हैं। भविष्य में पोस्टल ई-सेवाओं की संख्या और अधिक बढ़ायी जायेगी। डाक विभाग से 82 फीसदी वैश्विक आबादी को होम डिलीवरी का फायदा मिलता है।

भारत की आजादी के बाद हमारी डाक प्रणाली को आम आदमी की जरूरतों को केंद्र में रख कर विकसित करने का नया दौर शुरू हुआ था। नियोजित विकास प्रक्रिया ने ही भारतीय डाक को दुनिया की सबसे बड़ी और बेहतरीन डाक प्रणाली बनाया है। राष्ट्र निर्माण में भी डाक विभाग ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। जिससे इसकी उपयोगिता लगातार बनी हुई है। आज भी आम आदमी डाकघरों और डाकिये पर भरोसा करता है। तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद देश में आम जनता का इतना जन विश्वास कोई और संस्था नहीं अर्जित कर सकी है। यह स्थिति कुछ सालों में नहीं बनी है। इसके पीछे डाक विभाग के कार्मिको का बरसों का श्रम और लगातार प्रदान की जा रही सेवा छिपी है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने अमेरिका में आने वाले ट्रकों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को मीडियम और हैवी ट्रकों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की घोषणा की है।ये 1 नवंबर से लागू होगा। पहले यह शुल्क 1 अक्टूबर से लागू होने वाला था, लेकिन अब इसे एक महीने टाल दिया गया है। ट्रम्प ने अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर लिखा, 1 नवंबर 2025 से, दूसरे देशों से अमेरिका आने वाले सभी मध्यम और भारी वाहन ट्रकों पर 25% शुल्क लगेगा। अमेरिका में ज्यादातर ट्रक पड़ोसी देश कनाडा और मेक्सिको से आते हैं, जहां पहले से ही व्यापार समझौता है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग के अनुसार, पिछले साल अमेरिका ने 2 लाख 45 हजार 764 मध्यम और भारी वाहन ट्रक खरीदे, जिनमें से अधिकांश कनाडा और मेक्सिको से आए। इनकी कुल कीमत 201 अरब डॉलर रही, जिसमें कनाडा से 45 अरब और मेक्सिको से 156 अरब डॉलर का योगदान था। अमेरिकी ऑटोमोबाइल बाजार में ये ट्रक कुल वाहनों के सिर्फ 5% हिस्से के हैं। लेकिन एसएंडपी ग्लोबल की रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तरी अमेरिका में इनकी मांग का लगभग 80% अमेरिका ही पूरा करता है। इन ट्रकों को वजन के आधार पर बांटा जाता है। मध्यम ट्रक का वजन 14,000 से 33,000 पाउंड के बीच होता है, जबकि 33,000 पाउंड से ज्यादा वजन वाले को भारी ट्रक कहा जाता है। अमेरिका में ये मुख्य रूप से लॉजिस्टिक्स (माल ढुलाई), निर्माण कार्य और कचरा प्रबंधन के लिए इस्तेमाल होते हैं।

सीडीएस ने सभी के लिए कोविड-19 टीके की सिफारिश बंद की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग की शीर्ष इकाई- सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (सीडीसी) ने अब कोविड-19 वैक्सीन को लेकर अपनी सिफारिशें बदल दी हैं। सीडीसी ने कहा कि अब किसी भी आयु वर्ग के शख्स के लिए टीका अनिवार्य नहीं है। सीडीसी अब सभी लोगों को टीके लगवाने की सिफारिश नहीं कर रही है। यह फैसला स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की तरफ से नियुक्त नए सलाहकार समूह की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है। इससे पहले 6 महीने और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए वार्षिक बूस्टर डोज़ की सिफारिश की जाती थी, लेकिन अब यह निर्णय मरीजों के विवेक पर छोड़ दिया गया है। कैनेडी ने मई में स्वस्थ बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए वैक्सीन की सिफारिश हटाने की घोषणा की थी। उन्होंने सीडीसी की पारंपरिक सलाहकार समिति को हटाकर नया समूह बनाया। नए समूह में पिछले महीने हुए मतदान के बाद यह निर्णय लिया गया कि सभी अमेरिकी टीके को लेकर स्वयं निर्णय लें। सीडीसी ने यह भी कहा है कि बुजुर्गों को डॉक्टर या फार्मासिस्ट से सलाह जरूर लेनी चाहिए। इसके अलावा, सीडीसी ने चिकनपॉक्स (वरिसेला) की पहली खुराक को अलग से देने की सिफारिश की है। सीडीसी का कहना है कि संयुक्त टीके से बुखार और दौरे का खतरा अधिक होता है।

यूनेस्को ने मिस्र के व्यक्ति को नया निदेशक बनाया, अमेरिका के हटने के बाद बदलाव

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र संघ की इकाई- यूनेस्को को पहली बार अरब देशों से जुड़ा महानिदेशक मिल सकता है। मिस्र के पूर्व पर्यटन और पुरावशेष मंत्री खालिद एल-अनानी को एजेंसी के कार्यकारी बोर्ड ने निदेशक पद के लिए नामित किया है। अगले महीने उज्बेकिस्तान में यूनेस्को की महासभा होने वाली है। यदि इसमें खालिद एल-अनानी के निदेशक बनने की पुष्टि हो जाती है, तो वे एजेंसी की कमान संभालेंगे। हाल ही में अमेरिका के यूनेस्को से बाहर होने के फैसले के बाद यह बदलाव हो रहा है। ये संस्था बजट संकट का सामना भी कर रही है। नॉमिनेशन के समय एल-अनानी ने कांगो के अर्थशास्त्री फिर्मिन एडुआर्ड मातोको को पीछे छोड़ा। मातोको शरणार्थी शिविरों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं। बता दें कि यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की सुरक्षा के अलावा, लड़कियों की शिक्षा, होलोकॉस्ट (यहूदियों के नरसंहार) को लेकर जागरूकता और विकासशील देशों में वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने जैसे अहम कार्यों के लिए जाना जाता है।

हिजबुल्लाह कब छोड़ेगा हथियार? निरस्त्रीकरण के सवाल पर लेबनानी सेना प्रमुख ने सरकार को दी जानकारी

बेरूत, एजेंसी। लेबनान के सेना प्रमुख जनरल रूडोल्फ हैकाल ने पहली बार सरकार को ये जानकारी दी है कि हिजबुल्लाह हथियार कब छोड़ेगा। निरस्त्रीकरण की योजना एक महीने पहले कैबिनेट में चर्चा के बाद सामने आई थी। इसमें सभी हथियारों को सरकार के नियंत्रण में लाने की बात कही गई थी। हालांकि, इस योजना का विवरण गोपनीय रखा गया है। खबरों के मुताबिक हिजबुल्लाह ने इस योजना को खारिज कर दिया है।

टेक्सास में गैस स्टेशन पर भारतीय छात्र की हत्या करने वाला गिरफ्तार

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में 23 वर्षीय एक युवक को भारतीय छात्र चंद्रशेखर पोल की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना शुक्रवार रात फोर्ट वर्थ शहर के एक गैस स्टेशन पर हुई, आरोपी की पहचान रिचर्ड फ्लोरेज नॉर्थ रिचलैंड हिल्स के निवासी रूप में हुई है।

आरोपी ने दूसरी जगह पर भी चलाई गोलियां : इसके कुछ ही समय बाद, आरोपी ने करीब एक मील दूर एक अन्य वाहन पर भी गोलियां चलाईं, लेकिन वहां कोई घायल नहीं हुआ। बाद में उसने पास के एक घर में घुसने की कोशिश करते हुए अपनी कार गेट से टकरा दी। पुलिस ने उसे वहीं गिरफ्तार कर लिया। फोर्ट वर्थ पुलिस प्रवक्ता ऑफिसर ब्रैड पेरेज ने बताया कि पुलिस ने आरोपी की गाड़ी से एक बंदूक बरामद की है। आरोपी वर्तमान में अस्पताल में भर्ती है, लेकिन उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है।

स्थानीय प्रशासन ने बताया कि फोर्ट वर्थ और टैरेंट काउंटी की ओर से इस मामले में औपचारिक बयान और आगे की जांच रिपोर्ट सरकारी शटडाउन के कारण कुछ देर से जारी की जाएगी। फिलहाल जांच जारी है और हत्या के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं हुआ है।

वारदात से परिवार और समुदाय में शोक : भारतीय छात्र की हत्या के मामले में ह्यूस्टन स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा है कि वे चंद्रशेखर के परिवार से संपर्क में हैं और उनके पार्थिव शरीर को भारत भेजने की प्रक्रिया में सहायता कर रहे हैं। वहीं स्थानीय भारतीय-अमेरिकी समुदाय और विदेशी छात्र इस घटना से बेहद दुखी और भयभीत हैं। उनका कहना है कि हाल के महीनों में भारतीय छात्रों पर बढ़ते हमलों और रहस्यमय मौतों ने सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। चंद्रशेखर पोल के परिवार और मित्रों की मदद के लिए एक गोफंडमी अभियान शुरू किया गया है, जिससे उनके पार्थिव शरीर को भारत लाने और परिवार को आर्थिक सहयोग देने का प्रयास किया जा रहा है। चंद्रशेखर पोल तेलंगाना के हैदराबाद के रहने वाले थे। उन्होंने बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) की पढ़ाई भारत में पूरी की थी और दो साल पहले अमेरिका गए थे ताकि वे डेटा एनालिटिक्स में मास्टर डिग्री कर सकें। वे नॉर्थ टेक्सास यूनिवर्सिटी, डेंटन से छह महीने पहले ही एमएस पूरा कर चुके थे और नौकरी की तलाश में थे। उनके भाई दामोदर पोल ने बताया कि वह आत्मनिर्भर बने रहने के लिए पार्ट-टाइम गैस स्टेशन में काम कर रहे थे।

अमेरिका में बढ़ती घटनाएं, गहराता डर अमेरिका में इस तरह ये कोई पहली घटना नहीं है। इसी साल जनवरी 2025 में, कनेक्टिकट में तेलंगाना के 26 वर्षीय छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वहीं रंगारेड्डी जिले के एक युवक को भी अमेरिका में संदिग्ध हालत में मृत पाया गया था। सितंबर 2025 में, महबूबनगर जिले के एक 30 वर्षीय व्यक्ति को कैलिफोर्निया में पुलिस ने गोली मार दी थी, जब उसका अपने रूममेट से झगड़ा हुआ था। इन मामलों के बाद, भारतीय दूतावासों को बार-बार छात्रों और उनके परिवारों की सहायता के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा है। शवों को भारत लाने में कई बार हफ्तों लग जाते हैं, क्योंकि प्रक्रिया में कानूनी और प्रशासनिक जटिलताएं शामिल होती हैं। अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा पर सवाल इस वारदात के बाद फिर से विदेशों में भारतीय छात्रों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा हो गया है, देर रात या असुरक्षित इलाकों में काम करना कई बार उन्हें खतरे में डाल देता है। भारतीय समुदाय के लोग अब यह मांग कर रहे हैं कि विश्वविद्यालय और स्थानीय प्रशासन ऐसे छात्रों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करें और देर रात काम करने वालों को सुरक्षित विकल्प उपलब्ध कराएं।

ब्रिटेन की प्रसिद्ध उपन्यासकार जिली का 88 की उम्र में निधन

लंदन, एजेंसी। राइवल्स और राइडर्स जैसे सनसनीखेज उपन्यासों के लिए मशहूर, बेस्टसेलिंग ब्रिटिश लेखिका जिली कूपर का निधन हो गया है। वह 88 वर्ष की थीं। कूपर के परिवार ने एक बयान में कहा कि उनका अचानक दुनिया से जाना परिवार के लिए बड़ा सदमा है। लेखिका की एजेंट फेलिसिटी ब्लंट ने कहा, मेरा सौभाग्य है कि मैंने एक ऐसी महिला के साथ काम किया, जिन्होंने 50 साल पहले अपनी पहली रचना के प्रकाशन के बाद से ही संस्कृति, लेखन और संवाद को परिभाषित किया।

एवरेस्ट पर बर्फीले तूफान से एक की मौत, 137 बचाए गए : ल्हासा, एजेंसी। माउंट एवरेस्ट की तिब्बती ढलानों पर बर्फीले तूफान में फंसे एक पर्वतारोही की मौत हो गई, जबकि 137 अन्य बचा लिए गए हैं। लापता पर्वतारोहियों की तलाश जारी है। किंघई प्रांत में बर्फबारी में फंसे सभी पर्वतारोही स्थिर हालत में हैं। 4,000 मीटर की औसत ऊंचाई पर लाओहुगो क्षेत्र में बर्फबारी जारी है। पर्वतारोहियों की खोज के लिए 300 से ज्यादा खोजी कर्मी, घोड़े और दो मध्यम आकार के ड्रोनों का इस्तेमाल करने वाली 10 से ज्यादा टीमें तैनात हैं। इससे पहले, सरकारी सीसीटीवी ने बताया था कि 350 लोगों को बचा लिया गया है, जबकि 200 अभी भी लापता हैं।

नेपाल सेना ने लांगटांग से 12 को बचाया, दो दिन में 52 की मौत : काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सेना ने सोमवार को लगातार बारिश-भूस्खलन के बीच लांगटांग क्षेत्र में फंसे 12 ट्रेकर्स को बचाया। सभी 12 लोगों को रसुवा के स्याफ्रुबेसी लाया गया। हालांकि, बेरिंग खोला नदी में बहे 4 लोगों का पता नहीं चला है। 16 लोगों का यह समूह काठमांडो से लांगटांग राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र की यात्रा पर निकला था। शनिवार को लगातार बारिश के बाद एक नाले में बह जाने के बाद, दो महिलाओं सहित चार लोग लापता हो गए।

सैन्य काफिले पर सशस्त्र हमले में 4 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए : वाशुक, एजेंसी। बलूचिस्तान के वाशुक जिले में एक सैन्य काफिले पर हुए सशस्त्र हमले में चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और एक अधिकारी समेत दो अन्य घायल हो गए। यह हमला बसिमा के पथक इलाके में हुआ जब तीन सैन्य वाहनों के काफिले पर अज्ञात आतंकियों ने गोलीबारी की। हमलावरों ने स्वचालित और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया एवं क्षेत्र में लंबे समय तक गोलीबारी और विस्फोट होते रहे। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी अधिकारियों ने एक सैनिक की मौत और एक अधिकारी के घायल होने की पुष्टि की है।

ब्राजील के राष्ट्रपति सिल्वा के बदले सुर, टैरिफ कम करने के लिए 30 मिनट तक ट्रंप से की बातचीत

ब्रासीलिया, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति दुनियाभर के कई देशों पर भारी पड़ रहा है। इसमें भारत, ब्रजील जैसे देशों का नाम भी शामिल है। इसी बीच ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ब्राजीलियाई वस्तुओं पर 40 प्रतिशत टैरिफ और स्थानीय अधिकारियों के विरुद्ध अमेरिका की ओर से लगाए गए प्रतिबंधात्मक उपायों को हटाने का अनुरोध किया है। दोनों नेताओं ने इस मामले में कुल 30 मिनट तक फोन पर आपस में बातचीत की।

मामले में ब्रजील सरकार की ओर से जारी बयान में दोनों नेताओं के फोन पर बातचीत की पुष्टि की गई है। साथ ही बयान में ये भी बताया गया कि ब्रजील के राष्ट्रपति सिल्वा और डोनाल्ड ट्रंप दोनों ने जल्द व्यक्तिगत रूप से मिलने पर सहमति जताई। बातचीत का लहजा दोस्ताना था।

ट्रंप का बातचीत पर सहारात्मक रुख इस दौरान ट्रंप ने कहा कि लूला के साथ उनकी बहुत अच्छी बातचीत रही। दोनों ने मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था और व्यापार पर चर्चा की। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, हम आगे भी चर्चा करेंगे और निकट भविष्य में ब्राजील और अमेरिका में मिलेंगे।

मामले में ब्राजील सरकार के अनुसार, लूला ने मलेशिया में आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान बैठक का सुझाव दिया और संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करने की इच्छा जताई। ब्राजील के वित्त मंत्री फर्नांडो हद्दाद ने बैठक के बाद ब्रासीलिया में कहा कि बातचीत सकारात्मक रही। इसमें उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन और विदेश मंत्री मौरो विएरा ने भी भाग लिया। बता दें कि शुरुआत में ब्राजील पर न्यूनतम 10% टैरिफ लगाया गया था, लेकिन बाद में ट्रंप ने कई प्रमुख निर्यातों पर इसे बढ़ाकर 40% कर दिया, जिससे कुल टैरिफ 50% हो गया।

मैंने जो कहा, वह बहुत असरदार था, वे रुक गए, ट्रंप ने फिर किया भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच मई में चले संघर्ष को रुकवाने का दावा किया है। इतना ही नहीं ट्रंप एक बार फिर से टैरिफ को हथियार बताने से भी नहीं चूके। उन्होंने सोमवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष को रोकने में टैरिफ (आयात शुल्क) का इस्तेमाल एक हथियार के रूप में किया। जो उन्होंने कहा था, वह बहुत असरदार साबित हुआ।

ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, ÷टैरिफ अमेरिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। हम टैरिफ की वजह से शांति-रक्षक हैं। हम सैकड़ों अरब डॉलर कमाते हैं, लेकिन साथ ही टैरिफ के कारण हम युद्ध रोकने की ताकत भी रखते हैं।÷ उन्होंने दावा किया कि अगर उन्होंने टैरिफ की ताकत का

इस्तेमाल न किया होता, तो आज भी चार युद्ध चल रहे होते।

ट्रंप ने कहा, ÷मैं युद्ध रोकने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल करता हूं। अगर आप भारत और पाकिस्तान को देखें, तो वे एक-दूसरे पर हमला करने के लिए तैयार थे। सात विमान गिराए गए थे। वे लड़ाई के लिए तैयार थे। दोनों ही परमाणु शक्ति से संपन्न देश हैं। मैं इसका जिक्र नहीं करना चाहता कि मैंने क्या कहा था, लेकिन जो मैंने कहा वह बहुत प्रभावी था। वे रुक भी गए। यह टैरिफ और व्यापार पर आधारित था।

भारत करता रहा है तीसरे पक्ष के दखल से इनकार गौरतलब है कि भारत ने पहलगाम हमले के साजिशकर्ताओं को सबक सिखाने के लिए 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया गया था। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

चार दिन तक चले हमलों के बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का समझौता हुआ था। तब ट्रंप ने एक पोस्ट के जरिए संघर्ष रुकवाने का श्रेय लेने की कोशिश की थी। हालांकि, भारत ने स्पष्ट किया है कि यह समझौता दोनों सेनाओं के डीजीएमओ (डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस) के बीच प्रत्यक्ष बातचीत से हुआ था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में कहा था कि किसी भी देश के नेता ने भारत से ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए नहीं कहा। ट्रंप लगातार करते रहे हैं सात युद्ध रुकवाने का दावा उधर ट्रंप ने लगातार दावा किया कि उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में अब तक सात युद्ध खत्म करवाए हैं। इनमें भारत-पाकिस्तान, कंबोडिया-थाईलैंड, कोसोवो-सर्बिया, कॉन्गो-रवांडा, इस्राइल-ईरान, मिस्र-इथियोपिया और आर्मेनिया-अजरबैजान के बीच संघर्ष शामिल हैं। ट्रंप कहते रहे हैं कि इनमें से कम से कम आधे युद्ध मेरे व्यापारिक कौशल और टैरिफ की ताकत से खत्म हुए। अगर मेरे पास टैरिफ न होते, तो आज भी चार युद्ध चल रहे होते और रोज हजारों लोग मारे जा रहे होते।

कनाडा के प्रधानमंत्री और फिनलैंड के राष्ट्रपति से मिलेंगे ट्रंप; जापान की भावी पीएम ताकाइची को दी बधाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस हफ्ते दो बड़े अंतरराष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं। इसमें कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने जापान की भावी प्रधानमंत्री साने ताकाइची को उनकी जीत पर बधाई दी है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने सोमवार को बताया कि ट्रंप मंगलवार को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से व्हाइट हाउस में औपचारिक बैठक करेंगे। इसके बाद गुरुवार को वे अपने आठवें कैबिनेट की बैठक करेंगे और उसी दिन दोपहर को उनकी फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब से भी मुलाकात होगी। लेविट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का कल व्हाइट हाउस में स्वागत करेंगे। गुरुवार को वे अपने कैबिनेट की बैठक करेंगे, और फिर फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब के साथ बैठक करेंगे।

कनाडा बिकाऊ नहीं- कार्नी का ट्रंप को जवाब : बता दें कि कुछ महीने पहले मई में जब ट्रंप और कार्नी की मुलाकात हुई थी, तब दोनों के बीच थोड़ा तीखा संवाद हुआ था। इस दौरान ट्रंप ने मजाकिया लहजे में कहा था कि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बन जाना चाहिए। इस पर कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने सीधा जवाब दिया, रियल एस्टेट की तरह कुछ जगहें बिकाऊ नहीं होतीं। कनाडा भी बिकाऊ नहीं है, और कभी नहीं होगा। इस पर भी ट्रंप ने अपनी बात से पीछे नहीं हटते हुए कहा, समय बताएगा। मैं कभी नहीं पर विश्वास नहीं करता। कई बार जो चीजें नामुमकिन लगती हैं, वे दोस्ताना तरीके से मुमकिन हो जाती हैं।

जापान की नई महिला प्रधानमंत्री को दी बधाई : उन्होंने बताया कि ट्रंप ने जापान की नई नेता साने ताकाइची को भी बधाई दी है। लेविट ने बताया कि, राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझे कहा है कि मैं जापान को बधाई देता हूं, जिन्होंने अपनी अगली प्रधानमंत्री का चुनाव किया है। वह एक बेहद सम्मानित और समझदार नेता हैं, जो हमारे महान सहयोगी देश जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं।

जापान में इतिहास रचने जा रहीं साने ताकाइची : ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में जापान की भावी प्रधानमंत्री साने ताकाइची को बुद्धिमान और दृढ़ इच्छाशक्ति वाली महिला बताया। उन्होंने कहा कि वे जापान के अद्भुत लोगों को भी बधाई देते हैं। बता दें कि सत्तारूढ़ पार्टी की तरफ से ताकाइची के चुने जाने के बाद वे जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं, जो देश के राजनीतिक इतिहास में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप को पुतिन की चेतावनी, यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें देने से हमारे संबंध खराब होंगे

मास्को, एजेंसी। रूस ने अमेरिका को चेतावनी दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आगाह करने के अंदाज में उनके रूसी समकक्ष पुतिन ने साफ किया है कि अगर अमेरिका ने यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें दीं तो द्विपक्षीय संबंध खराब होंगे। पुतिन ने कहा, यूक्रेनी सेना इन मिसाइलों को खुद नहीं चला पाएगी। उन्होंने अमेरिकी सैन्यकर्मियों पर मदद करने का दावा करते हुए गंभीर आरोप भी लगाए। वैश्विक ताकतों के टकराव और लंबे समय से जारी संघर्षों के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइलों की आपूर्ति की तो वाशिंगटन और मॉस्को के बीच संबंधों खराब हो जाएंगे।

एक मिसाइल की कीमत 11.44 करोड़ रुपये : सितंबर के अंत में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा था कि व्हाइट हाउस कीव को टॉमहॉक मिसाइलें देने पर विचार कर रहा। एक मिसाइल की कीमत 11.44 करोड़ रुपये है। इनकी मारक क्षमता 2,500 किलोमीटर है, जिससे ये मिसाइलें मॉस्को और उसके बाहर भी हमला कर सकेंगी।

अमेरिकी सैन्यकर्मियों पर यूक्रेन के साथ प्रत्यक्ष भागीदारी के आरोप पुतिन ने शनिवार को एक

साक्षात्कार में कहा कि ट्रंप का ऐसा कदम हमारे संबंधों को बर्बाद कर देगा। इससे पहले बृहस्पतिवार को वल्दाई डिस्कशन क्लब में रूसी राष्ट्रपति ने कहा था कि यूक्रेनी सेना अमेरिकी सैन्यकर्मियों की प्रत्यक्ष भागीदारी के बिना इन मिसाइलों का संचालन नहीं कर सकेगी। क्रूज मिसाइलों की आपूर्ति युद्ध के मैदान में शक्ति संतुलन को नहीं बदलेगी रूस की ताकत का उल्लेख करते हुए पुतिन ने कहा, अमेरिकी टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों की आपूर्ति युद्ध के मैदान में शक्ति संतुलन को नहीं बदलेगी। यह भी कहा कि रूस की वायु रक्षा प्रणालियां पहले से इसी तरह के पश्चिमी हथियारों की आपूर्ति के अनुकूल हो चुकी हैं। जेलेंस्की ने विशेष रूप से मिसाइलों का अनुरोध किया था स्थानीय समाचार एजेंसी के अनुसार, टॉमहॉक मिसाइलों की डिलीवरी पर बहस पिछले महीने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की और ट्रंप के बीच हुई बैठक के बाद शुरू हुई थी। जेलेंस्की ने उस मुलाकात के दौरान विशेष रूप से मिसाइलों का अनुरोध किया था।

पाकिस्तान ने अमेरिका को खनिजों की पहली खेप भेजी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने पहली बार अमेरिका को दुर्लभ खनिजों की छोटी खेप भेजी है। ये खनिज पिछले महीने अमेरिकी कंपनी यूएस स्ट्रैटेजिक मेटल्स (यूएसएसएम) के साथ हुए 50 करोड़ डॉलर के सौदे के तहत भेजे गए। हालांकि इन्हें भेजने की टाइमिंग नहीं पता चल पाई है। इस सौदे का मकसद पाकिस्तान में खनिजों की खोज और प्रोसेसिंग के लिए कारखाने बनाना है। ये नमूने पाकिस्तानी सेना की ब्रांच फ्रंटियर वर्क्स ऑर्गेनाइजेशन की मदद से तैयार किए गए। यूएसएसएम ने इसे पाकिस्तान और अमेरिका के बीच दोस्ती का बड़ा कदम बताया। कंपनी का कहना है कि यह समझौता खनिजों की खोज से लेकर प्रोसेसिंग तक सब कुछ कवर करता है।

इमरान खान की पार्टी ने सौदे का विरोध किया : वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने इसका विरोध किया है। पीटीआई नेता शेख वक्कास

अकरम ने कहा ऐसे सीक्रेट सौदे से देश के हालात खराब हो सकते हैं। क्क्षद्ध ने मांग की कि सरकार अमेरिका के साथ हुए सौदों का पूरा ब्योरा जनता को बताए। क्क्षद्ध के नेता ने कहा कि संसद और लोगों को विश्वास में लेना चाहिए। हम देश के हितों के खिलाफ कोई समझौता बर्दाश्त नहीं करेंगे।

यूएसएसएम डिफेंस से जुड़े खनिज रिसाइकल करती है : यूएसएसएम कंपनी का कहना है कि यह सौदा खनिजों की खोज से लेकर रिफाइनरी बनाने तक सब कुछ कवर करता है। मिसूरी की यह कंपनी ऐसे खनिज बनाती और रिसाइकल करती है जो रक्षा, तकनीक और ऊर्जा के लिए जरूरी हैं। खेप में एंटीमनी, कॉपर कंसन्ट्रेट और रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसे नियोडिमियम व प्रेजियोडिमियम शामिल हैं। इससे पहले सितंबर में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ, सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मुलाकात की थी। इस दौरान मुनीर ने ट्रम्प को रेयल मिनरल्स से भरा ब्रीफकेस दिखाया था। पाकिस्तान का दावा है कि उसके पास 6 ट्रिलियन डॉलर की खनिज संपदा है। वो चाहता है कि अमेरिकी निवेशक यहां इन्वेस्ट करें। पाकिस्तान का अमेरिका को बलूचिस्तान में पोर्ट बनाने का प्रस्ताव पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के सलाहकारों ने तीन दिन पहले ही अमेरिका से बलूचिस्तान में एक पोर्ट डेवलप करने का प्रस्ताव शेयर किया है। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पाकिस्तान चाहता है कि अमेरिकी निवेशक बलूचिस्तान के पसनी शहर में अरब सागर के किनारे एक नया पोर्ट डेवलप करके चलाएं। प्रस्ताव में साफ कहा गया है कि यह बंदरगाह सिर्फ व्यापार और खनिजों के लिए है। अमेरिका को यहां सैन्य बेस बनाने की इजाजत नहीं होगी। पासनी, ग्वादर पोर्ट (चीन का बंदरगाह) से सिर्फ 112 किमी दूर है। यह बंदरगाह अमेरिका को पाकिस्तान के महत्वपूर्ण खनिजों जैसे तांबा और एंटीमनी तक आसान पहुंच देगा।

बाल हों सिल्की

स्कल्प का विशेष ध्यान

इस मौसम में स्कल्प में ऑयल की कमी हो जाती है इसलिए बाल ड्राई हो जाते हैं और झड़ने लगते हैं। कुछ लोग इससे निजात पाने के लिए बाल कटवा लेते हैं। लेकिन हेयर कटिंग इसका इलाज नहीं है। क्योंकि प्रॉब्लम बालों में नहीं बल्कि स्कल्प में है इसलिए बाल कटवाने से ड्राईनेस खत्म नहीं होगी। स्कल्प को इस मौसम में भरपूर नमी की आवश्यकता होती है, जो बालों को न केवल स्वस्थ बल्कि सॉफ्ट भी रखती है।

सप्ताह में दो बार चम्पी

सर्दियों में बालों का स्वस्थ रखने के लिए सप्ताह में कम से कम दो दिन उनकी ऑयलिंग करनी चाहिए। कोकोनेट तेल सबसे बेहतर रहता है। क्योंकि नारियल तेल सभी को सूट करता है। अगर आप सालों से कोई दूसरा तेल लगाती आ रही हैं और वह आपको सूट करता है तो उसी से मसाज भी करें।

पैराशूट एडवांस्ड हेयर एक्सपर्ट डॉ. रश्मि शेट्टी का कहना है कि सर्दियों में त्वचा में सूखापन आ जाता है। इसमें नमी की मात्रा कम हो जाती है, जो बालों पर विपरीत प्रभाव डालती है। हेयर ऑयल को गर्म करके इसकी नियमित मालिश करें। इससे स्कल्प में ऑयल की कमी पूरी होगी और बाल सॉफ्ट हो जायेंगे। साथ में उनका झड़ना भी बंद हो जाएगा। इसके अतिरिक्त पानी खूब पीयें और कच्ची सब्जियां एवं फल खाते रहें।

मसाज कैसे करें

बालों को शैंपू करने से एक दिन पहले उनकी मसाज करें। अगर समय की कमी है तो शैंपू से एक घंटे पहले मसाज कर लें। कटोरी में तेल गर्म करें और कॉटन की सहायता से खोपड़ी में तेल लगायें। तेल लगाने के बाद सिर में उंगलियों की पोरों की सहायता से मसाज करें। तकरीबन आधे घंटे तक बालों में मसाज करें।

हेयर कलर न करें

बालों में केमिकल को इस्तेमाल कम करें। हर्बल प्रोडक्ट का इस्तेमाल अधिक से अधिक करना चाहिए। क्योंकि उनके साइड इफेक्ट्स नहीं होते। सर्दियों में हेयर कलर से बचें। हिना न लगायें क्योंकि यह स्कल्प में ऑयल की मात्रा को कम कर देती है।

अन्य उपाय

- बालों को रोज वॉश करें।
- हर्बल प्रोडक्ट इस्तेमाल करें। हेयर कलर इस्तेमाल करते समय ज्यादा सर्तक रहें क्योंकि इनमें केमिकल की मात्रा अधिक होती है। बालों को कलर करने के लिए हर्बल हेयर कलर यूज कर सकती हैं। यह थोड़े महंगे होते हैं लेकिन इनके साइड इफेक्ट्स नहीं होते।
- सप्ताह में दो बार हेयर मसाज करें।
- शैंपू के बाद कंडीशनर का इस्तेमाल करें।

खान-पान की आदत

- खाने में हरी सब्जियां और दाल अवश्य लें।
- तकरीबन छह लीटर पानी रोज पीएं।
- नियमित रूप से जंक फूड लेने से बचें।
- ऑयली हेयर हैं तो ज्यादा ऑयली खाना न खाएं।
- खाने में मेथी का इस्तेमाल अधिक से अधिक करें।

मसाला कोकी

सामग्री : 1 कप गेहूं का आटा, 1 प्याज बारीक कटा हुआ, 2 टेबलस्पून हरी धनिया बारीक कटी हुई, 1 टीस्पून अनारदाना पाउडर, 2 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार, 2 टेबलस्पून तेल, घी आवश्यकतानुसार।

विधि : घी को छोड़कर बाकी सभी सामग्रियां मिलाकर गूंध लें। लोई बनाकर मोटी रोटी बेल लें। तवे पर घी लगाकर दोनों ओर से सेंक लें। गरमा गरम सर्व करें।

जरूरी है यह शिक्षा

कई माता-पिता अपने बच्चों को सुरक्षित करने के लिए बिल्कुल भी रिस्क नहीं लेना चाहते इसलिए वे अपने बच्चें को अकेले घर से बाहर नहीं जाने देते। लेकिन वे शायद यह नहीं जानते कि ऐसा करने से वे अपने बच्चों को सेफ तो कर रहे हैं लेकिन साथ ही उन्हें डरपोक भी बना रहे हैं। आज आत्मनिर्भरता का जमाना है जबकि वे अपने बच्चों को अपने ऊपर निर्भर बना रहे हैं। होना तो यह चाहिए कि माता-पिता अपने बच्चों को ट्रेनिंग दें कि घर से बाहर निकलने पर उन्हें किन बातों को अमल में लाना चाहिए। उन्हें घर से बाहर कैसे बिहेव करना है और किस तरह से रहना है। यदि कोई उनका पीछा कर रहा है या उनसे जबरन दोस्ती करना चाह रहा है तो उन्हें क्या करना चाहिए।

यह जरूर सिखाएं

पैरेंटस बच्चों को अपने घर का पता और फोन नंबर जरूर याद करवाएं।

कभी भी बच्चों के सामने पैसो से संबंधित बातचीत न करें कि आपके पास या आपके बैंक में कितना पैसा है या कितना गहना है। बच्चों को इन सभी बातों को दूर रखें क्योंकि कई बार आपके बच्चे अपनी मासूमियत में ये बाते बाहर बता सकते हैं। इस वजह से आप किसी बड़ी परेशानी में आ सकते हैं। उन्हें इस बात की शिक्षा दें कि कभी भी किसी अनजान व्यक्ति से वे बातचीत न करें और यदि वह जबरन बात करने की कोशिश कर भी रहा है तो वह तुरन्त शोर मचाए। अपने बच्चों को बताएं कि यदि उन्हें ऐसा लग रहा है कि कोई उनका पीछा कर रहा है तो वे तुरन्त आस-पास दिख रहे किसी व्यक्ति की सहायता ले और उसे बताए कि कोई उसका पीछा कर रहा है। ऐसा करने से कई बार पीछा करने वाला व्यक्ति यह सोच लेता है कि बच्चा अपने किसी जानने वाले व्यक्ति से बात कर रहा है जिसे देखकर वह भाग जाएगा।

शॉर्टकट के चक्कर में बच्चे को सुनसान रास्ते पर जाने से रोकें।

बच्चों की आदत होती है कि वह सड़क पर खड़ी गाडियों को छूकर और उसमें झांकते हुए जाते हैं। यह अच्छी आदत नहीं है। बच्चों को समझााना चाहिए कि वे रास्ते पर खड़ी गाडियों से दूर हट कर अपना रास्ता तय करें। बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर याद कराएं ताकि यदि वे कभी किसी मुसीबत में फंस भी जाते हैं तो तुरन्त वहां फोन कर सकें।

यह बात भी सिखानी चाहिए कि वे अपने पास कुछ रूपये अवश्य रखें ताकि जरूरत के समय वे रूपये का इस्तेमाल करके अपने घर पहुंच सकें या फोन कर सकें। उसे बताएं कि किसी अनजान व्यक्ति द्वारा दी गई कोई भी चीज न लें। चाहे वह कोई खाने की चीज हो या कोई कीमती खिलौना। आप अपने बच्चों को उस समाज से रूबरू कराइए जिसका वे हिस्सा हैं। इससे वे भी इस समाज में रहने के लिए अपने आपको तैयार कर लेंगे और मुसीबतों से निकलने के लिए उन्हें क्या करना है, जान सकेगे। याद रखें कि आपके बच्चे आपके हाथ में कुम्हार की उस मिट्टी की तरह है जिसे वह जैसे चाहे ढाल सकता हैं।

इंटीरियर : कलरफुल हो ड्रीम होम

घर हमारा सपना होता है, जिसे हम अपनी कल्पनाओं और विचारों से सजाते हैं। हमारा घर हमारा आईना भी होता है, यही वजह है कि किसी के घर को देखकर उसकी पर्सनालिटी और उसके विचारों का पता आसानी से लगाया जा सकता है। यही वजह है कि हमें अपने घर के एक-एक कोने को सजाने-संवारने में जी-जान से मेहनत करनी पड़ती है, तब वह घर निखरकर हमारे सामने आता है। घर को खूबसूरत बनाने में रंगों का अहम योगदान होता है। एक आर जहां सही रंग कमरे की खूबसूरती और फर्नीचर को निखार कर सामने लाते हैं, वहीं दूसरी आर गलत रंगों का चयन खूबसूरत एक्सेसरीज को भी बदसूरती में बदल देते हैं। नये साल पर अपने घर को नये तरीके से सजाइए, नये रंगों का चयन कीजिए। 2009 में कौन से नये रंग होंगे इन, जानिए-

- 2009 में ब्लू कलर हॉट है। लेकिन कमरे की दीवारों पर डार्क ब्लू अच्छे नहीं लगते, इसलिए सूदिंग, रिलैक्सेसिंग लाइट ब्लू से सजा डालिए अपने घर की दीवारों को।
- ब्लू कलर के साथ यह साल पर्पल को भी सलाम कर रहा है। चाहें लाइट लिलैक का इस्तेमाल कीजिए, या रॉयल पर्पल, आपके पास इस रंग में कई विकल्प हैं।
- बीते साल में जहां रैम्प पर यलो कलर इठलाया है तो इसे भला घर के अंदर इंट्री कैसे नहीं मिलेगी। कमरे को खुला और लाइवली लुक देता यह कलर बेहद खूबसूरत दिखता है, यदि सही काम्बिनेशन का इस्तेमाल किया जाए तो। चाहें तो स्ट्रांग यलो के साथ ऑरेंज को मिक्स कीजिए। यह बेहद अट्रैक्टिव लगता है।
- रिच चॉकलेट कलर ऐसा है, जो घर को डिफरेंट लुक दे सकता है। यदि आपको यह कलर डार्क लग रहा है तो इसे आयवरी के साथ मैच करवाइए।
- कॉपर, ब्रोंज, ग्रेफाइट जैसे मेटेलिक कलर्स भी इस साल लौट आए हैं। लेकिन इनके इस्तेमाल से पहले इन रंगों के साथ मैच करती सही एक्सेसरीज की भी खरीदारी कर डालिए। इससे कमरे को कांटेम्परी लुक मिलेगा।
- क्रीमी व्हाइट के साथ ग्रे कलर का काम्बिनेशन आपके कमरे को देगा एलीगेंट और रिलैक्स लुक। यह काम्बिनेशन काफी स्टाइलिश और मॉडर्न लुक देता है।
- बच्चों के कमरे और किचन के लिए फ्रूट कलर्स सिटरस ग्रीन, मैंगो, एप्पल रेड, लेमन यलो, स्ट्रॉबेरी रेड, बनाना यलो जैसे कलर्स बेहद खूबसूरत लगते हैं। चाहें तो इसे काम्पिलमेंट करने के लिए ब्लैक कलर का इस्तेमाल कर सकती हैं।
- कमरे के अंदर आसमान सा खुलापन चाहती हैं तो नीले रंग से सराबोर कर दीजिए कमरे की दीवारों को। यदि सनराइज पसंद है या सनसेट तो इन्हीं रंगों का प्रयोग कीजिए। डीप ब्लू, ब्रोंज, वार्म गोल्ड, रोजी पिंग, लाइट ब्लू जैसे कलर्स कमरे में प्राकृतिक अहसास लाते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-6

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, ङ्चता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है, अत:वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। स्थान परिर्वतन की संभावना हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-2-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-2-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-3-6-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-3-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा व हर्ष पूर्ण माहौल बनेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। धार्मिक यात्रा शुभ है। शुभांक-3-5-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-6-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-8

काकुरो पहेली - 2611

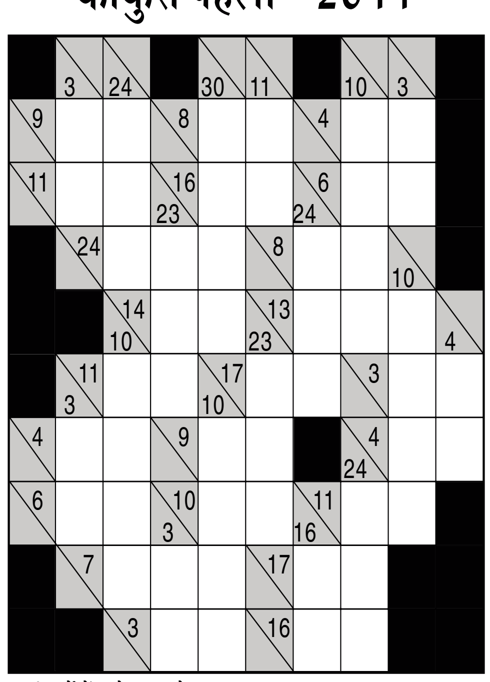

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

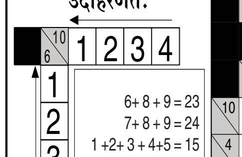

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2610 का हल

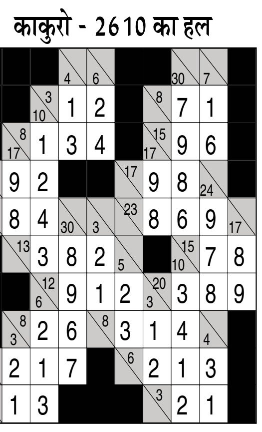

लॉफिंग ज़ोन

एक औरत का पति मर गया। वह बीमा कंपनी के ऑफिस जाकर मैनेजर से बोली- मैनेजर साहब, मेरे पति गुजर गए हैं। उनके बीमे का रुपया दिलवाइए।

मैनेजर बोला- इस घटना को सुनकर बहुत दु:ख हुआ।

औरत बोली- जरूर हो रहा होगा। मर्दों का हर जगह यही हाल है। जब भी औरत को चार पैसे मिलने का मौका आता है, उन्हें बड़ा दु:ख होता है।

नरेश की शादी एक अनपढ़ महिला से हो गई। शादी की पहली रात वह पति से बोली- आप तो बड़े ही अच्छे और दयालु इंसान हो जी। आपने तो मेरा उद्धार ही कर दिया।

इस पर नरेश ने कहा- ऐसी कोई बात नहीं है।

पत्नी बोली- मेरी भाभी और मेरी चाची हमेशा मुझे प्रताड़ित करती रहती थी और कहती थी कि तेरे जैसी मूर्ख से तो कोई गधा ही होगा जो शादी करके तेरा उद्धार करेगा।

एक बार मिस्टर चमन चित्र प्रदर्शनी देख रहा था।

एक जगह रुक कर उसने कहा- छि:!!! क्या इसे आप मॉडर्न आर्ट कहते हैं?

संचालक- जी नहीं श्रीमान, आप गलत समझ रहे है। इसे तो हम आईना कहते हैं।

फिल्म वर्ग पहेली- 2611

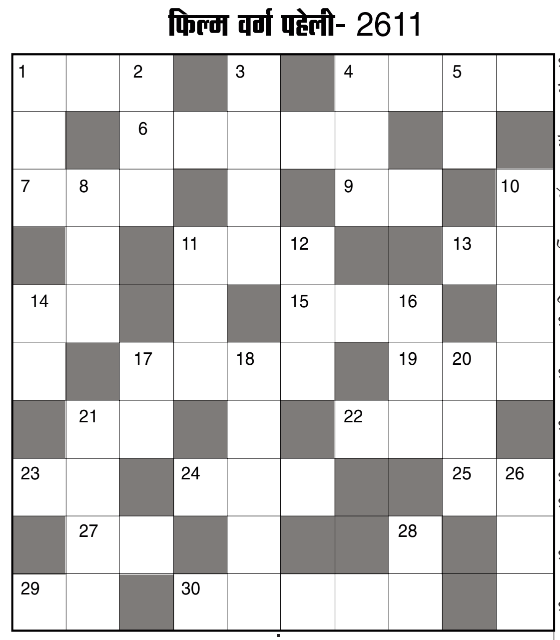

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी ऑखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६.अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2610

सूडोकु -2611

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2610 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

शब्द पहेली - 2611

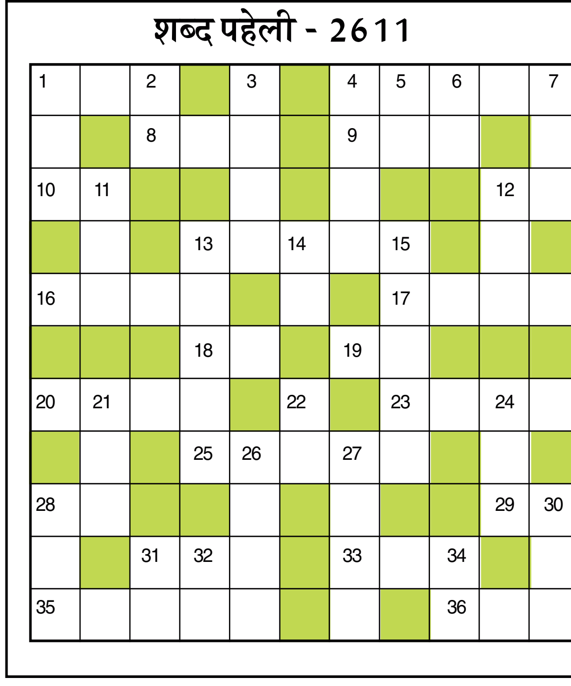

बाएँ से दाएँ

1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़पन्न-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे

1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली -2610 का हल

विकसित भारत बिल्डथॉन के पंजीकरण की अंतिम तिथि 11 अक्टूबर तक बढ़ाई गई

एजेंसी

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय ने विकसित भारत बिल्डथॉन 2025 के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 11 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। पहले इसके पंजीकरण की अंतिम तिथि 6 अक्टूबर थी। देशभर के करीब 12 करोड़ विद्यार्थी 13 अक्टूबर को इसमें हिस्सा लेंगे। विकसित भारत बिल्डथॉन 2025 का आयोजन शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा अटल नवाचार मिशन, नीति आयोग और एआईसीटीई के सहयोग से किया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय ने छात्र नवप्रवर्तकों को प्रोत्साहित करने और उन्हें मान्यता देने के लिए, स्कूल अपनी प्रविष्टियां फ़ोटो और वीडियो के रूप में प्रस्तुत करेंगे। विशेषज्ञों का एक पैनल प्रविष्टियों का मूल्यांकन करेगा और शीर्ष टीमों को एक करोड़ रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। मान्यता के अलावा, इन स्कूलों और छात्रों को कॉर्पोरेट सहयोग, मार्गदर्शन और संसाधनों के माध्यम से दीर्घकालिक समर्थन प्राप्त होगा ताकि उनके नवाचारों को और मज़बूत किया जा सके। इस राष्ट्रव्यापी नवाचार आंदोलन में देशभर के सरकारी और निजी विद्यालयों के कक्षा 6 से 12 तक के करीब 12 करोड़ विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। 13 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित होने वाले इस नवाचार उत्सव में एक साथ छह लाख स्कूलों के छात्र-छात्राएं शामिल होंगे।

सफाई कर्मचारी के साथ अप्रिय घटना पर 35-40 लाख देने की करेंगे व्यवस्थाः सीएम योगी

लखनऊ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाल्मीकि समाज के लोगों से कहा कि आपकी सुरक्षा समाज की सुरक्षा है। आपका सम्मान भगवान वाल्मीकि की विरासत का सम्मान है। सीएम ने इस दौरान उन्हें खुशखबरी भी दी और कहा कि अभी बड़ा कार्य करने जा रहे हैं। सफाई, संविदा कर्मचारी को अब आउटसोर्सिंग कंपनी नहीं, बल्कि सरकार का कॉरपोरेशन सीधे अकाउंट में पैसा देगा। स्वच्छता कर्मियों को पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा का कवर भी देंगे। जब अकाउंट में कॉरपोरेशन से पैसा आएगा तो यह व्यवस्था करेंगे कि दुर्भाग्य से किसी सफाई कर्मचारी के साथ घटना-दुर्घटना हुई या वह आपदा की चपेट में आ गया तो बैंक से बात करेंगे कि बैंक के माध्यम से 35-40 लाख रुपये देने की व्यवस्था की जानी चाहिए। यूपी के 80 हजार होमगार्ड को यह कवर दे दिया गया है। अब सफाई कर्मचारियों को इस व्यवस्था से जोड़ने जा रहे हैं। सीएम योगी इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर महासभा ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस समारोह में शामिल हुए। सीएम ने भगवान वाल्मीकि की जयंती पर प्रदेशवासियों को बधाई दी। कार्यक्रम में लघु फिल्म भी दिखाई गई।

कांशीराम के प्रति सपा-कांग्रेस का रवैया हमेशा द्वेषपूर्ण रहा : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बसपा के संस्थापक कांशीराम के प्रति इन दोनों दलों का रवैया हमेशा घोर जातिवादी एवं द्वेषपूर्ण रहा है। मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा? कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के मिशनरी को नई गति देने वाले बसपा के संस्थापक कांशीराम को लेकर सपा और कांग्रेस का रवैया शुरू से ही जातिवादी एवं द्वेषपूर्ण रहा है। 09 अक्टूबर को कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर सपा की ओर से संगोष्ठी और कार्यक्रम करने की घोषणा मात्र घोर छलावा है। लोगों को स्पष्टतः इनके मुंह में राम बगल में छुरी की कहावत को चरितार्थ करने वाला ज्यादा लगता है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सपा ने ना केवल कांशीराम के जीते-जी उनके पार्टी के साथ दगा करके उनके मूवमेन्ट को उत्तर प्रदेश में कमजोर करने की लगातार कोशिशें कीं हैं। बसपा सरकार में 17 अप्रैल 2008 में कासगंज को जिला मुख्यालय का दर्जा देकर कांशीराम नगर के नाम से बनाये गये नये जिला के नाम को भी जातिवादी सोच व राजनीतिक द्वेष के कारण बदल दिया। इसके अलावा बसपा सरकार में कांशीराम के नाम से जो विश्वविद्यालय, कॉलेज, अस्पताल व अन्य संस्थाए बनाये गये थे, उनके नाम भी सपा सरकार में बदल दिए गए। ऐसा करना सपा की घोर दलित विरोधी चाल, चरित्र व चेहरा नहीं तो और क्या है?

जुबीन गर्ग केस : दिवंगत गायक के चचेरे भाई संदीपन गर्ग को गिरफ्तार किया गया

गुवाहाटी। असम के मशहूर गायक जुबीन गर्ग के आकस्मिक निधन ने पूरे देश को झकझोर दिया है। उनकी मौत की जांच चल रही है। इस केस में अब उनके चचेरे भाई और असम पुलिस में अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है। केस की जांच असम पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) और क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) कर रही है। एसआईटी ने इस मामले में बुधवार को पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) संदीपन गर्ग को गिरफ्तार किया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, संदीपन गर्ग गुवाहाटी स्थित सीआईडी मुख्यालय में पूछताछ के लिए एसआईटी के सामने पेश होने आए थे। इसके तुरंत बाद यह गिरफ्तारी हुई। उन्हें बुधवार को ही मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत में पेश किया जा सकता है। दिवंगत गायक के चचेरे भाई संदीपन गर्ग कथित तौर पर सिंगापुर में उस नाव पर सवार थे जहां जुबीन गर्ग की मौत हुई थी। संदीपन ने सोशल मीडिया पर पहले कहा था कि उन्होंने इस सप्ताह एसआईटी के साथ लंबी पूछताछ के दौरान पूरा सहयोग किया था। इस केस की जांच को पारदर्शी और जल्द से जल्द पूरा करने का आदेश मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पहले ही दे चुके हैं। एसआईटी ने संदीपन गर्ग की गिरफ्तारी से पहले ही चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

नारी स्वावलंबन को मिली मजबूती, सीएम योगी ने 15 सेवा शक्ति केंद्रों का किया शुभारंभ

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व विधायक स्वर्गीय डी.पी. बोरा की 85वीं जयंती के अवसर पर मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत मातृशक्ति वंदन और 15 सेवा शक्ति केंद्रों (सिलाई प्रशिक्षण केंद्र) का शुभारंभ किया। इसी दौरान उन्होंने स्व. डी.पी. बोरा की प्रतिमा का वर्चुअल अनावरण किया और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाली मातृशक्तियों का सम्मान भी किया। सीएम योगी ने नारी सशक्तीकरण और सामाजिक समरसता पर जोर देते हुए स्वर्गीय डी.पी. बोरा के संघर्षों और समाज सेवा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महर्षि वाल्मीकि और परम कृष्ण भक्त मीराबाई की जयंती का दिन भी है। उन्होंने कहा कि आज का दिन उत्तर

प्रदेश के लिए विशेष महत्व रखता है। यह शरद पूर्णिमा का पावन पर्व है, जो महर्षि वाल्मीकि की जयंती और मीराबाई के जन्मदिन के साथ-साथ स्वर्गीय डी.पी. बोरा की जयंती के रूप में भी मनाया जा रहा है। मैं इस अवसर पर महर्षि वाल्मीकि और मीराबाई को नमन करता हूं और स्वर्गीय डी.पी. बोरा को प्रदेश सरकार और प्रदेशवासियों की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। कार्यक्रम में सीएम योगी ने मिशन शक्ति 5.0 के तहत 15 सेवा शक्ति केंद्रों का उद्घाटन किया गया, जो महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इन केंद्रों का संचालन डी.पी. बोरा स्मृति समिति के सहयोग से किया जा रहा है। सीएम योगी ने इन केंद्रों को नारी स्वावलंबन का प्रतीक बताते हुए कहा कि ये केंद्र महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके साथ ही, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली मातृ शक्तियों को सम्मानित किया गया। इनमें पद्मश्री हिन्दी साहित्यकार प्रो. विद्या बिन्दु सिंह, शास्त्रीय संगीतज्ञ सुनीता झींगरन, शीला मिश्रा, शालू सिंह और डॉ. चंद्रावती जैसी विभूतियां शामिल रहीं।

भदोही की हैंड टफ्टेड कालीन का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज

एजेंसी

भदोही। दुनिया में भदोही का कालीन अपनी अनूठी कला के लिए पहचाना जाता है। संसद भवन में जहां भदोही की कालीन लगी है वहीं कालीन उद्योग ने नया इतिहास रच है। विश्व की सबसे बड़ी हैंड टफ्टेड कालीन भदोही में बनाई गई, जिसका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। भदोही के कालीन की पहचान वैश्विक स्तर पर अनूठी कारीगरी के लिए है। अब एक नया कीर्तिमान भदोही के उद्योग को एक विशेष आयाम दिया। यह विशाल कालीन कजाकिस्तान की एक मस्जिद में लगाई गई है। कालीन का निर्माण भदोही में कोविड के दौरान किया गया।

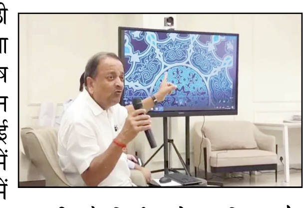

छह माह में करीब एक हजार हस्त शिल्पियों ने मिलकर कालीन के निर्माण को पूरा किया और 50 दिनों में इस कालीन का इंस्टॉलेशन कजाकिस्तान की आस्ताना ग्रैंड मस्जिद में किया गया। बताया जाता है कि 12464 वर्ग मीटर में यह कालीन बनाई गई। चीन और अमेरिका के कालीन कारोबारी भी इस कालीन को बनाने की रेस में थे, लेकिन भारत के भदोही शहर के पाटोदिया एक्सपोर्ट को कालीन निर्माण का जिम्मा दिया गया। आज गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में विश्व की सबसे बड़ी हैंडटफ्टेड कालीन होने की घोषणा की है। निर्माता कंपनी के मालिक रवि पटोदिया ने बताया कि इस कालीन को बनाने वाले निर्यातक के लिए हम खुश है। उन्होंने कहा कि यह पूरे देश के लिए गर्व की बात है।

बिहार के सासाराम-रोहतास में एनएच-19 पर 48 घंटे बाद खुला जाम

एजेंसी

पटना। बिहार में हुई मूसलाधार बारिश से सासाराम-रोहतास जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-19 पर बीते 48 घंटे से लगा 25 किलोमीटर लम्बा जाम मंगलवार देर शाम खुल गया है। हालांकि यह जाम औरंगाबाद से कैमूर तक फैला हुआ है।

दो दिनों पूर्व जिले में हुई मूसलाधार बारिश के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग-19 के विभिन्न जगहों पर सिक्स लेन निर्माण कंपनी द्वारा बनाए गए डायवर्सन एवं सर्विस लेन में पानी भर गया है। इतना हीं नहीं इन सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं और जल जमाव के कारण गाड़ियां रेंगते हुए सड़क पार कर रही हैं, जिसके चलते जाम की समस्या विकराल हुई। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 के दोनों लेन में बीते दो दिनों से लग रहे भीषण जाम के कारण हजारों गाड़ियां फंसी। हालत ऐसी कि जाम का दायरा 20 से 25 किलोमीटर तक फैल गया। सड़क जाम डेहरी ऑन सोन के कोयला डिपो से लेकर कैमूर जिले तक पहुंच गया। जिसकी वजह से वाहन चालकों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ा। सड़क जाम में फंसे वाहन चालकों का कहना है कि टोल टैक्स, रोड टैक्स आदि देने के बाद भी हमें कई कई घंटों तक जाम का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर ना तो एनएचआई के कर्मी दिखते हैं और पदार्थों को लेकर जा रहे वाहन चालक इस भीषण जाम से भयभीत हैं और उन्हें नुकसान की चिंता सता रही है। इसके अलावा राहगीर, एंबुलेंस, आपातकालीन सेवा एवं टूरिस्ट वाहनों को भी इस भीषण जाम की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उल्लेखनीय

ना ही स्थानीय प्रशासन। उन्होंने कहा कि भूखे प्यासे चंद किलोमीटर का फैसला तय करने में भी घंटों लग रहे हैं। सड़क जाम के कारण व्यवसाय पर भी बुरा असर पड़ा है। कच्चे खाद्य है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर बीते कई महीनों से जगह-जगह ओवर ब्रिज एवं सड़क चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसको लेकर जगह-जगह डायवर्सन बनाए गए हैं।

ममता बनर्जी के शासन में जंगलराज, पश्चिम बंगाल में ख़त्म हो चुका है लोकतंत्र : रविशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में भाजपा सांसद एवं विधायक पर हुए जानलेवा हमले के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद रवि शंकर प्रसाद का बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला। भाजपा के वरिष्ठ नेता रवि शंकर प्रसाद ने मीडिया को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल में आदिवासी समाज से आने वाले भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर हुए जानलेवा हमले पर ममता बनर्जी की चुप्पी पर निशाना साधा। रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि ममता बनर्जी 'मां माटी मानुष' की बात करती हैं, लेकिन आज बंगाल की यह स्थिति है कि बाढ़ का जायजा लेने केंद्रीय मंत्री और विधायक तक नहीं जा सकते। जब भारतीय जनता पार्टी के आदिवासी समुदाय से आने वाले सांसद व विधायक वहां गए तो उनपर जानलेवा हमला किया गया। ममता बनर्जी के राज में यह कैसा बंगाल बन चुका है? ममता बनर्जी को लोकतंत्र की बात करना बंद कर देनी चाहिए, दूसरों को वो ईमानदारी से वोट देने की नसीहत देती हैं लेकिन उनकी कमियों को परखने के लिए यदि कोई जन प्रतिनिधि जाता है जाते हैं। जो लोग ममता बनर्जी को 'मॉडल ऑफ गुड गवर्नेंस' कहते थे, आज वे बुद्धिजीवी खामोश क्यों हैं? उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के

तो उस पर हमला हो जाता है। ममता बनर्जी ने तो अब तक हमले की निंदा भी नहीं की? सारे हमलावर तृणमूल कांग्रेस से जुड़े हुए लोग थे। भाजपा सांसद ने कहा कि जंगलराज केवल बिहार में या लालू यादव के राज में ही नहीं था, आज बंगाल में ममता बनर्जी के शासन में भी जंगलराज है, जहां लोकतंत्र खत्म हो चुका है। वहां यदि कोई जनप्रतिनिधि जांच करने बंगाल जाता है तो उस पर हमले हो शासन में एक आदिवासी समाज से आने वाले सांसद के ऊपर घातक हमला होता है और ममता बनर्जी खामोश रहती हैं, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। भारतीय जनता पार्टी इसकी भर्त्सना करती है। पश्चिम बंगाल की जनता वोट बैंक की राजनीति से, आतंकवाद से और घुसपैठ से ऊब चुकी है। आगामी विधानसभा चुनावों में ममता बनर्जी की निश्चित रूप से निर्णायक हार होगी।

संपूर्ण भारत को संगठन एवं संस्कार से सशक्त बनाना आरएसएस का ध्येय : अनिल

एजेंसी

वाराणसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक अनिल ने कहा कि संघ का ध्येय संपूर्ण भारत को संगठन एवं संस्कार से सशक्त बनाना है। संघ का शताब्दी वर्ष आत्ममंथन और आत्मविश्वास का कालखण्ड है। शताब्दी वर्ष केवल उत्सव का नहीं, स्व-चिंतन और स्व-संवर्धन का कालखण्ड है। क्षेत्र प्रचारक अनिल संघ के काशी उत्तर भाग, न्याय नगर की ओर से गिलट बाजार स्थित राज राजेश्वरी पार्क में आयोजित श्री विजयादशमी उत्सव एवं पथ संचलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वयंसेवक को स्वयं से प्रश्न करना चाहिए कि मैंने राष्ट्र की इस साधना में अपना कितना योगदान दिया। संघ मानता है कि किसी राष्ट्र की शक्ति उसकी राजनीति में

नहीं, संस्कृति में होती हैं। आज जब विश्व भौतिक प्रगति में डूबा है, तब भारत को 'विश्वगुरु' बनने का अवसर फिर से मिला है, परन्तु यह तभी संभव है जब हर नागरिक चरित्र, कर्तव्य और संगठन को अपने जीवन का आधार बनाए। उन्होंने कहा कि संघ का स्वयंसेवक केवल एक सामाजिक कार्यकर्ता ही नहीं अपितु वह राष्ट्र के पुनर्निर्माण का शिल्पकार है जो सेवा, संस्कार और समर्पण के माध्यम से समाज को जोड़ता है। क्षेत्र प्रचारक ने कहा कि हम पर ?विधर्मी 2000 हजार वर्ष से आक्रमण कर रहें हैं। संघ आज भी उनसे संघर्ष कर रहा है, आज भी भारत इस कुत्सित प्रयास करने वालों से लड़ रहा है। भारतीय होने का मूल तत्व - भारतीय संस्कृति, सनातन परम्परा है। उत्सव, पर्व को मनाने का वैज्ञानिक कारण है। भारत में वर्ष के 365 दिन में उत्सव व त्यौहार मनाए जाते है। सामान्य बोलचाल की भाषा में कहा जाता है की भारत में सप्ताह के सात वार और नव त्यौहार हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि अरविंद ने अपने भाषण में कहा भी है कि 'सनातन का उत्थान भारत का उत्थान है। सनातन का पतन हुआ, तो भारत का पतन होगा।' आदि शंकराचार्य ने भारतीय संस्कृति के मूल स्वर – एकत्व (एकात्मता) – का उद्घोष किया था।

मप्र में बनेगा अंतरराष्ट्रीय स्तर का कन्वेंशन सेन्टर, स्पेन के फीरा बार्सिलोना इंटरनेशनल के साथ हुआ एमओयू

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय स्तर का कन्वेंशन सेन्टर स्थापित किया जाएगा। इसके लिए भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेशन सेंटर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मध्य प्रदेश और स्पेन के फीरा बार्सिलोना इंटरनेशनल के बीच एमओयू हुआ। इस दौरान स्पेन के राजदूत जुआन एंटोनियो मार्च पुजोल, फीरा बार्सिलोना इंटरनेशनल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड जपाटेरो और संस्था के भारत प्रतिनिधि मुकेश अरोरा उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव से स्पेन के राजदूत जुआन एंटोनियो मार्च पुजोल ने विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह केन्द्र न केवल नवाचार एवं स्मार्ट शहरी समाधानों को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि वैश्विक स्तर के आयोजनों और निवेश सम्मेलनों की मेजबानी का मंच भी बनेगा। मध्य प्रदेश का लक्ष्य वैश्विक केन्द्र के रूप में अपनी पहचान को और अधिक सशक्त बनाना है। विशेष रूप से स्मार्ट शहरी समाधान, प्रौद्योगिकी और व्यापार संबंधी प्रदर्शनियों के आयोजन के क्षेत्र में राज्य अग्रणी अंतरराष्ट्रीय मानकों और अवसरों के अनुरूप विकास कर सकेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के इसी साल जुलाई में स्पेन प्रवास के दौरान संस्थान के पदाधिकारियों से चर्चा हुई थी और उन्होंने निवेशकों को मध्यप्रदेश आमंत्रित किया था। आज हुआ यह एमओयू दोनों पक्षों के बीच सांस्कृतिक-व्यापारिक रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा और मध्य प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय स्तर के कन्वेंशन, एक्जीविशन और व्यापार संबंधी संवाद, निवेश सम्मेलनों के लिए विश्वस्तरीय अधोसंरचना विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

उपराष्ट्रपति ने दलों के नेताओं से की मुलाकात, राज्यसभा के सुचारू संचालन में सहयोग की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्टपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने राज्यसभा में विभिन्न दलों के सदन के नेताओं से मुलाकात की और उच्च सदन के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने के उपायों पर चर्चा की। उपराष्टपति ने सदन के विषय पर पहली मुलाकात में इस बात पर ज़ोर दिया कि संवाद, चर्चा और विचार-विमर्श संसदीय लोकतंत्र के मूल सिद्धांत हैं। उपराष्टपति कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सभापति ने सदस्यों से आग्रह किया कि वे लोक महत्व के मुद्दों को उठाने के लिए शून्यकाल, विशेष उल्लेख और प्रश्नकाल जैसे उपलब्ध साधनों का पूरा उपयोग करें। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान और राज्यसभा की नियमावली संसदीय संवाद की लक्ष्मण रेखा निर्धारित करती है। उपराष्टपति ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सदन में हर दिन, हर घंटे, हर मिनट, हर सेकंड का उपयोग लोकतंत्र को मज़बूत करने के लिए किया जाना चाहिए। राधाकृष्णन ने सभी नेताओं को उनकी अंतर्दृष्टि और भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया और इस बातचीत को एक बड़ी सफलता बताया। संसद भवन एनक्सी में आयोजित मुलाकात के बाद कुछ सदस्यों ने पत्रकारों से बातचीत की। इसमें उन्होंने कहा कि सभापति से जाने। इसमें इसपर सहमति बनी कि सदन की कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से चले। विपक्ष की ओर से आग्रह रहा कि सार्वजनिक महत्व के मुद्दों पर चर्चा हो। हमें अपनी बात रखने का मौका दिया जाए। सभापति ने आश्वासन दिया है कि

उनकी पहली मुलाकात काफी सकारात्मक रही। सभी दल राज्यसभा को सुचारू रूप से चलाने में उनका सहयोग करेंगे। वे अपेक्षा करते हैं कि सभापति पक्ष एवं विपक्ष के साथ समान व्यवहार करेंगे। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि आज औपचारिक परिचयात्मक बैठक थी। एक अच्छी परंपरा शुरू हुई है जिसमें सभापति ने सबकी बात सुनी और सभी के विचार वे सभी सुझावों पर गंभीरता से विचार करेंगे और सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले, इसके लिए हर संभव प्रयास करेंगे। द्रमुक सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि सभापति के साथ एक अच्छा परिचय सत्र रहा। हमें उम्मीद है कि सदन के सुचारू संचालन के लिए वे पक्ष एवं विपक्ष के साथ समान व्यवहार करेंगे। हमने स्पष्ट किया कि हमारा कार्यवाही में बाधा डालने का कोई इरादा नहीं है।

भाजपा सांसद और विधायक पर हमले में शामिल हैं जिहादी और अवैध घुसपैठिए : समिक भट्टाचार्य

एजेंसी

कोलकाता। उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में सांसद खगेन मुर्मू और विधायक शंकर घोष पर हुए हमले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर चुनावी जात्रा शुरू होने से पहले डर और भय का माहौल पैदा करने का आरोप लगाया। समिक भट्टाचार्य ने दावा किया कि इस हमले के पीछे अवैध बांग्लादेशी प्रवासी और रोहिंग्या समूह है। इतना ही नहीं इसके लिए तृणमूल कांग्रेस द्वारा संरक्षण प्राप्त 'जिहादी तत्व' जिम्मेदार हैं। उन्होंने राज्य पुलिस पर भरोसा न होने की बात कहते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से मामले की जांच कराने की मांग की। भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेताओं पर यह हमला पूरी तरह से अपहरणकारी और अनियंत्रित था। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर चुनावी जात्रा शुरू होने से पहले डर और भय का माहौल पैदा करने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने सवाल उठाया कि उस समय मौके पर मौजूद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। उन्होंने कहा, अगर कोई सोचता है कि हमारे सांसद और विधायकों पर हमला करके भाजपा कार्यकर्ताओं में डर पैदा किया जा सकता है, तो वह पूरी तरह गलत हैं। हम राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विरोध करेंगे और तृणमूल को वही संदेश देंगे, जो उन्हें समझ आए। भट्टाचार्य ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा और कहा कि उत्तर बंगाल में लोगों की परेशानी और जान-माल के नुकसान के बावजूद उन्होंने रविवार को कोलकाता के रेड रोड पर दुर्गा पूजा के महोत्सव में भाग लिया, जो उनकी संवेदनशीलता की कमी को दर्शाता है। भाजपा नेता का कहना है कि उनके वीडियो फुटेज में घायल नेताओं को देखकर भी पार्टी ने संयम बरतते हुए किसी प्रकार की जल्दबाजी नहीं की। उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य में 'जिहादी तत्वों' के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और बंगाल में किसी भी प्रकार की जनसांख्यिकीय बदलाव की अनुमति नहीं दी जाएगी। भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा राज्य में संवैधानिक मूल्यों और कानून का उल्लंघन करने वाले किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगी।

ऑपरेशन सिंदूर में सशस्त्र बलों ने दिखाई संयुक्तता और रणनीतिक दूरदर्शिता की शक्ति : राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्टपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान संयुक्तता और रणनीतिक दूरदर्शिता का असाधारण प्रदर्शन किया, जिससे सीमापार के आतंकी ढांचे को ध्वस्त करने में सफलता मिली। उन्होंने कहा कि संतुलित और समन्वित त्रि-सेवा कार्रवाई के कारण प्रभावी तालमेल बना, जिसने इस अभियान को सफल बनाया। राष्टपति मुर्मु राष्टपति भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्टीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी) के 65वें कोर्स के संकाय और कोर्स सदस्यों को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट की सुरक्षा व्यवस्था उसके राष्टीय हितों और उद्देश्यों पर आधारित होती है, लेकिन भारत के लिए सार्वभौमिक मूल्य और मानवता की भावना इन हितों के केंद्र में हैं। भारतीय परंपरा ने हमेशा पूरी मानवता को एक परिवार के रूप में देखा है। उन्होंने कहा कि भारत की सेनाएं न केवल शांति और सार्वभौमिक भाईचारे की पक्षधर हैं, बल्कि वे मानवता और राष्ट के विरोधी तत्वों से निपटने के लिए सदैव तत्पर रहती हैं। उन्होंने इस संदर्भ में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को जारी है। राष्टपति ने बदलते भू-राजनीतिक और सुरक्षा परिदृश्य में गतिशील प्रतिक्रिया की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि भारत अपनी

त्रि-सेवा सहयोग और रणनीतिक दृष्टि का प्रतीक बताया। राष्टपति ने कहा कि संयुक्तता को बढ़ावा देने की प्रक्रिया सैन्य मामलों के विभाग की स्थापना और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की नियुक्ति से शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि अब इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड्स और इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप्स की स्थापना की दिशा में कार्य सेनाओं को तकनीकी रूप से सशक्त, बहु-क्षेत्रीय एकीकृत अभियानों में सक्षम बल में बदलने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने राष्टीय रक्षा महाविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि यह अंतरराष्टीय कार्यक्रम अब एक मानक शिक्षण पहल बन चुका है, जो सुरक्षा से जुड़े राष्टीय, क्षेत्रीय और वैश्विक सहयोग को मजबूत कर रहा है।

योगी सरकार की यूपी पुलिस ने साढ़े आठ लाख वाहनों को किया चेक, 9 हजार से अधिक वाहनों से हटाई काली फिल्म

एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार के मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत महिलाओं और बेटियों को सुरक्षित माहौल देने के लिए गाड़ियों की काली फिल्म हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया है। यह अभियान 22 सितंबर से प्रदेशभर में चलाया गया, जो वर्तमान में भी चल रहा है। वहीं 22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक साढ़े आठ लाख से अधिक वाहनों की चेकिंग की गयी। इसके साथ ही उच्च अधिकारियों अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिदेशक, उप महानिरीक्षक, पुलिस आयुक्त, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारी द्वारा अपनी टीम के साथ फुट पैट्रोलिंग की गयी। मिशन शक्ति 5.0 अभियान की नोडल अधिकारी एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि अभियान के तहत पुलिस अधिकारियों द्वारा सड़क पर गाड़ियों की जांच की गयी। इस दौरान गाड़ियों की काली फिल्म को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया है। इस दौरान 71,473 स्थानों की 24,457 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा 8,50,182 वाहनों की चेकिंग की गयी। अब तक 9,488 काली फिल्में हटाई जा चुकी हैं। इसके अलावा 2,817 हूटर और 1,087 बत्तियां भी हटाई गई हैं। यह कदम सड़क पर अपराधों को रोकने और महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इसके साथ ही, गलत स्थान पर पार्क किए गए वाहनों के खिलाफ 18,215 चालान भी किए गए हैं, ताकि ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके और सड़क पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचा जा सके। महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से वाहन पर शासकीय और जाति सूचक शब्दों के इस्तेमाल पर भी कड़ी कार्रवाई की गई है और 14,504 ऐसे मामले सामने आए हैं। अभियान के दौरान 3,38,305 व्यक्तियों को चेतावनी दी गयी। एडीजी ने बताया कि वाहन नियमों का उल्लंघन करने पर 1,93,829 वाहनों का चालान किया गया है, जबकि 3,654 वाहनों को सीज भी किया गया है। कुल 251 पंजीकृत अभियोगों के साथ-साथ 450 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है, जो ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। इसके अलावा स्टंटबाजों के लिखाफ भी कड़ी कार्रवाई की गयी। इस दौरान 55,832 स्थानों की 21,324 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा 5,26,184 वाहनों की चेकिंग की गयी। अभियान के दौरान 770 स्टंटबाजी के मुकदमे दर्ज किये गये जबकि 263 स्टंटबाजों को गिरफ्तार किया गया।

महिला विश्व कप क्रिकेट में आज आमने-सामने होंगे भारत और दक्षिण अफ्रीका

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। महिला विश्वकप क्रिकेट में गुरुवार को भारतीय टीम का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में भी अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखना रहेगा। भारतीय टीम ने अब तक श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया है और वह अंकतालिका में दूसरे नंबर पर है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी पहले नंबर पर है। भारतीय टीम अगर दक्षिण अफ्रीका को हरा देती है तो वह शीर्ष पर पहुंच जाएगी। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित शीर्ष क्रम की बल्लेबाज पहले दो मैचों में असफल रही हैं, ऐसे में अब उनका लक्ष्य इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। भारतीय टीम को इस मैच में हरमनप्रीत के अलावा स्मृति मंधाना से भी बड़े स्कोर की उम्मीद रहेगा। ये तीनों ही श्रीलंका और पाक के खिलाफ विफल रहीं थी। अब तक हरलीन देयोल, अमनजोत कौर , रिचा घोष और दीप्ति शर्मा ने अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम को इनसे इस मैच में भी उसी प्रकार का प्रदर्शन करने की उम्मीद रहेगी। पहले दोनो ही मैचों में भारतीय टीम को निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि इस तरह की गलती स्वीकार नहीं की जा सकती और शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को बेहतर रन बनाने होंगे। अगर परिणाम भारत के पक्ष में नहीं रहता तो अंकतालिका में वह नीचे आ सकती है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 12 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले के लिए भी टीम पर दबाव बढ़ जाएगा।

पिछले दो मैचों में मुख्य बल्लेबाजों के नहीं चलने पर भी जीत मिलना टीम की गहराई और जुनून को दिखता है। वहीं दूसरी ओर गेंदबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्हें यह भी ध्यान रखना होगा कि विशाखापत्तनम की पिच गुवाहाटी या कोलंबो की तरह नहीं है। इसमें बल्लेबाजों को सहायता मिलती है। इसलिए और बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। दीप्ति ने अभी तक छह विकेट

लिए है। उन्हें स्पिनरों स्नेह राणा और श्री चरणी से अच्छा सहयोग मिला है। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। बीमारी के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बाहर रही ऑलराउंडर अमनजोत कौर भी फिट होने पर इस मैच में खेल सकती हैं। ऐसे में रेणुका सिंह को बाहर बैठना होगा।

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका ने पिछले मैच में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वह वहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 69 रन पर ही आउट हो गयी थी पर उसके बाद संभल गयी है और अब कोई गलती नहीं करना चाहेगी। उसके पास तजमीन ब्रिट्ज और सुने लूस के अलावा कप्तान लौरा वोल्वार्ट, मरियाने काप और एलेके बॉश जैसी बल्लेबाज हैं। तजमीन ने पिछले मैच में शानदार शतक लगाया था और वह ऐसा ही प्रदर्शन इस मैच में भी करना चाहेंगी। वहीं गेंदबाजी में नोंकु एमलाबा, अयाबोंगा खाका, काप, मसाबाता क्लास और क्लो ट्रायॉन जैसी गेंदबाज हैं जिनसे भारतीय टीम को सावधान रहना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरूंधति रेड्डी, क्रांति गौड़

दक्षिण अफ्रीका = लौरा वोलवार्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, मरियाने काप, तजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता, नॉनकुलुलेको एमलाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लूस, काराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे।

नीरज चोपड़ा ने स्विट्ज़रलैंड में पूरी की रिकवरी, अगले सीजन में दमदार वापसी के लिए तैयार

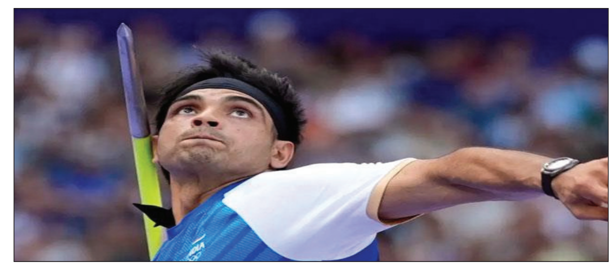

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने बताया कि वे स्विट्ज़रलैंड में अपनी रिकवरी पूरी कर अगले सत्र में और बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। इस साल चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन उन्होंने इससे बहुत कुछ सीखा और अनुभव तथा आत्मविश्वास भी बढ़ाया।

हरियाणा के इस एथलीट ने इस साल दोहा में 90 मीटर की दूरी पार की, लेकिन विश्व चैम्पियनशिप में पदक नहीं जीत सके। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस में रजत पदक जीत चुके नीरज ने कहा, 'बेहतर प्रदर्शन की गुंजाइश हमेशा रहती है और यही प्रेरित करती है। अब मेरा फोकस रिकवरी और अगले सत्र में मजबूती के साथ वापसी पर है। शरीर अच्छा महसूस कर रहा है और थोड़े आराम और रिकवरी के बाद मैं बेहतर वापसी कर सकूंगा।'

नीरज ने स्विट्ज़रलैंड की खूबसूरती और प्रशिक्षण सुविधाओं की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि उन्हें स्विस पहाड़, हरियाली, इंटरलाकेन से बर्न्स और लुसाने तक की ट्रेन यात्राएँ बेहद पसंद हैं। उन्होंने याद किया कि 2022 में स्विट्ज़रलैंड ने उन्हें 'दोस्ती दूत' बनाया और जुंगफ्राउजोच के 'आइस पैलेस' में सम्मानित किया, जहाँ पहले टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर और गोल्फर रोरी मैकलरॉय सम्मानित हो चुके हैं।

नीरज ने कहा, 'मैंने ज्यूरिख में डायमंड लीग ट्रॉफी (2022) जीती, जो मेरे लिए खास है। मैग्लिंगन में मैंने स्विस ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र में अभ्यास किया और बुडापेस्ट में विश्व चैम्पियनशिप से पहले भी वहीं ट्रेनिंग की थी, जहाँ मैंने स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा मैंने परिवार और दोस्तों के साथ स्विट्ज़रलैंड का आनंद लिया। यह देश मुझे हमेशा याद रहेगा।'

नीरज ने यह भी स्पष्ट किया कि वे भारत से बाहर रहते हैं क्योंकि अधिकांश प्रतिस्पर्धाएँ विदेशों में होती हैं, खासकर यूरोप में। भारत में रहते हुए यात्रा और अभ्यास के साथ शेड्यूल बहुत व्यस्त हो जाता है, लेकिन स्विट्ज़रलैंड में उन्हें अभ्यास और रिकवरी दोनों के लिए सुविधा मिलती है।

धोनी मुंबई इंडियंस के लोगो वाली टी शर्ट में नजर आये

मुम्बई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को पांच बार आईपीएल खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी के आईपीएल 2026 में खेलने को लेकर अभी तक संशय बना हुआ है। हर बार बढ़ती उम्र को देखते हुए उनके संन्यास की अटकलें लगायी जाती रही हैं पर धोनी मैदान में उतरकर सबको हैरान कर देते हैं। वहीं अब एक नई तस्वीर आई है। इसमें धोनी आईपीएल टीम मुम्बई इंडियंस के लोगो लगी ड्रेस में नजर आये। इसके बाद से ही प्रशंसक अटकलें लगाने लगे कि धोनी कहीं मुम्बई इंडियंस में तो नहीं जा रहे। इस तस्वीर में धोनी कुछ क्रिकेटरों और कुछ प्रशंसक के साथ जो टी शर्ट पहने हुए हैं, उस पर मुंबई इंडियंस का लोगो लगा हुआ है। धोनी वैसे तो एक फुटबॉल गेम का हिस्सा बने थे पर किट पर एमआई का लोगो देख हर कोई अटकलें लगाने लग गया है कि वे अगले सत्र में मुंबई इंडियंस की ओर

से खेल सकते हैं। इतना ही नहीं, प्रशंसक ने कहा कि रोहित शर्मा को चेन्नई शामिल ककरें वहीं कुछ प्रशंसक धोनी से नाराज भी दिखे। उनका कहना था कि उन्हें सीएसके टीम के पास ही बने रहना चाहिये। एमएस धोनी से नाराज भी नजर आए। एक यूजर ने लिखा कि धोनी एमआई और रोहित सीएसके जा सकते हैं। इससे पहले धोनी ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ चेन्नई के अंतिम लीग मैच के बाद कहा, मेरे पास आईपीएल खेलने पर फैसला लेने के लिए चार-पांच महीने हैं, इसलिए मैं कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता हूं।

सचिन तेंदुलकर ने भारतीय वायुसेना दिवस पर जताया गर्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने 93वें भारतीय वायुसेना दिवस पर अपने खास अंदाज़ में देश के वीर आसमानी योद्धाओं को नमन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना सिर्फ हमारे आसमान की नहीं, बल्कि 1.4 अरब भारतीयों की आकांक्षाओं की भी रक्षा करती है। सचिन ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'भारतीय वायु सेना का हिस्सा बनकर गर्व है। भारतीय वायुसेना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! जय हिंद!'

हिंडन एयरबेस पर गूंजा जश्न

वायुसेना दिवस का मुख्य समारोह गाजियाबाद के हिंडन वायुसेना स्टेशन पर आयोजित हुआ, जहाँ आसमान में उड़ते फाइटर जेट्स और जमीन पर मार्च करती टुकड़ियों ने सबका दिल जीत लिया। इस मौके पर ऑपरेशन 'सिंदूर' को भी विशेष श्रद्धांजलि दी गई, जो भारतीय वायुसेना के

इतिहास का गौरवशाली अध्याय है।

1932 से आज तक का गौरवशाली सफर

भारतीय वायुसेना की स्थापना 8 अक्टूबर 1932 को ब्रिटिश भारत की सहायक इकाई के रूप में हुई थी। आज यह दुनिया की सबसे शक्तिशाली वायुसेनाओं में गिनी जाती है, जिसका मूल उद्देश्य भारत के वायुक्षेत्र की सुरक्षा और आपात स्थिति में हवाई युद्ध संचालन करना है।

क्रिकेट जगत से भी देशभक्ति की गूंज

सिर्फ सचिन ही नहीं, बल्कि भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर और पूर्व ओपनर शिखर धवन ने भी वायुसेना को सलाम किया। गंभीर ने लिखा, ÷हमारे आसमान के रक्षकों को सलाम!÷ वहीं धवन ने कहा, ÷उन लोगों को नमन जो सच में आसमान के मालिक हैं - जय हिंद!÷

टीम इंडिया का अगला मिशन

क्रिकेट मोर्चे पर, भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट 10 अक्टूबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद टीम ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाएगी, जहां 19 अक्टूबर से तीन मैचों की वनडे सीरीज़ और 29 अक्टूबर से 5 टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। यह सीरीज़ अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज़ से बेहद अहम मानी जा रही है।

जोकोविच का शानदार प्रदर्शन,चोट के बावजूद मैच जीतकर क्वार्टरफाइनल में किया प्रवेश

शंघाई। नोवाक जोकोविच ने अपने बाएं टखने की चोट, शंघाई की उमस और जौम मुनार की चुनौती के बावजूद 11वीं बार शंघाई मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। दो घंटे 40 मिनट चले इस मुकाबले में सर्बियाई स्टार को पैर की समस्या के कारण कई बार मेडिकल टाइमआउट लेने पड़े और उच्च उमस (82 प्रतिशत से अधिक) के बीच उन्होंने बार-बार सिर पर टॉवल रखा। खेल के दौरान जोकोविच को उल्टी भी हुई और दूसरे सेट में हार के बाद मेडिकल सहायता के लिए जमीन पर गिरना पड़ा। बावजूद इसके, 38 वर्षीय खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुनार को 6-3, 5-7, 6-2 से हराया। जोकोविच शंघाई में अब तक हर साल क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे हैं

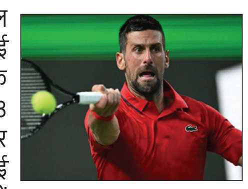

और चार बार ट्रॉफी जीत चुके हैं। वर्तमान में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी और ड्रॉ में शीर्ष रैंकिंग वाले बाएं हाथ के खिलाड़ी का अगला मुकाबला बेल्जियम के ज़िज़िओउ बर्ग्स से होगा। वहीं, मंगलवार को होल्गर रूण लगभग तीन साल बाद अपने पहले अक्क मास्टर्स 1000 खिताब के करीब पहुंचे, जब उन्होंने फ्रांसीसी खिलाड़ी जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड को 6-4, 6-7(7), 6-3 से हराया।

इसी माह रणजी सत्र से वापसी कर सकते हैं ऋषभ

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरे में चोटिल होने के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत इसी माह से खेल के मैदान पर उतर सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ऋषभ 25 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में दिल्ली की ओर से खेल सकते हैं। इससे उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की राह बनेगी। इस विकेटकीपर बल्लेबाज इंग्लैंड दौरे में पैर में चोट लगी थी, जिसके बाद वह टीम से बाहर हो गए थे। वह इस समय अपने पुनर्वास के अंतिम चरण में हैं। इस सप्ताह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में उनकी फिटनेस की जांच की जाएगी। अब वह आराम से चल रहे हैं और भार प्रशिक्षण व गतिशीलता अभ्यास के साथ उन्होंने बल्लेबाजी में लय भी हासिल कर ली है। वह अगर फिट घोषित कर दिया जाता है तो वह दिल्ली टीम से जुड़ सकते हैं। दिल्ली की टीम 15 अक्टूबर को हैदराबाद के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के मुताबिक, पहले मैच में उनका खेलना थोड़ा संदिग्ध है, पर वह दूसरे दौर से टीम की कप्तानी कर सकते हैं।

राउंडग्लास हॉकी अकादमी का जलवा बरकरार, लगातार दूसरी बार जीता अंडर-16 खिताब

मोहाली (एजेंसी)। RGHA (राउंडग्लास हॉकी अकादमी) ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए एसएनबीपी ऑल इंडिया अंडर-16 बॉयज हॉकी टूर्नामेंट का खिताब एक बार फिर अपने नाम किया। पुणे के बालेवाड़ी महालुंगे में खेले गए फाइनल में आरजीएचए ने ओडिशा नेवल टाटा ग्रासरूट्स अकादमी को 3-1 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

विजेता टीम की ओर से प्रह्लाद पांडे ने दो गोल दागे, जबकि अर्शप्रीत सिंह ने एक गोल करते हुए टीम को खिताबी जीत दिलाई। ओडिशा नेवल टाटा की ओर से बिकाश मांझी ने एकमात्र गोल किया।

मैच की शुरुआत से ही आरजीएचए ने आक्रामक खेल दिखाया और 14वें मिनट में अर्शप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में

बदलकर बढ़त दिलाई। हालांकि 34वें मिनट में बिकाश मांझी ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद आरजीएचए ने नियंत्रण दोबारा हासिल करते हुए 38वें और 53वें मिनट में प्रह्लाद पांडे के शानदार गोलों से जीत पक्की की।

टूर्नामेंट में अर्शदीप सिंह को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, जबकि वरिंदर सिंह को सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड का पुरस्कार मिला।

सेमीफाइनल में आरजीएचए ने घुमनहेड़ा राइजर्स हॉकी अकादमी (नई दिल्ली) को 8-2 से हराया था। इस मैच में वरिंदर सिंह ने हैट्रिक लगाई, जबकि रोहित पाल और अर्शप्रीत सिंह ने दो-दो गोल किए।

क्वार्टरफाइनल में भी आरजीएचए का दबदबा कायम रहा, जहां उन्होंने जय हॉकी अकादमी को 9-0 से हराया। वरिंदर सिंह ने एक और हैट्रिक लगाई, जबकि रोहित पाल, प्रह्लाद पांडे, अर्शदीप सिंह, अर्जनदीप सिंह और अर्शप्रीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया।

कोच विकास पाल के मार्गदर्शन में खेल रही यह युवा टीम पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रही। ग्रुप चरण में भी उन्होंने वीर हॉकी अकादमी को 11-0 और इन्फिनिटी हॉकी अकादमी को 8-0 से हराते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

विश्व जूनियर बैडमिंटन : भारत ने यूएई को हराकर क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

गुवाहाटी। भारत ने नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में यूएई को सीधे सेटों में हराकर योनेक्स-सनराइज बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप 2025 के क्वार्टरफाइनल की तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। भारत ने यूएई को 45-37, 45-34 से हराते हुए आत्मविश्वास से भरा प्रदर्शन किया। टीम की शुरुआत तन्वी शर्मा ने की, जिन्होंने भारतीय जूनियर चैंपियन प्रकृति भरत को 9-5 से हराया। इसके बाद सी लालरामसांगा और विशाखा टोप्पो की मिश्रित युगल जोड़ी ने भी 18-10 से जीत दर्ज की। यूएई ने लड़कों के एकल और युगल मुकाबलों में अच्छी चुनौती दी, लेकिन भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी। ग्रुप ए में भारत के अलावा जापान, थाईलैंड, अमेरिका और फ्रांस ने भी शानदार प्रदर्शन किया। जापान ने शीर्ष वरीयता प्राप्त थाईलैंड को हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि अमेरिका ने फ्रांस को हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अब भारत को अपने क्वार्टरफाइनल प्रतिद्वंदी का पता ग्रुप जी में शीर्ष पर रहने वाली टीम के मुकाबले के बाद ही चलेगा। भारत इस टूर्नामेंट में एकमात्र अपराजित टीम के रूप में आगे बढ़ रहा है, और टीम के खिलाड़ियों का प्रदर्शन देश के लिए उम्मीद जगाता है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ेगा : फिंच

सिडनी (एजेंसी)। रोहित शर्मा की जगह पर नये कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इसी माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इस दौरे में भारतीय टीम तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। इसी को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच की प्रतिक्रिया सामने आयी है। फिंच का कहना है कि ये सीरीज रोमांचक रहेगी पर इसमें भारतीय टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ सकता है। फिंच के अनुसार देखने पर दोनो ही टीमें बराबरी पर नजर आती हैं पर ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने घरेलू मैदान होने के कारण हावी रहेगी। फिंच का कहना है कि इस दौरे में सभी की नजरें विराट कोहली को एक बार फिर खेलते हुए देखने पर रहेंगी।

फिंच ने कहा, 'यह एक अच्छी सीरीज होगी। भारत के खिलाफ हमेशा ही रोमांचक मुकाबला होता है और मुझे लगता है कि विराट की वापसी से उनके खेल में और निखार आएगा। कागज पर यह मुकाबला हालांकि बहुत ही बराबरी का है लेकिन मैं कहूंगा कि ऑस्ट्रेलिया 2-1 से सीरीज जीत सकता है।'

फिंच ने हाल में टेस्ट प्रारुप में गिल की कप्तानी की प्रशंसा की। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि गिल को रोहित और विराट का भी सहयोग मिलेगा जो उन्हें इंग्लैंड दौरे पर नहीं मिल पाया था। फिंच ने कहा. ÷शुभमन ने पहले ही टी20 और टेस्ट क्रिकेट में अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाई है, इसलिए मुझे भरोसा है कि यह कोई अलग नहीं होगा। वह एक शानदार खिलाड़ी हैं, खासकर सफेद गेंद के फॉर्मेट में और जिस तरह से उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कप्तानी की। उससे उनकी क्षमताओं का अंदाजा होता है। ये भारतीय टीम लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत है कि वह अगले कदम के लिए तैयार हैं और सभी तीन फॉर्मेट को भविष्य में संभाल सकते हैं।'

इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में उनके पास सलाह के लिए ज्यादा विकल्प नहीं थे पर इसके बाद भी शुभमन ने अपने बल पर ही शानदार काम किया पर इसक बार रोहित और कोहली के होने से वह और अधिक बेहतर तरीके से कप्तानी कर पायेंगे। वह जानते हैं कि टीम को कैसे आगे ले जाना है।

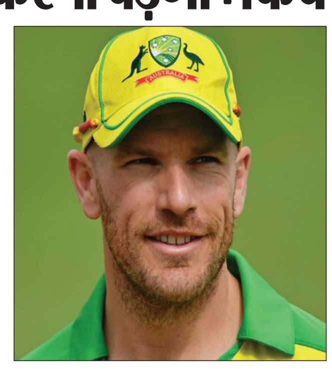

धवन पर मुक्के बरसाना चाहता है पाक स्पिनर अबरार

लाहौर। पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद के एक ताजा वीडियो से भारतीय टीम के प्रति पाक क्रिकेटरों की नफरत का खुलासा हुआ है। अबरार इस वीडियो के दौरान एक साक्षात्कार देते नजर आये। इसमें जब उनसे पूछा गया कि आप किस भारतीय क्रिकेटर से गुस्से में रहते हैं तो अबरार ने सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का नाम लिया और कहा कि वह धवन पर घूंसे बरसाना चाहते हैं। अब पाक क्रिकेटर ने ये मजाक में कहा या किसी और कारण से ये स्पष्ट नहीं हुआ है। बहरहाल इस वीडियो पर प्रशंसकों ने नाराजगी जताते हुए इससे खेल भावना के विपरीत बताया है। अबरार पहले भी अपने बेतुके सेलिब्रेशन के कारण विवादों में रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने कई बार उनकी क्लास लगायी है। वह भारतीय टीम के खिलाफ विकेट लेने के बाद अलग ही अंदाज में जश्न मनाते रहे हैं। इस दौर गर्दन घुमाते और आंखों को मटकाते रहे हैं। इसी साल चैंपियंस ट्रॉफी में शुभमन गिल को आउट करने के बाद उन्होंने गर्दन को झटक-झटक आंखों को अलग ही अंदाज में मटकाकर भारतीय प्रशंसकों को उकसाने का प्रयास

किया था। पिछले महीने एशिया कप के फाइनल में भी संजू सैमसन को आउट करने के बाद भी उन्होंने गर्दन को अजीब तरह से हिलाया था। अबरार ने अब तक पाकिस्तान के लिए 10 टेस्ट और 11 एकदिवसीय खेले हैं। टेस्ट में उनके नाम 46 विकेट और एकदिवसीय में 18 विकेट दर्ज हैं। उन्होंने 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 29 विकेट लिए हैं। अबरार एशिया कप फाइनल में 29 रन देकर एक विकेट लिया था। संजू सैमसन को आउट करने के बाद उन्होंने गर्दन हिलाकर आंखों को खास अदा से मटकाकर भारतीय प्रशंसकों को चिढ़ाया था।

जडेजा और सिराज ने रचा इतिहास, आईसीसी रैंकिंग में हासिल किया करियर का सर्वश्रेष्ठ मुकाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दो प्रमुख चेहरे रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज ने आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में अपने करियर की नई ऊंचाइयां छू ली हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के बाद दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में बड़ा मुकाम हासिल किया। जडेजा बल्लेबाजी और ऑलराउंडर रैंकिंग में उछले, जबकि सिराज गेंदबाजी सूची में चमके।

जडेजा की शानदार बल्लेबाजी और ऑलराउंड प्रदर्शन

रवींद्र जडेजा ने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ पहली पारी में नाबाद 104 रन बनाकर बल्लेबाजी रैंकिंग में 25वां स्थान हासिल किया जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ है। साथ ही चार विकेट लेकर उन्होंने ऑलराउंडर रैंकिंग में अपनी शीर्ष स्थिति और मजबूत कर ली। अब उनके कुल 644 रेटिंग पॉइंट्स हैं और मेहदी हसन पर 125 अंकों की बढ़त है।

सिराज गेंदबाजी रैंकिंग में पहुंचे 12वें स्थान पर

तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज ने अपनी लय को जारी रखते हुए पहली पारी में 4 और दूसरी में 3 विकेट झटके। इस प्रदर्शन के दम पर वह तीन स्थान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुँच गए हैं। सिराज के करियर में पहली बार 700 से अधिक रेटिंग अंक हुए हैं, जिससे वह दुनिया के शीर्ष तेज़ गेंदबाज़ों में शुमार हो गए हैं।

राहुल और जुरेल को भी रैंकिंग में फायदा

केएल राहुल और ध्रुव जुरेल ने अहमदाबाद टेस्ट में अपने शतकों से टीम इंडिया की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके चलते राहुल चार पायदान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर आ गए हैं, जबकि जुरेल ने अपने पहले ही टेस्ट शतक के बाद 20 स्थान की छलांग लगाते हुए 65वें पायदान पर जगह बनाई।

कुलदीप यादव का भी शानदार प्रदर्शन

बाएँ हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव ने भी प्रभावशाली गेंदबाज़ी जारी रखी। उन्होंने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दो अहम विकेट लेकर रैंकिंग में सात स्थान की छलांग लगाई और अब वह 21वें स्थान पर हैं। यह प्रदर्शन उनके टेस्ट करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में गिना जा रहा है।

टी20 रैंकिंग में भी हुए बड़े बदलाव

आईसीसी टी20 रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान

मिशेल मार्श ने शानदार बल्लेबाज़ी से टॉप 10 में वापसी की है। वहीं न्यूज़ीलैंड के टिम रॉबिन्सन और अफ़ग़ानिस्तान के राशिद खान ने भी उल्लेखनीय प्रगति की। राशिद अब गेंदबाज़ी सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं जो पिछले साल जून के बाद उनका सबसे ऊंचा स्थान है।

भागवत के किरदार में आई चुनौतियों पर बोले जितेंद्र कुमार

अभिनेता जितेंद्र कुमार इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्म भागवत चैप्टर 1- राक्षस को लेकर चर्चा में हैं। इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। जितेंद्र इस फिल्म में नेगेटिव रोल अदा करते दिखेंगे।

फिल्म भागवत में जितेंद्र कुमार को पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में देखा जाएगा। फिल्म की रिलीज से पहले जितेंद्र कुमार ने एक बिल्कुल अलग किरदार में अपनी दिलचस्पी को लेकर बात की। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में जितेंद्र ने कहा कि वह पिछले दो वर्षों से इस प्रोजेक्ट से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, यह एक हैरान कर देने वाली फिल्म है और इसे आश्चर्यजनक तरीके से बनाया गया है। हम ट्रेलर को मिली प्रतिक्रियाओं से काफी खुश हैं।

किरदार के लिए लेखक और निर्देशक से की लंबी बात

जितेंद्र ने अपने किरदार को लेकर कहा कि उन्होंने इस भूमिका में ढलने के लिए लेखकों और निर्देशक के साथ व्यापक चर्चा की थी। जितेंद्र ने कहा, यह सुनिश्चित किया गया कि किरदार में रियलिज्म बरकरार रहे और मेरे किरदार की अलग-अलग परतों में भी यह हकीकत नजर आए। सभी सीन असली रियल लोकेशन पर फिल्माए गए, लेकिन मुझे कहानी की पृष्ठभूमि में गहराई से न जाने के लिए कहा गया, क्योंकि कहानी वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित है। उन्हें लगा कि यह गलत दिशा में जा सकती है।

किरदार का हर हिस्सा अलग है

जितेंद्र ने अपने किरदार को चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने आगे कहा, इस भूमिका का हर हिस्सा एक अलग रंग और परत लेकर आता है। कुछ ऐसा, जो मैंने पहले कभी नहीं किया था। जितेंद्र ने बताया कि शूटिंग के दौरान खासकर एक सीन पूरा करने के बाद वह उत्साहित और घबराए हुए दोनों थे। उन्होंने आगे कहा, जब भी हम कोई नया सीक्वेंस शूट करते थे तो मैं अपनी परफॉर्मेंस को लेकर बहुत उत्सुक रहता था। हर सीन मुझे घबराहट से भर देता था। मैं सोचता था कि मुझे इसे जल्दी से करना है और फिर देखना है कि यह कैसा बना है। मुझे आगे क्या बदलाव करने की जरूरत है?

आनंद देवरकोंडा के भाई संग पर्दे पर रोमांस करेंगी नितांशी गोयल

फिल्म लापता लेडीज से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नितांशी गोयल अब एक बड़े प्रोजेक्ट में नजर आने वाली हैं। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक नितांशी जल्द ही तेलुगु सिनेमा के लोकप्रिय चेहरे आनंद देवरकोंडा के साथ अपनी पहली पैन-इंडिया फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी। लंबे समय से नितांशी के फैंस उनकी अगली फिल्म का इंतजार कर रहे हैं और अब इस खबर के बाद फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है।

पैन-इंडिया फिल्म की शुरुआत

अब खबर है कि नितांशी, आनंद देवरकोंडा के साथ एक पैन-इंडिया प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रही हैं। इस फिल्म को सितारा एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रही है और शूटिंग अगले महीने शुरू होगी। बताया जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट 2025 की सबसे बड़ी क्रॉस-इंडस्ट्री फिल्मों में से एक होगा, जिसमें हिंदी और साउथ सिनेमा की लोकप्रियता को जोड़कर नए दर्शकों तक पहुंचने की कोशिश की जाएगी। हालांकि फिलहाल मेकर्स की ओर से इसे लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। खबरें हैं कि फिल्म के मेकर्स ने इसे बड़े पैमाने पर बनाने का प्लान तैयार किया है। भव्य सेट, दमदार म्यूजिक और स्टाइलिश विजुअल्स के साथ यह फिल्म दर्शकों को नया अनुभव देने वाली है। हालांकि कहानी अभी तक गुप्त रखी गई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि यह एक एनर्जेटिक एंटरटेनर होगी, जो हर उम्र के दर्शकों को आकर्षित करेगी।

नितांशी का बढ़ता सफर

सिर्फ यही नहीं, नितांशी को एक और बड़े प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किया गया है। खबरों के अनुसार, वह अभय वर्मा के साथ रन्ना सिन्हा के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में भी नजर आ सकती हैं। माना जा रहा है कि यह फिल्म शादी में जरूर आना के सीक्वल के तौर पर तैयार की जा रही है।

कान रेड कार्पेट पर भी छाई

नितांशी ने हाल ही में कान्स फिल्म फेस्टिवल में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। वहां उन्होंने अपने लुक्स से पुराने दौर की दिग्गज अभिनेत्रियों- रेखा, मधुबाला, मीना कुमारी, नरगिस और श्रीदेवी को ट्रिब्यूट दिया। उनके इस अंदाज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्हें लाइमलाइट में ला दिया।

लापता लेडीज से मिली पहचान

किरण राव के निर्देशन में बनी लापता लेडीज में नितांशी गोयल की एक्टिंग को खूब सराहा गया था। उनके साथ इस फिल्म में प्रतिभा रांटा और स्पर्श श्रीवास्तव भी मुख्य भूमिकाओं में थे। साधारण लड़की के किरदार को उन्होंने जिस गहराई और मासूमियत से निभाया, उसने दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई। इसी फिल्म ने उन्हें इंडस्ट्री का उभरता सितारा बना दिया।

भाई टोनी के साथ नया गाना कोका कोला-2 लेकर आ रही हैं नेहा कक्कड़

मशहूर सिंगर नेहा कक्कड़ और टोनी कक्कड़ फैंस के लिए तोहफा लेकर आ रहे हैं। नेहा ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से बताया कि वह कोका-कोला गाने का नया वर्जन लेकर आ रही हैं। नेहा कक्कड़ ने फैंस की उत्सुकता बढ़ाने के लिए इंस्टाग्राम पर गाने का पोस्ट साझा किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, कोका कोला-2 जल्द ही आने वाला है। तस्वीरों में नेहा भाई टोनी और जूनियर के साथ नजर आ रही हैं। नेहा एक शानदार लग्जरी कार पर स्टाइलिश पोज दे रही हैं, जबकि उनके दोनों तरफ भाई टोनी कक्कड़ और छोटा जूनियर खड़े हैं। नेहा ने कैप्शन में लिखा, कोका कोला-2 जल्द ही आने वाला है। यह पोस्ट देख फैंस गाने को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। इस नए वर्जन में टोनी कक्कड़ ने कम्पोजिंग, प्रोडक्शन और लिरिक्स का जिम्मा संभाला है। फैंस को उम्मीद है कि उनका क्रिएटिव टच हमेशा की तरह इस बार भी धमाकेदार रहेगा। डायरेक्शन का दमदार काम इनफिलेक्ट ने संभाला है। बता दें, सॉन्ग कोका-कोला पहले टोनी कक्कड़ ने रैपर यंग देसी के साथ मिलकर बनाया था, जिसके बाद यह काफी वायरल हुआ था। इसके बाद इसे 2019 में फिल्म लुका-छुपी में नए वर्जन में रिलीज किया गया था। गाने को नेहा और टोनी कक्कड़ ने अपनी मधुर आवाज में गाया है। इसके लिरिक्स टोनी और मैलो-डी ने मिलकर लिखे थे। वहीं टोनी ने संगीतबद्ध भी किया था। रैपिंग का काम यंग देसी ने किया था। अब यह गाना फैंस की उम्मीदों को पूरा करने को बेताब है।

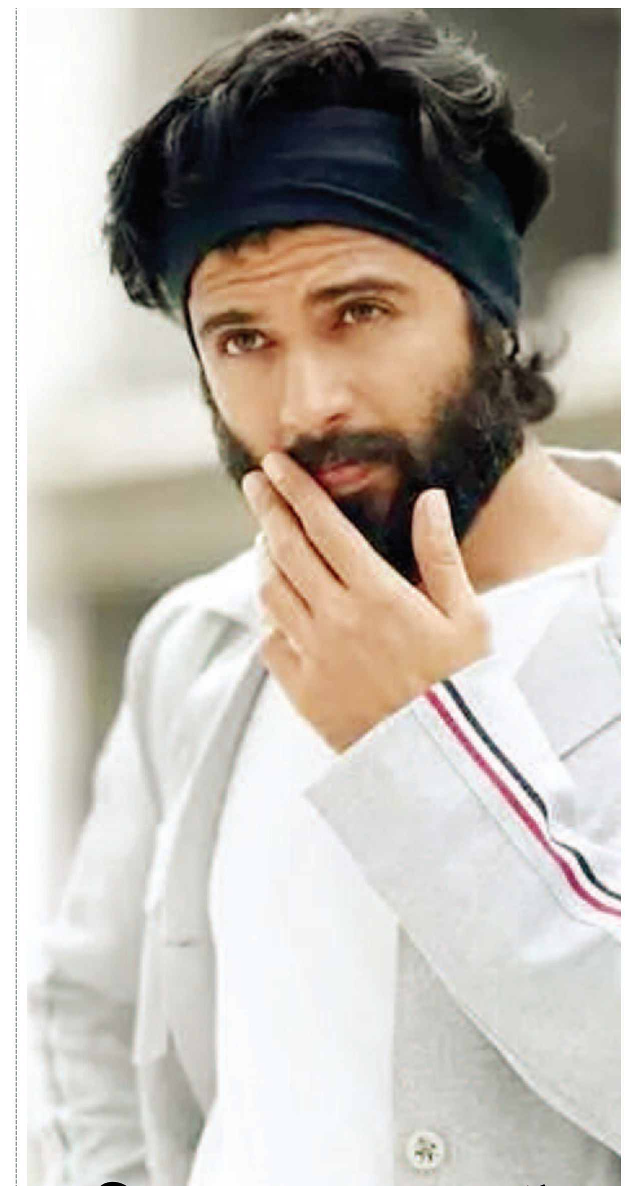

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने की सगाई!

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना के अफेयर की खबरें अक्सर मीडिया की सुर्खियों में रहती हैं। कथित तौर पर एक निजी समारोह में इन दोनों ने सगाई कर ली है। अगले साल फरवरी में इनके घर शहनाई बज सकती है।

निजी समारोह में हुई सगाई

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दोनों की सगाई एक प्राइवेट सेरेमनी में परिवार के सदस्यों और करीबी दोस्तों के बीच हुई है। कहा यह भी जा रहा है कि दोनों ने अपनी शादी का एलान करने से पहले कुछ दिनों इंतजार करने का फैसला लिया है। इसलिए सगाई को लेकर भी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

रश्मिका के हालिया पोस्ट ने दी अफवाहों को हवा

रश्मिका मंदाना और विजय की सगाई की रूमर्स दरअसल, रश्मिका के हालिया सोशल मीडिया पोस्ट से शुरू हुईं। रश्मिका ने कुछ फोटोज शेयर किए हैं, जिनमें वे साड़ी में नजर आ रही हैं। यह दशहरा के अवसर की तस्वीरें हैं। रश्मिका ने इन्हें साझा कर फैंस को दशहरा की शुभकामनाएं दी हैं और थामा के ट्रेलर को अच्छा रेस्पॉन्स मिलने पर शुक्रिया कहा है। मगर, नेटिजन्स ऐसे कयास लगा रहे हैं कि रश्मिका की यह फोटोज विजय के घर की हैं और दोनों की सगाई हो गई है। हालांकि, सगाई की कोई तस्वीर सामने नहीं आई है। न ही कोई आधिकारिक पुष्टि हुई है।

पहले भी आती रही हैं ऐसी खबरें

बता दें कि रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शादी और सगाई से जुड़ी खबरें पहले भी आती रही हैं। कल रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म द गर्लफ्रेंड पर एक बड़ा एलान होने वाला है। ऐसे में दावे यह भी किए जा रहे हैं कि कहीं इसी सिलसिले में यह कोई पीआर स्टंट तो नहीं है। अब विजय और रश्मिका ने वाकई सगाई कर ली है या नहीं, यह तभी स्पष्ट हो पाएगा, जब दोनों की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक सूचना जारी की जाएगी।

काम के घंटे को लेकर रानी मुखर्जी ने किया रिएक्ट

बीते कुछ वक्त से बॉलीवुड इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर बहस चल रही है। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने 8 घंटे काम करने की मांग की थी, जिसके बाद उन्होंने संदीप रेड्डी वांगा की आगामी फिल्म स्पिरिट' को बीच में ही छोड़ दिया था। इसके बाद से चर्चाओं का बाजार गरम हो गया था। इसपर कई सेलेब्स ने भी प्रतिक्रिया दी है। अब काम के घंटे को लेकर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने भी रिएक्ट किया है। साथ ही उन्होंने निर्देशन में अपने करियर को लेकर भी बात कही है।

शूटिंग के दौरान भी कैसी रखती थीं बच्चे का ख्याल?

एएनआई से बात करते हुए रानी मुखर्जी ने फिल्म हिचकी की शूटिंग के दिनों को याद किया और अपनी बेटी आदिरा के पालन-पोषण के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'जब मैंने हिचकी की थी, तब आदिरा 14 महीने की थी। मुझे सबकुछ करके शहर के एक कॉलेज में शूटिंग करने जाना होता था।'

काम के बीच में जिम्मेदारियों को भी बैलेंस किया

आगे उन्होंने फिल्म की शूटिंग और पारिवारिक जिम्मेदारी के बीच में बैलेंस का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'जुहू स्थित मेरे घर से शूटिंग की जगह तक पहुंचने में लगभग दो घंटे लगते थे और ट्रैफिक भी बहुत ज्यादा रहता था। इसलिए मैंने तय किया था कि बेटी के लिए सबकुछ करके 6.30 बजे निकल जाती और शूटिंग शुरू कर देती। मेरा पहला शॉट सुबह 8 बजे होता था और मैं 12.30 से 01 बजे तक सब कुछ निपटा लेती थी। मेरे क्रू मेंबर्स बहुत योजनाबद्ध थे, जिस वजह से उन 6-7 घंटों में मैं अपनी शूटिंग पूरी कर लेती थी। शहर में ट्रैफिक शुरू होने से पहले, मैं 3 बजे तक घर पहुंच जाती थी। मैंने अपनी फिल्म इसी तरह की।'

काम के घंटे आपसी समझ पर आधारित हैं

काम के घंटे को लेकर रानी मुखर्जी ने कहा, 'आजकल ये बातें चर्चा में हैं क्योंकि शायद लोग बाहर इस पर चर्चा कर रहे हैं। लेकिन यह सभी कार्यों का एक सामान्य नियम रहा है। मैंने भी ऐसा किया है, जहां मैंने कुछ घंटों तक काम किया है। अगर निर्माता को इससे कोई आपत्ति नहीं है, तो आप फिल्म नहीं करते। इसलिए यह भी एक विकल्प है। कोई किसी पर कुछ भी थोप नहीं रहा है।'

रानी मुखर्जी का वर्कफ्रंट

रानी मुखर्जी के काम की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार मिसेज चटर्जी वर्सेज नार्वे में देखा गया था। वहीं उनकी आगामी फिल्म मर्दानी 3 है।

बताया कब करेंगी निर्देशन

अभिनेत्री से उनकी निर्देशन को लेकर रुचि के बारे में सवाल किया गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि मैं इस पेशे में हमेशा कहती हूं कि कभी ना मत कहो। मुझे लगता है कि मैं जिस तरह की इंसान हूं, मुझे पता होता है कि मैं कब निर्देशन के लिए तैयार हूं या मुझे पता होता है कि वह समय कब आएगा। अभी, मुझे नहीं लगता कि ऐसा है। अभी, मैं एक अभिनेत्री होने और निर्देशित होने से बहुत खुश हूं।'

वरदान है मां का दूध

दुनियाभर में मां के दूध को बच्चे के लिए सबसे बढ़िया माना गया है। यह शिशु के लिए क़ुदरती आहार है, जिसका दूसरा कोई विकल्प नहीं है। नवजात बच्चे के लिए यह पोषण का सबसे बढ़िया स्रोत है। यह बच्चे को कई बीमारियों व इन्फैक्शंस से बचाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि मां जब बच्चे को दूध पिलाती है, तब उन दोनों में भावनात्मक संबंध और मज़बूत होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नवजात शिशु को जन्म के एक घंटे के भीतर दूध पिलाना फ़ायदेमंद रहता है।

क्यों है ज़रूरी?-

मां का दूध डिब्बाबंद दूध की अपेक्षा जल्दी हज़म हो जाता है। इसमें फैट, ग्लूकोज़, पानी और प्रोटीन संतुलित मात्रा में होते हैं, जो बच्चे के विकास के लिए ज़रूरी हैं। मां के दूध में पाया जाने वाला प्रोटीन आसानी से पच जाता है, इससे बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। मां का दूध पीने वाले बच्चे ज़्यादा बुद्धिमान होते हैं, मोटापे का शिकार नहीं होते और उन्हें भविष्य में कई बीमारियों का ख़तरा भी कम होता है।

बोतल का दूध पीने वाले बच्चे विकास के लिए ज़रूरी पोषक तत्वों से वंचित रह जाते हैं। जिन बच्चों को मां का दूध नहीं मिल पाता, उनमें ब्रैस्ट फीड लेने वालों के मुक़ाबले मौत का ख़तरा 2-7 गुना ज़्यादा रहता है या गंभीर बीमारियों की संभावना बनी रहती है।

ये है फ़ायदा-

ब्रैस्ट फीडिंग शिशु के लिए संरक्षण और संवर्धन का काम करती है। नए जन्मे बच्चे में रोग प्रतिरोधक शक्ति नहीं होती। मां के दूध से यह शक्ति

शिशु को हासिल होती है। मां के दूध में लैटोफोर्मिन नामक तत्व होता है, जो बच्चे की आंत में लौह तत्व (आयरन) को बांध लेता है। आयरन के कारण शिशु की आंत में रोगाणु पनप नहीं पाते। मां के दूध से आए साधारण जीवाणु बच्चे की आंत में पनपते हैं और रोगाणुओं से प्रतिस्पर्धा कर उन्हें पनपने नहीं देते। वातावरण से मां की आंत में पहुंचे रोगाणु, आंत में स्थित विशेष भाग के संपर्क में आते हैं, जो उन रोगाणुविशेष के ख़िलाफ़ प्रतिरोधक तत्व बनाते हैं। ये तत्व एक विशेष नलिका थोरासिक डट से सीधे मां के स्तन तक पहुंचते हैं और दूध से बच्चे के पेट में। इस तरह मां का दूध पीकर बच्चा हमेशा स्वस्थ रहता है।

मां की तंदुरुस्ती का राज़-

एक अध्ययन के अनुसार जो महिला अपने बच्चे को दूध पिलाती है, उसके शरीर में 400-600 कैलोरी अतिरिक्त ख़र्च होती है। इससे प्रैगनेंसी के दौरान शरीर पर चढ़ी अतिरिक्त फैट कम हो जाती है। यूट्रस भी अपने वास्तविक आकार में आ जाता है। डिलीवरी के बाद होने वाली लीडिंग भी कम होती है। ब्रैस्ट व यूट्रस कैंसर होने का ख़तरा भी कम हो जाता है।

ये है ख़तरा-

जिन बच्चों को बचपन में पर्याप्त रूप से मां का दूध पीने को नहीं मिलता, उनमें टाइप-टू डायबिटीज़ होने की संभावना अधिक होती है। उनमें बुद्धि विकास अपेक्षाकृत कम होता है। अगर बच्चा समय पूर्व जन्मा (प्रीमेच्योर) हो, तो उसे बड़ी आंत का घातक रोग, नेक्रोटाइजिंग एंटोरोकोलाइटिस हो सकता है। अगर गाय का दूध पीतल के बर्तन में उबालकर दिया गया हो, तो शिशु को लीवर का रोग 'इंडियन चाइल्डहुड सिरोसिस' हो सकता है।

कब पिलाएं दूध-

जन्म के तुरंत बाद बच्चे को मां का दूध पिलाने की कोशिश करनी चाहिए। यदि नॉर्मल डिलीवरी हो, तो आधे घंटे बाद और यदि सिज़ेरियन हो, तो दो घंटे बाद बच्चे को फीड दी जानी चाहिए।

जब भी बच्चा रोता है, तब कुछ मांएं तुरंत उन्हें दूध पिलाना शुरू कर देती हैं, पर बच्चे को दो घंटे के बाद ही दूध पिलाएं। बच्चे को दिनभर में ग्यारह-बारह बार दूध पिलाना चाहिए। कुछ बच्चे धीरे-धीरे दूध पीते हैं, तो कुछ जल्दी ही पी लेते हैं, इसलिए बच्चे को तब तक दूध पिलाएं, जब क कि उसका पेट भर न जाए। कई बार मांएं जल्दी दूध छुड़वा लेती हैं, पर तब तक बच्चे का पेट नहीं भरा होता।

फीड ही ह पर्याप्त है-

बच्चे को चार महीने की उम्र तक मां के दूध के अलावा कुछ भी देने की ज़रूरत नहीं होती। जो बच्चे केवल मदर फीड लेते हैं, बोतल का दूध नहीं पीते, उन्हें इस दौरान पानी की भी आवश्यकता नहीं होती। उन्हें मां के दूध से ही पूरा पोषण मिल जाता है।

मिथ-

कई लोगों में यह धारणा है कि पहले दो-तीन दिन मां को जो दूध आता है, वह बच्चे को नहीं पिलाना चाहिए। यह धारणा ग़लत है। इस गाढ़े व पीले रंग के दूध को कोलेस्ट्रॉम कहते हैं। यह बच्चे के लिए बहुत फ़ायदेमंद है, क्योंकि इसमें प्रोटींस, एनर्जी और प्रोटैक्टिव एंटी बॉडिज़ होते हैं, जो बच्चे को कई बीमारियों से बचाते हैं। जन्म के

समय कोलेस्ट्रॉम की एक-एक बूंद आंख में डाल दें, तो कुछ बैटीरिया आंखों में होते ही नहीं। लेकिन ऐसा सिर्फ़ एक ही बार करें।

जब बात हो डिनर की

भागदौड़ भरी ज़िंदगी में सारा दिन घर और ऑफिस का काम करने के बाद कई बार महिलाएं इतना थक जाती हैं कि वे डिनर बनाने से मुक्ति पाना चाहती हैं। इसके लिए सबसे आसान उपाय रहता है या तो बाहर रेस्तरां में खाना खाया जाए या फिर फास्ट फूड से गुज़ारा चलाया जाए। लेकिन ये दोनों ही ऑप्शन सेहत के लिए ख़राब हैं। इनसे हमारी भूख तो मिट जाती है, पर शरीर कई बीमारियों का शिकार हो जाता है। खाना केवल पेट भरने के लिए ही नहीं खाया जाता, बल्कि अच्छी सेहत के लिए खाया जाना चाहिए। कामकाजी दपति नाश्ता तो जल्दबाज़ी में कर लेते हैं, लंच भी ऑफिस में ही हो जाता है, पर डिनर में वे पोषक तत्वों का ध्यान रख सकते हैं। डिनर संतुलित और पौष्टिक होना चाहिए। याद रखें काम का चाहे कितना भी बोझ क्यों न हो, सड़क के किनारे बिकने वाला खाना खाने से बचें। डिनर के मेन्यू में कुछ बातों का ध्यान रखकर आप हैल्दी ज़िंदगी इंजॉय कर सकते हैं:

- सोने से कम से कम दो घंटे पहले डिनर ज़रूर कर लें। डिनर में कम लेकिन न्यूट्रिशस फूड आइट्स ही लें, क्योंकि इससे दिनभर की थकान से टैंस हुए मसल्स को रिलैस होने में मदद करती है।
- डिनर हमेशा लाइट लें, हैवी डिनर आपको ड्राउज़ी बना देता है और आपको कफर्टेबल व साउंड नींद नहीं आती।
- क्रीमी सूप, वाइट ब्रेड, सफेद चावल, पेस्ट्री, पिज़्ज़ा और बचेखुचे खाने आदि से परहेज़ करें। इनमें पोषक तत्व नामात्र होते हैं और ये स्लीप पैटर्न को ख़राब करते हैं।
- तला-भुना खाना न खाएं, इससे गैस, हार्ट बर्न व इन्डाइजैशन होती है। इसके बजाय ग्रिल्ड, बेड और उबला हुआ खाना खाएं।
- चीनी युक्त चीज़ों का सेवन कम करें, क्योंकि ये आपके शरीर के शुगर लैवल को बढ़ा सकती हैं।

फैट भी है ज़रूरी

फैट का नाम सुनकर शायद आपको ऐसा लग रहा हो कि आपको इसका सेवन नहीं करना चाहिए, पर ऐसा नहीं है। फैट, हैल्दी डाइट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। छोटे बच्चों की डाइट में फैट की एक विशेष मात्रा होनी ज़रूरी है, ताकि उनके ब्रेन और नर्वस सिस्टम की डिवैलपमेंट सही तरीक़े से हो सके। हाई फैट फूड्स का बहुत ज़्यादा मात्रा में सेवन करने से हम बहुत ज़्यादा कैलोरीज़ कंज़्यूम कर लेते हैं। इससे वज़न बढ़ सकता है और साथ ही कैंसर, हार्ट डिसीज़, हाई ब्लड प्रैशर और स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारियां होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इसलिए 30 फ़ीसदी से ज़्यादा कैलोरीज़ फैट्स से नहीं आनी चाहिए।

फैट के प्रकार

सैच्युरेटिड फैट्स: सैच्युरेटिड फैट्स फैटी एसिड है, जो ब्लड कोलेस्ट्रॉल का लैवल बढ़ाता है। यह मीट, होल डेयरी प्रॉडक्ट्स, जैसे मखन, मार्जरिन, चीज़, क्रीम व आईसक्रीम में पाया जाता है। कुछ सैच्युरेटिड फैट्स पौधों में भी पाए जाते हैं, जैसे कोकोनट व पाम ऑयल। स्किड मिल्क (मलाई के बग़ैर दूध) और लो फैट चीज़ों का इस्तेमाल करके हम डाइट में से सैच्युरेटिड फैट्स की मात्रा कम कर सकते हैं।

अनसैच्युरेटिड फैट्स: अनसैच्युरेटिड फैट्स आमतौर पर रूम टैपरेचर पर तरल अवस्था में होते हैं। यह मुख्य रूप से वैजिटेबल प्रॉडक्ट्स और तेलों में पाया जाता है। पॉलीअनसैच्युरेटिड और मोनोअनसैच्युरेटिड फैट्स वाले खाद्य पदार्थों के सेवन से हार्ट डिसीज़ के ख़तरे में बढ़ौतरी नहीं होती। अन्य सभी फैट्स की ही तरह इनसे भी हमें एक ग्राम में नौ कैलोरीज़ प्राप्त होती हैं। इसलिए इसका ज़्यादा सेवन करने से वज़न बढ़ सकता है। लो-फैट फूड्स जैसे सब्ज़ियां, फल, रोटी, चावल व दालों का अधिक सेवन करके हम अनसैच्युरेटिड फैट की मात्रा कम कर सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल: कोलेस्ट्रॉल एक ज़रूरी फैट है, जिसे लिवर बनाता है। कई लोग मीट व डेयरी प्रॉडक्ट्स के सेवन से अतिरित कोलेस्ट्रॉल प्राप्त कर लेते हैं। इससे ब्लड कोलेस्ट्रॉल का लैवल बढ़ जाता है जिससे हार्ट डिसीज़ का ख़तरा बढ़ जाता है। ऐसे खाद्य पदार्थों का ज़्यादा सेवन करें, जिनमें कोलेस्ट्रॉल और सैच्युरेटिड फैट की मात्रा कम हो।

ट्रांस फैट: जब लिक्विड ऑयल को सॉलिड फैट में बदला जाता है, तब ट्रांस फैट्स पैदा होते हैं। इस प्रक्रिया को हाइड्रोजेनेशन कहते हैं। ट्रांस फैट्स भी सैच्युरेटिड फैट्स की ही तरह काम करते हैं और आपका कोलेस्ट्रॉल लैवल बढ़ा सकते हैं। ट्रांस फैट्स के अधिक सेवन से बचने के लिए ऐसे खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें, जिन पर हाइड्रोजेनेटिड ऑयल लिखा हुआ हो। प्रोसैस्ड फूड्स, फास्ट फूड और बेड गुड्स इत्यादि में ट्रांस फैट्स होते हैं। इसलिए इनकेसेवन से बचें।

क्यों है ज़रूरी?: सेहतमंद रहने के लिए फैट्स बहुत ज़रूरी हैं। 20 से 30 फ़ीसदी कैलोरीज़ हमें फैट से मिलनी चाहिए।

- भोजन में मौजूद फैट शरीर को विटामिन ए, डी, इ और के को असॉर्ब करने में बड़ी आंत की मदद करते हैं, योंकि ये फैट सॉल्यूबल विटामिन हैं।
- ब्रेन की डिवैलपमेंट के लिए फैट्स बहुत ज़रूरी हैं।
- फैट्स एनर्जी का सबसे बढ़िया स्रोत हैं। एक ग्राम फैट से नौ कैलोरीज़ मिलती हैं, जबकि एक ग्राम कार्बोहाइड्रेट्स और प्रोटीन से केवल चार कैलोरीज़ मिलती हैं।
- हैल्दी स्किन के लिए फैट्स ज़रूरी हैं। इसकी कमी से स्किन रूखी हो जाती है। स्किन के नीचे फैट की तह शरीर के अपने इंसुलेशन की तरह काम करती है, जो शरीर का तापमान रैगुलेट करने में मदद करती है।
- हैल्दी झिल्ली के बग़ैर सैल कार्य नहीं कर सकते। फैट्स झिल्ली का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।
- हार्मोन बनाने के लिए भी फैट्स ज़रूरी होते हैं, जो शरीर के कई कार्यों को रैगुलेट करते हैं। ये सैस हार्मोन की प्रॉडशन भी नियमित करते हैं। यही कारण है कि जो टीनएजर लड़कियां बहुत ज़्यादा पतली होती हैं, उनमें हृश्यूबर्टी डिवैलपमेंट देर से होती है।
- एनर्जी का न्यूट्रिशस ज़रिया होने के अलावा ये भोजन को लेवर और टेस्ट देते हैं।

शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों, जैसे किडनी, दिल और आंतों को फैट्स प्रॉटैटिव कुशन प्रदान करते हैं। इससे इन्हें चोट से बचने और अपनी जगह पर बने रहने में मदद मिलती है।

सॉर्स

नट्स, ऑयल्स, मखन और मीट में फैट काफ़ी मात्रा में फैट पाया जाता है। पीनट बटर में फैट काफ़ी ज़्यादा मात्रा में होता है, पर यह बहुत पौष्टिक भी होता है।